शुक्रवार

21 जून 2024

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

आपकी आवाज

2025 में परिवारवादी और भ्रष्टाचारी तेजस्वी यादव को समाप्त कर देंगे: नित्यानंद

2

नीतीश सरकार को झटका... आरक्षण का दायरा 65% करने का फैसला हाईकोर्ट ने रद्द किया

केटी न्यूज/पटना

पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार को झटका देते हुए आरक्षण का दायरा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी किए जाने के राज्य सरकार के फैसले को रद्द कर दिया है। गुरुवार को पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच ने राज्य सरकार द्वारा शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में एससी, एसटी, ईबीसी व अन्य पिछड़े वर्गों को 65 फीसदी आरक्षण देने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने राज्य सरकार के द्वारा लाये गये कानून को रद्द करने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता गौरव कुमार और अन्य द्वारा

दायर याचिकाओं पर हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला 11 मार्च को सुरक्षित रख लिया था जिस पर गुरुवार को फैसला सुनाया। बिहार सरकार ने पिछले साल के अंत में विधानसभा के पटल पर राज्य के आर्थिक और शैक्षणिक आंकड़े रखे गए थे। सरकार ने यह भी बताया कि राज्य की सरकारी नौकरियों में किस वर्ग की कितनी हिस्सेदारी है।

63% आबादी वाले पिछड़े वर्ग के पास 6 लाख नौकरियां

बिहार में सामान्य वर्ग की आबादी 15 प्रतिशत है और सबसे ज्यादा 6 लाख 41 हजार 281 लोगों के पास सरकारी नौकरियां हैं। नौकरी के मामले में दूसरे नंबर पर 63 फीसदी आबादी वाला पिछड़े वर्ग है। पिछड़ा वर्ग के पास कुल 6 लाख 21 हजार 481 नौकरियां हैं। तीसरे नंबर पर 19 प्रतिशत वाली अनुसूचित जाति है। एससी वर्ग के पास 2 लाख 91 हजार 4 नौकरियां हैं। सबसे कम एक प्रतिशत से ज्यादा आबादी वाले अनुसूचित जनजाति वर्ग के पास कुल 30 हजार 164 सरकारी नौकरियां हैं। अनुसचित जनजाति की आबादी 1.68 प्रतिशत है। फिलहाल, देश में 49.5 प्रतिशत आरक्षण है। ओबीसी को 27 प्रतिशत, एससी को 15 प्रतिशत और एसटी को 7.5 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। इसके अलावा आर्थिक रूप से पिछड़े सामान्य वर्ग के लोगों को भी 10 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। इस हिसाब से आरक्षण की सीमा 50 फीसदी के पार जा चुकी है। हालांकि, नवंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने आर्थिक रूप से पिछड़े सामान्य वर्ग के लोगों को आरक्षण देने को सही ठहराया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ये कोटा संविधान के मूल ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचाता। बिहार में भी पहले आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत ही थी। पिछड़े वर्ग के लोगों नौकरियों से जोड़ने के उद्देश्य से ही बिहार सरकार ने आरक्षण का दायरा बढ़ाया था।

हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देगी राज्य सरकार

बिहार में आरक्षण का दायरा बढ़ाए जाने के फैसले पर पटना हाई कोर्ट से झटका लगने के बाद राज्य सरकार का बड़ा फैसला सामने आया है। राज्य सरकार हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी। इस बारे में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि हम लोग सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और सुप्रीम कोर्ट से न्याय मांगेंगे। बिहार में सभी वर्ग को आरक्षण दिया गया है। जातीय गणना कराके नीतीश कुमार ने जो निर्णय लिया इसको लेकर हम सुप्रीम कोर्ट जायेंगे। बिहार गरीब राज्य है, एसटी एससी की आबादी बढ़ी इस आधार पर आरक्षण बढ़ाया गया।

नीतीश जी एक बार फिर प्रधानमंत्री का पैर पकड़िए: तेजस्वी

पटना। पटना हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के उस फैसले को रद्द कर दिया है, जिसमें जातीय गणना के बाद आरक्षण की सीमा को बढ़ाने का फैसला लिया गया था। पटना हाई कोर्ट ने आरक्षण की सीमा बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले को रद्द कर दिया है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि कोर्ट के फैसले से हमलोग आहत हैं। हमलोगों को पहले से ही संदेह था कि भाजपा के लोग किसी भी हालत में आरक्षण को रोकने का काम करेंगे। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी हमने यह बात कही थी। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में जब महागठबंधन की सरकार थी तब हमलोगों ने जातीय आधारित गणना कराई थी। तब बीजेपी के लोगों ने इसी तरह से कोर्ट में पीआईएल करवा कर इसे रुकवाने का प्रयास किया। अंत में हमलोगों की ही जीत हुई। हमलोगों ने सर्वे कराया। उसके बाद 75 प्रतिशत आरक्षण पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित और आदिवासियों का बढ़ाया। ईब्लूएस को 10 प्रतिशत हमलोगों ने छोड़ा। तेजस्वी ने कहा कि हमारी सरकार ने आरक्षण को बढ़ाया लेकिन सत्ता में बीजेपी के आते ही आरक्षण को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। तेजस्वी ने कहा कि हम माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अनुरोध करते हैं कि कई बार आपने प्रधानमंत्री जी का पैर पकड़े हैं इस बार भी पैर पकड़कर कम से कम शेड्यूल लाइन में डलवाने का काम करें।

नीट पेपर लीक मामला: बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने किया दावा

पेपर लीक के मास्टरमाइंड के लिए तेजस्वी के निजी सचिव ने बुक कराया था कमरा

- नीट पेपर लीक का सरगना सिकंदर कुमार यादवेंदु से तेजस्वी के पीए प्रीतम कुमार के डायरेक्ट कनेक्शन के कई तथ्य आये सामने
- प्रीतम कुमार को पूछताछ के लिए बुलायेगी ईओयू

केटी न्यूज/पटना

नीट यूजी 2024 को लेकर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है. लेकिन बिहार में रोज नयी बातें सामने आ रही हैं। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई नीट परीक्षा में पेपर लीक की जांच कर रही है। इसमें अब तक कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। बिहार पुलिस कह रही है नीट पेपर लीक का सरगना सिकंदर कुमार यादवेंदु नाम का जूनियर इंजीनयर है। सिकंदर यादवेंदु को लेकर कई सारे तथ्य सामने आये हैं और उसके तार सीधे बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से जुड़ रहे हैं। जानकारी के अनुसार आर्थिक अपराध इकाई यानि ईओयू पेपर लीक मामले में तेजस्वी यादव के प्राइवेट सेकेट्री प्रीतम कुमार को पूछताछ करने के लिए बुलायेगी। ईओयू के सूत्रों के मुताबिक सिकंदर कुमार यादवेंदु से प्रीतम कुमार के डायरेक्ट कनेक्शन के कई तथ्य सामने आये हैं। नीट पेपर लीक होने के बाद सिकंदर यादवेंदु के लिए सरकारी गेस्ट हाउस बुक कराने से लेकर उसकी पोस्टिंग तक में प्रीतम कुमार की भूमिका सामने आ रही है।

विजय सिन्हा का आरोप-तेजस्वी के घर से हुआ है सारा खेल

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने नीट परीक्षा पेपर लीक का सारा खेल तेजस्वी यादव के घर से होने का सीधा आरोप लगाया। कहा कि जांच में ये तथ्य सामने आया है कि नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद अभ्यर्थियों को उसका उत्तर रटवाने के लिए एएचएआई का सरकारी गेस्ट हाउस बुक किया गया था। वहां से पुलिस के जले हुए एमओआर शीट के अलावा कई और सबूत बरामद हुए हैं। विजय सिन्हा ने कॉल डिटेल समेत कई दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि एक मई को तेजस्वी यादव के निजी सचिव प्रीतम कुमार के मोबाइल नंबर से रात को 9 बजकर 7 मिनट पर पथ निर्माण विभाग में कार्यरत प्रदीप कुमार को फोन किया गया। प्रीतम कुमार ने फोन करके कहा कि सिकंदर कुमार यादवेंदु के लिए एनएचएआई गेस्ट हाउस में कमरा बुक करा दिया जाये। इस पर प्रदीप कुमार ने कोई संज्ञान नहीं लिया। लेकिन तेजस्वी यादव के निजी सचिव प्रीतम कुमार ने फिर 4 मई को सुबह 8 बजे से ही पथ निर्माण विभाग के कर्मचारी प्रदीप कुमार को फोन करना शुरू कर दिया। इस बार प्रदीप कुमार ने पथ निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता को वॉट्सऐप पर मेसेज भेजा था। प्रदीप कुमार के मैसेज के आधार पर एएचएआई का गेस्ट हाउस बुक कर दिया गया। ईओयू की जांच में पता चला है कि गेस्ट हाउस में पेपर लीक के किंगपिन सिकंदर यादवेंदु की साली रीना कुमारी और उसका बेटा अनुराग यादव रूका था। वहां कुछ और अभ्यर्थियों को बुलाया गया और नीट परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र देकर उत्तर रटवाया गया था।

तेजस्वी ये स्पष्ट करें कि सिकंदर कुमार से उनका क्या संबंध है

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि तेजस्वी यादव ये स्पष्ट करें कि सिकंदर कुमार यादवेंदु से उनका क्या संबंध है। क्या उनके आप्त सचिव प्रीतम कुमार तेजस्वी यादव के कहने पर सारा खेल कर रहे थे। विजय सिन्हा ने कहा कि लालू यादव जब रांची जेल में बंद थे तो सिकंदर यादवेंदू वहां सारा व्यवस्था कर रहा था। तेजस्वी यादव को ये बताना चाहिये कि उनके नगर विकास मंत्री रहते सिकंदर यादवेंदी को दानापुर नगर परिषद के साथ साथ चार-चार जगहों का प्रभार किसने दिया। सिकंदर यादवेंदु घोटाले में जेल जा चुका है फिर भी उसे इतनी मलाईदार पोस्टिंग कैसे मिली। सिकंदर की पहुंच तेजस्वी के घर से लेकर बाहर तक थी।

पटना के स्टूडेंट का कबूलनामा

कहा - रात में ही मिल गया था सेम टू सेम क्वेश्चन पेपर

पटना। नीट यूजी 2024 पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। इस मामले में पटना से गिरफ्तार किए गए अभ्यर्थी अनुराग यादव ने कबूल किया है कि उसे परीक्षा से पहले पेपर मिले थे। इसके साथ ही उनसे अपने बयान में यह भी कहा कि उसे रात भर क्वेश्चन के आंसर रटवाए गए थे। इतना ही नहीं एग्जाम सेंटर में जाने के बाद उसे यही क्वेश्चन पेपर मिले थे। अनुराग ने अपने बयान में कहा कि मुझे मेरे फूफा यानी सिकंदर यादवेंद्र ने कोटा से यह कह कर बुलाया था की परीक्षा के लिए सेटिंग हो गई है। मेरा परीक्षा केंद्र पटना के डिबाई पाटील स्कूल था। परीक्षा के एक दिन पहले रात्रि में अनित आनंद एवं नीतिश कुमार के पास मुझे छोड़ा गया। जहां पर नीट के परीक्षा का प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिका दिया गया एवं रात्रि में पढ़वाया एवं रटवाया गया। उसके बाद मैं स्कूल में परीक्षा देने गया तो जो प्रश्न पत्र रटवाया गया था वही प्रश्न सही सही परीक्षा में मिल गया। परीक्षा के उपरांत अचानक पुलिस आई तथा मुझे पकड़ लिया। बताया जाता है कि अनुराग यादव पटना के सरकारी गेस्ट हाउस में एक मंत्री की पैरवी से ठहरा था। ठहरने की सारी व्यवस्था सिकंदर यादवेंद्र ने की थी। वहीं पेपर लीक मामले के मास्टरमाइंड सिकंदर को भी गिरफ्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी पर राहुल गांधी का तंज

रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने का दावा करते हैं लेकिन पेपर लीक नहीं रोक पा रहे

नई दिल्ली। पेपर लीक के मामले को लेकर देश में सियासत गरमा गई है। लगातार हो रही पेपर लीक की घटना को लेकर विपक्ष दल सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेते हुए तीखा तंज किया और कहा कि देश के प्रधानमंत्री रूस और यूक्रेन के युद्ध को रोकने का तो दावा करते हैं लेकिन पेपर लीक की समस्या को नहीं रोक पा रहे हैं।

राहुल गांधी ने पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि पेपर लीक का एक ही कारण है कि बीजेपी ने देश के संस्थानों पर कब्जा कर लिया है। जब तक यह नहीं रूकेगा पेपर लीक होते रहेंगे। ठएएळ और वत्रढ्ढ ठएळ के पेपर लीक हो गए हैं। ये लोग कहते हैं कि रूस-यूक्रेन की लड़ाई मोदी जी ने रोक दी थी। यह भी कहते हैं कि इजराइल और गाजा की लड़ाई भी मोदी जी ने ही रोक दी थी लेकिन वह पेपर लीक की समस्या को नहीं रोक पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से मध्य प्रदेश में व्यापम घोटाला हुआ ठीक वैसे ही नरेंद्र मोदी व्यापम को पूरे देश में फैला रहे हैं। पेपर लीक इसलिए होता है क्योंकि शिक्षा व्यवस्था पर बीजेपी के लोगों ने कब्जा किया हुआ है।

राज्य के हर पंचायत में खेल क्लब बनाएगी बिहार सरकार

- नीतीश कैबिनेट की बैठक में 22 एजेंडों पर मुहर
- गया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर भागलपुर में मेट्रो चलाने का लिया गया फैसला
- खेल विभाग में बड़े पैमाने पर होगी बहाली

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 22 एजेंडों पर अपनी मुहर लगाई है। मुजफ्फरपुर और दरभंगा समेत राज्य के चार और शहरों में मेट्रों चलाने का फैसला लिया है। दरअसल, लोकसभा चुनाव के बाद हुई बिहार कैबिनेट की दूसरी बैठक में सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं।

सरकार ने खेल विभाग में 58 पदों के सृजन पर अपनी स्वीकृति दे दी है। वहीं राज्य के हर पंचायत में खेल क्लब बनाने का निर्णय सरकार ने लिया है। बिहार सरकार इन क्लबों से राज्य के खिलाड़ियों को जोड़ेगी। नियुक्ति को लेकर सरकार ने नया फैसला लिया है। आयोग अब ऑफलाइन और ऑनलाइन एग्जाम लेगा। सरकार ने मानसून सत्र को हरी झंडी दे दी है। 22 से 26 जुलाई तक बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र चलेगा। सत्र में कुल पांच बैठकें होंगी। वहीं राज्य सरकार ने एसएफसी को 12 हजार करोड़ रुपए दिए हैं। सरकार ने बिहार के चार और शहरों में मेट्रो दौड़ाने का फैसला लिया है। सरकार ने मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा और भागलपुर में मेट्रो चलाने पर अपनी सहमति दे दी है।

शहरी गरीबों के लिए बनेंगे मल्टी स्टोरेज बिल्डिंग

राज्य में शहरी गरीबों के लिए मल्टी स्टोरेज बिल्डिंग बनाने का फैसला लिया है। 750 गरीब परिवारों के लिए पीपीपी मोड में यह आवास बनाए जाएंगे। शहरी बस्ती और फुटपाथ पर रहने वाले परिवारों के लिए ये आवास बनेंगे। वहीं किसानों को राहत देते हुए सरकार ने डीजल अनुदान के लिए 150 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। अधिकतम 8 एकड़ जमीन के लिए डीजल अनुदान मिलेगा। किसानों को 3900 तक का लाभ मिल सकेगा। सरकार ने पॉलिटेक्निक कॉलेज के लिए 148 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। यह राशि पॉलिटेक्निक कॉलेज में कंप्यूटर, डेस्क, फर्नीचर, लैबोरेटरी आदि पर खर्च होगी।

चुनाव आयोग ने 6 राज्यों की 8 लोकसभा सीटों की ईवीएम की जांच के दिए आदेश

एजेंसी/नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने 6 राज्यों की 8 सीटों पर लोकसभा चुनाव के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत मिलने के बाद जांच के आदेश दिए हैं। हरियाणा की करनाल और फरीदाबाद सीट पर वोटिंग के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी, जबकि तमिलनाडु की वेल्लोर और विरुधुनगर सीट पर भी मतदान के दौरान शिकायत मिली थी। जबकि छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की 1-1 सीटों पर भी ईवीएम से छेड़छाड़ की आशंका जताई गई है। कुल 8 सीटों में बीजेपी ने 3 और कांग्रेस ने 2 सीटों में जीत हासिल की थी. बाकी 3 सीटों अन्य पार्टियों के उम्मीदवार विजयी रहे थे। आयोग ने आंध्र प्रदेश और ओडिशा की 3 विधानसभा सीटों के ईवीएम के जांच के आदेश दिए हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत प्रदान करते हुए आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले जमानत प्रदान कर दी। इस मामले में गिरफ्तार केजरीवाल दूसरे राजनेता हैं जिन्हें जमानत मिली है। इससे पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने सांसद संजय सिंह को जमानत प्रदान की थी। अवकाश न्यायाधीश नियाय बिंदु ने केजरीवाल और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दो दिनों तक सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। इससे पहले उन्होंने दिन में दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। उन्होंने कल ही स्पष्ट किया था कि वे बहस पूरी होने के बाद तुरंत ही फैसला देगी क्योंकि यह मामला हाई प्रोफाइल है।

अदालत ने गुरुवार शाम आदेश सुनाए जाने के बाद ईडी ने अनुरोध किया कि क्या जमानत बांड पर हस्ताक्षर करने को 48 घंटे के लिए टाला जा सकता है ताकि आदेश को अपीलीय अदालत के समक्ष चुनौती दी जा सके। अदालत ने उनके आग्रह को खारिज करते हुए आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। ट्रायल कोर्ट ने कहा कि जमानत बांड को ड्यूटी जज के समक्ष पेश किया जाना है। अदालत ने अपने आदेश में केजरीवाल की जमानत एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर स्वीकार की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की फैमिली आईडी योजना के प्रगति की समीक्षा

प्रदेश के हर परिवार के पास हो फैमिली आईडी: सीएम योगी

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की प्रत्येक परिवार इकाई को जारी की जा रही 'परिवार आईडी' प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ सभी परिवारों को उपलब्ध कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

हर परिवार को सरकार की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक परिवार के न्यूनतम एक सदस्य को रोजगार-सेवायोजन से जोड़ने के संकल्प के क्रम में प्रदेश मे परिवार आईडी जारी की जा रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में निवासरत लगभग 3.60 करोड़ परिवार के 15.07 करोड़ लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पा रहे हैं। इन परिवारों की

राशनकार्ड संख्या ही फैमिली आईडी है। जबकि 01 लाख से अधिक गैर राशन कार्ड धारकों को फैमिली आईडी जारी की जा चुकी है। ऐसे परिवार जो कि राशन कार्ड धारक नहीं है, उनके लिए https://familyid.up.gov.in पर पंजीयन कर परिवार आईडी प्राप्त करने की व्यवस्था है। इस योजना का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। प्रदेश का कोई भी परिवार इससे वंचित न रहे।

एक परिवार-एक पहचान योजना के तहत प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट पहचान जारी किया जा रहा है, जिससे राज्य की परिवार इकाइयों का एक लाइव व्यापक डेटाबेस स्थापित होगा। यह डेटाबेस लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबंधन, समयबद्ध लक्ष्यीकरण, पारदर्शी संचालन एवं योजना का शत-प्रतिशत लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने और आम जनता को सरकारी सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था के सरलीकरण में सहायक होगा।

परिवार आईडी प्रदेश के सभी परिवारों के लिए है। 25 करोड़ जनता को इसका लाभ मिलना चाहिए। परिवार आईडी के माध्यम से प्राप्त एकीकृत डेटाबेस के आधार पर रोजगार से वंचित परिवारों का चिन्हांकन कर उन्हें रोजगार के समुचित अवसर प्राथमिकता पर उपलब्ध कराए जा सकेंगे।

केंद्र व राज्य सरकार संचालित 76 योजनाओं/सेवाओं को फैमिली आईडी से लिंक किया जा चुका है। अवशेष सभी लाभार्थीपरक योजनाओं को परिवार आईडी से लिंकेज किया जाए। केन्द्र सरकार के सहयोग से संचालित समस्त योजनाओं का डेटाबेस प्राप्त कर उसे परिवार कल्याण पास बुक एवं फैमिली आईडी से जोड़ा जाना चाहिए। सभी लाभार्थीपरक योजनाओं/सेवाओं के ऑनलाइन आवेदन में आधार आवेदन एवं आधार अधिप्रमाणन अनिवार्य किया जाना चाहिए। इस तरह फैमिली आईडी का कवरेज बढ़ाने में सहायता मिलेगी। आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में नए प्रवेश के समय आधार ऑथेंटिकेशन कराएं, तदोपरान्त परिवार आईडी से लिंकेज किया जाए।

23 साल पुराने केस में लालू प्रसाद के साले साधु यादव को मिली सजा

केटी न्यूज/पटना

23 साल पुराने मामले में पटना की एमसी-एमएलए कोर्ट ने लालू प्रसाद के साले साधु यादव को बेऊर जेल भेज दिया है। साल 2001 में साधु यादव ने परिवहन कार्यालय में घुसकर मारपीट करने और सरकारी काम में बाधा पहुंचाने का आरोप लगा था। साल 2022 में कोर्ट ने साधु यादव को तीन साल की सजा सुनाई थी।

दरअसल, साधु यादव ने साल 2001 के जनवरी महीने में संयुक्त परिवहन कार्यालय में अधिकरियों के साथ मारपीट की थी। इसी मामले में एमपीएमएलए कोर्ट ने साधु यादव को साल 2022 के 30 मई को तीन साल की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही कोर्ट ने साधु यादव को प्रोविजनल बेल भी दे दिया था। कोर्ट से प्रोविजनल बेल मिलने के बाद साधु यादव ने एक महीने के भीतर जिला जज की कोर्ट में अपील दायर की थी लेकिन जिला जज ने अपील को खारिज कर दिया था। जिसके बाद साधु यादव ने पटना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

2025 में परिवारवादी और भ्रष्टाचारी तेजस्वी यादव को समाप्त कर देंगे: नित्यानंद

- पटना पहुंचे गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को जीरो पर आउट करेंगे

केटी न्यूज/पटना

केंद्र की एनडीए सरकार में दूसरी बार गृह राज्यमंत्री बनने के बाद पहली बार पटना पहुंचे नित्यानंद राय का कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। पटना एयरपोर्ट पर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने लोगों के आशीर्वाद और प्यार के लिए उनका आभार जताया। इस मौके पर नित्यानंद राय ने दावा किया कि आने वाले 2025 के विधानसभा चुनाव में परिवारवादी और

भ्रष्टाचारी नेता तेजस्वी यादव को पूरी तरह से समाप्त कर देंगे। आने वाले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को जीरो पर आउट करेंगे। बिहार के लोगों ने मन बना लिया है। बिहार में नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के प्रयास से विकास की धारा बह रही है।

उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों के मन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं और नरेंद्र मोदी के मन में बिहार का एक-एक नागरिक है। बिहार से उनको कितना प्रेम है हर कोई जानता है। नालंदा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में शामिल होकर उन्होंने देश और दुनिया को बता दिया कि उन्हें बिहार से कितना प्रेम है। नित्यानंद ने कहा कि धरती की सुगंध बता देती है कि फसल कैसी होगी। 2025 में परिवारवादी और भ्रष्टाचारी पार्टी और उसके नेता तेजस्वी यादव को पूरी तरह से समाप्त कर देंगे। राजनीति के अखाड़े में इन लोगों को धूल चटाने का काम करेंगे और महागठबंधन को जीरो पर आउट कराएंगे। वहीं बिहार में बढ़ते अपराध के ग्राफ पर कहा कि अपराध पर नीतीश सरकार कार्रवाई भी करती है और अपराधी को तुरंत सजा भी दिलाती है।

बढ़ते अपराध को लेकर सरकार पर बरसे तेजस्वी, बोले- सत्ता के संरक्षण में सरकारी अपराधी ले रहे लोगों की बलि

पटना। बिहार में तेजी से बढ़ रहे क्राइम के ग्राफ को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर डबल इंजन सरकार को घेरा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा में अपराधियों द्वारा स्कूल में घुसकर हेडमास्टर को गोली मारने की घटना को तेजस्वी ने मुद्दा बनाया है। दरअसल, बुधवार को पीएम मोदी जब नालंदा दौरे पर आए थे, तभी तेलहड़ा थाना क्षेत्र में अपराधियों ने तेलहड़ा प्लस टू हाई स्कूल में घुसकर प्रभारी हेडमास्टर संतोष कुमार को गोली मार दी। गोली लगने से वह घायल हो गये। तेजस्वी यादव ने इस घटना को मुद्दा बनाते हुए सरकार पर हमला बोला है। तेजस्वी ने एक्स पर लिखा, बिहार में सरकारी अपराधियों के हौसले इतने बुलंद है कि कल जब पीएम और सीएम दोनों सीएम के गृह जिला नालंदा में उपस्थित थे तब उसी वक्त नालंदा में सरकारी गुंडे सरेआम स्कूल में घुस मुख्य अध्यापक को गोली मार तांडव मचा रहे थे। तेजस्वी ने आगे लिखा, प्रधानमंत्री जी तो अपराधियों के कपड़े और गमछे का रंग देख कर इसे राम राज्य ही कहेंगे। वैसे भी अब चुनाव बीत गए इसलिए प्रधानमंत्री को आगामी चुनाव प्रचार में ही 25 साल पहले का तथाकथित जंगलराज दिखेगा। ऐसा ही सीएम समेत समस्त एनडीए नेताओं का भी रवैया होगा तब तक सरकारी अपराधी यूं ही सत्ता संरक्षण में हजारों नागरिकों की जब चाहे जहां चाहे बलि लेते रहेंगे।

कौआकोल थाना क्षेत्र के भलुआही गांव का मामला, ग्रामीणों में आक्रोश

नवादा में बंद घर से मिला तीन महिलाओं का शव, पैसों के लिए हत्या किए जाने की आशंका

- कुछ दिन पहले ही तीनों ने 15 लाख रुपए में बेची थी जमीन
- आशंका है कि उन्हीं रुपयों के लिए घर में घुसकर तीनों की कर दी गई हत्या

केटी न्यूज/पटना

नवादा में एक बंद घर से एकसाथ तीन महिलाओं का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना कौआकोल थाना क्षेत्र के भलुआही गांव की है। तीनों की पहचान शबाना खातून, मंजु खातून, अफसाना खातून के रूप में की गई है। तीनों मृतक महिलाएं एक ही परिवार की हैं। अफसाना खातून और शबाना खातून की मां मंजु खातून हैं। वहीं, अफसाना खातून शिक्षिका हैं। तीनों के शव अलग-अलग कमरों में पाए गए हैं। शवों को देखने से प्रतीत हो रहा है कि कई दिन पहले ही इनकी मौत हो चुकी है।

घटना की जानकारी तब हुई जब आसपास के लोगों ने तेज दुर्गंध महसूस किया। ग्रामीणों ने जब घर का दरवाजा तोड़कर अंदर जाकर देखा तो तीनों का शव

पड़े हुए थे। ग्रामीणों द्वारा घटना की जानकारी दिए जाने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले के छानबीन में जुट गई। मौके पर एफएसएल की टीम को बुलाया गया। जानकारी के मुताबिक, तीनों महिलाएं घर में अकेली रहती थीं। परिवार में कोई पुरुष सदस्य नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले ही तीनों ने 15 लाख में जमीन बेची थी। आशंका जताई जा रही है कि जमीन के उन्हीं 15 लाख रुपयों के लिए अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर तीनों की हत्या कर दी है। जानकारी के अनुसार मंजू खातून की नाक और मुंह से खून निकल रहा था। वहीं शिक्षिका अफसाना उर्फ राजू खातून की सर में चोट है। घटनास्थल पर पकरीबरावां डीएसपी भी पहुंचे और अपने स्तर से जांच की। कौआकोल पुलिस उनका सहयोग कर रही है। खबर लिखे जाने तक मृत महिलाओं के शवों को कमरों से बाहर नहीं निकाला गया था। फोरेंसिक टीम के पहुंचने के बाद कमरे से शव निकालने की बात कही गई है। ग्रामीणों में अंदर ही अंदर आक्रोश है। इसे देखते हुए गांव में सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है।

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत पर मचा भारी बवाल

पटना। मोतिहारी में पुलिस कस्टडी में युवक की मौत के बाद गुस्साए लोगों ने भारी बवाल किया है। झड़ोखर थाने की पुलिस ने चोरी के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया था। गुरुवार की सुबह हाजत में बंद युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने थाने को घेर लिया और जमकर हंगामा मचाया। युवक की पहचान 30 वर्षीय नन्हक राय के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने बुधवार को नन्हक को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था। युवक को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे थाने के हाजत में बंद कर रखा था और गुरुवार की सुबह वह मृत पाया गया। इस बात की जानकारी जैसे ही मृतक के परिजनों और गांव के लोगों को हुई भारी संख्या में लोग थाने पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई से युवक की मौत हुई है हालांकि पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने इतनी बेरहमी से पीटा की नन्हक की जान चली गई।

बेगूसराय स्टेशन पर गलत अनाउंसमेंट से मची अफरातफरी, चलती ट्रेन से कूदे कई यात्री घायल

केटी न्यूज/पटना

बेगूसराय रेलवे स्टेशन पर गलत उद्घोषणा होने से यात्रियों में भगदड़ मच गई। इस दौरान चलती ट्रेन से कूदने में कई यात्री घायल भी हो गये। जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या - 01664 सहरसा-रानी कमलामती एक्सप्रेस ट्रेन के एक नंबर प्लेटफार्म पर आने की सूचना उदोद्घक के द्वारा दी जा रही थी। लेकिन, किसी वजह से यह ट्रेन नहीं आई बल्कि लाल सिग्नल रहने की वजह से उसके बदले ट्रेन संख्या 01066 अगरतल्ला- छत्रपति शिवाजी नगर टर्मिनल एक्सप्रेस बेगूसराय स्टेशन पर आकर लग गई। ऐसे में यात्रियों को लगा कि यह रानी कमलामती एक्सप्रेस है और लोग इस पर सवार होने लगे। उसके बाद जब अनाउंसमेंट करने वाले को इस बात की भनक लगी कि यात्री गलत ट्रेन में सवार होने लगे हैं तो वापस से उसने यह जानकारी दी की यह रानी कमलामती एक्सप्रेस नहीं हैं। उसके बाद यात्री चलती ट्रेन से कूदने लगे। ट्रेन की लास्ट बोगी स्टेशन पर बचने के बाद एसीपी (वेकम्प) कर रुकवाया गया। इस दौरानकाफी समय तक स्टेशन पर अफरा-तफरी मची रही। उधर,इस अफरातफरी में एक महिला यात्री ट्रेन के अंदर तक चली गयी थी,जिसे काफी मश्क्कत के बाद सही सलामत निकाला गया।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार

गीता प्रेस

पुस्तक की दुकान

सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता

सहयोगी प्रतिष्ठान

डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)

: 6299941536

लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

खरीफ महाभियान का शुभारंभ... सीएम ने किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखा किया रवाना

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 01 अणे मार्ग से खरीफ महाभियान-2024 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खरीफ महाभियान-2024 के तहत सभी जिलों के लिए किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम का उद्धेश्य किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना और जागरूक करना है।

किसान जागरूकता वाहन के माध्यम से किसानों को खरीफ फसलों की तकनीकी जानकारी एवं खरीफ मौसम में कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही खरीफ में अनुदानित दर पर उपादान वितरण की जानकारी, फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति जागरूकता, जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम से संबंधित

जानकारी, जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन, फसल विविधिकरण पर विशेष जानकारी, चतुर्थ कृषि रोड मैप के विभिन्न आयामों की जानकारी सहित अन्य कार्यक्रमों का भी प्रचार-प्रसार कर किसानों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत में कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हरित पौधा एवं गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, कृषि मंत्री मंगल पाण्डे, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, विकास आयुक्त चैतन्य प्रसाद, कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल सहित अन्य वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

सांसद देवेशचंद्र ठाकुर के खिलाफ केस दर्ज

पटना। यादव, मुसलमान और कुशवाहा को लेकर बयान देने वाले सीतामढ़ी के जेडीयू सासंद देवेशचंद्र ठाकुर की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। अहियापुर के रहने वाले दिलीप कुशवाहा ने मुजफ्फरपुर मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी की अदालत में सीतामढ़ी सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के खिलाफ परिवाद दर्ज कराया है और जातीय उम्माद फैलाने का आरोप लगाया है। आगामी 02 जुलाई को कोर्ट मामले पर सुनवाई करेगा। दरअसल, सीतामढ़ी के जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर द्वारा एक जाति विशेष को लेकर दिए गए विवादित बयान का मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। देवेश चंद्र ठाकुर के चुनाव जीतने के बाद सीतामढ़ी में एक सभा का आयोजन किया था। जिसमें उन्होंने यादव मुसलमान का वोट नहीं मिलने का जिक्र करते हुए उनका काम नहीं करने की बात कही थी। इसके साथ ही उन्होंने कुशवाहा समाज को लेकर भी बयान दिया था।

S2 Mall

SCPL

RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018

ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING

FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX

SHANTI CREATION PVT. LTD.

For Booking Contact : 9431019808, 9693777038

Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001

E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

पटना के होटल पनाश में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रोडक्ट की दी गई जानकारी

एमएलसी धीरेंद्र प्रताप सिंह और हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब ने किया सिग्नेचर प्रोफेशनल के प्रोडक्ट की लॉन्चिंग

- लॉन्चिंग के साथ ही पटना के लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली ब्यूटी और हेयर केयर सेवाएं उपलब्ध होंगी

केटी न्यूज/पटना

पटना के होटल पनाश में गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान एमएलसी धीरेंद्र प्रताप सिंह और प्रसिद्ध हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब ने 'सिग्नेचर प्रोफेशनल' के प्रोडक्ट की लॉन्चिंग की। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। उक्त अवसर पर धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा, सिग्नेचर प्रोफेशनल के प्रोडक्ट की लॉन्चिंग पटना के नागरिकों के लिए एक बेहतरीन अनुभव देने वाला साबित होगा। यह बढ़ते और बनते बिहार का रिफ्लेक्शन है। हम ये आशा करते हैं कि यह सैलून न केवल गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करेगा बल्कि रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करेगा।

'सिग्नेचर प्रोफेशनल' के प्रोडक्ट की लॉन्चिंग पर जावेद हबीब के द्वारा उनके उत्पादों का भी

प्रदर्शन किया गया और उनके उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही साथ सेलिब्रिटी गेस्ट के तौर पर ज्योति राज, नोज़ियो स्ट्रोके, अनामिका सिंह, सौम्या सिंह और रत्नेश भी शामिल रहे। इस मौके पर जावेद हबीब ने कहा कि सिग्नेचर प्रोफेशनल बाल की दुनिया में एक काफी अच्छा ब्रांड बन गया है। इस ब्रांड में हेयर केमिकल का सारा रेंज लॉन्च किया गया। वहीं लोगों ने इसकी शुरूआत पर खुशी जाहिर की और कहा कि पटना में इस तरह के सैलून की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

सिग्नेचर प्रोफेशनल के प्रोडक्ट की लॉन्चिंग के साथ ही शहर के लोगों को आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाली ब्यूटी और हेयर केयर सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस सैलून का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करना है। इस दौरान सिग्नेचर प्रोफेशनल के संस्थापक मिथलेश कुमार पांडे, निशांत सौरभ और विशाल आनंद सिंह ने बताया कि सिग्नेचर प्रोफेशनल में सारा हेयर केमिकल उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनमें केराटिन, बोटॉक्स, नैनोप्लास्टिया, शैम्पू, हेयर स्पा, हेयर मास्क जैसे उपलब्ध उत्पाद हैं।

एनबीएस के लिए चयनित गांवों के एक-एक घरों में जाकर लोगों को दें जानकारी: बीडीओ

- सदर प्रखंड में नाईट ब्लड सर्वे को लेकर बीसीसी की बैठक संपन्न
- लोगों को प्रेरित करने व एनबीएस के सफल संचालन पर हुई चर्चा

केटी न्यूज/बक्सर

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में संचालित होने वाले नाइट ब्लड सर्वे (एनबीएस) को लेकर जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण विभाग की तैयारी अंतिम चरण में है। इसको लेकर अब प्रखंडों में प्रखंड समन्वय समिति की बैठक आयोजित कर एमबीएस की तैयारियों और उसके लिए जरूरी इंडिकेटर्स पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी रोहित मिश्र ने कहा कि नाइट ब्लड सर्वे के लिए जरूरी है कि इसके लिए जिन दो गांवों का चयन किया जाए, वहां के मुखिया समेत सभी जनप्रतिनिधि, जीविका, आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविकाओं समेत सभी सहयोगी संस्थाओं के सदस्यों के साथ बैठक कर एनबीएस व उसकी तैयारियों की चर्चा करें। जिसके बाद चयनित गांवों के एक एक घरों में जाकर लोगों को एनबीएस व उसके महत्वों की जानकारी दें। ताकि, लोगों इसके प्रति जागरूक हो और एमबीएस में अपना सहयोग दें। उन्होंने बताया कि सरकार के निदेर्शों के अनुसार एनबीएस में स्थानीय स्कूलों के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और स्थानीय प्रतिनिधियों का सहयोग लेना है। जिनके माध्यम से नाइट ब्लड सर्वे से पूर्व चयनित स्थल पर लाइट व अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें। ताकि, एनबीएस का सफल संचालन किया जा सके। साथ ही, उक्त गांवों में बैनर व पोस्टर के माध्यम से भी लोगों को जागरूक करें। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रेरित कर उनका ब्लड सैंपल लिया जा सके।

शिविर लगाकर 300-300 लोगों का लिया जाएगा ब्लड सैंपल : बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि सदर प्रखंड में एनबीएस के लिए दो गांवों का चयन किया जाना है। इसके लिए एक गांव का चयन रैंडम और दूसरे गांव का चयन सेंटिनल तरीके से करना है। इसके बाद उन दोनों गांव में रात 8रू30 बजे से 12 बजे तक शिविर लगाकर 300-300 लोगों का ब्लड सैंपल लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया के शुरूआती दौर में फाइलेरिया के कीटाणु लोगों के शरीर में छिपे रहते हैं, जो रात में ही एक्टिव होते हैं। रात में ही लोगों के शरीर के ब्लड सैंपल सही तरीके से लेकर माइक्रोस्कोप द्वारा उसकी सही तरह से जांच करने पर फाइलेरिया कीटाणु की पहचान हो सकती है। इसकी पहचान के लिए लोगों के ब्लड सैंपल का थिकनेस महत्वपूर्ण है। शिविर में लिए गए ब्लड सैंपल की 24 घंटे में जांच होने पर उसमें शामिल माइक्रो फाइलेरिया की पहचान हो सकती है। शुरूआती समय में ही शरीर में माइक्रो फाइलेरिया चिह्नित होने पर उसका तत्काल इलाज किया जा सकता है। इसके लिए नाइट ब्लड सर्वे में सही तरीके से ब्लड सैंपल इकट्ठा करते हुए उसकी सही तरीके से जांच आवश्यक है।

बैठक में बीपीआरओ चंद्र शेखर, सीडीपीओ श्वेता कुमारी, आयुष चिकित्सक डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह, बीएचएम प्रिंस कुमार सिंह, पीरामल इंडिया के अविकल्प मिश्रा व रंजीत कुमार के अलावा अन्य लोग शामिल हुए।

फाइलेरिया से बचाव के लिए चलेगा एमडीए

एमओआईसी डॉ. सिंह ने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे में संभावित फाइलेरिया ग्रसित मरीज की पहचान होने पर उन्हें तत्काल मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, नाइट ब्लड सर्वे की जांच में अगर संबंधित प्रखंड में एक व उससे अधिक प्रतिशत लोगों के ब्लड सैंपल में माइक्रो फाइलेरिया की पुष्टि होती है, तो पूरे प्रखंड के लोगों को फाइलेरिया से सुरक्षित रखने के लिए वहां सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम (एमडीए) चलाया जाता है। उन्होंने बताया कि चयनित गांवों में अगर कोई फाइलेरिया का मरीज ना हो और वो भी इस रोग से सतर्क रहना चाहते हैं तो नाइट ब्लड सर्वे का निःशुल्क लाभ उठा सकते हैं।

खबरें फटाफट

युवक ने विषपान कर की आत्महत्या

राजपुर। राजपुर थाने के अकबरपुर में पारिवारिक कलह से परेशान 30 वर्षीय एक युवक ने विषपान कर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। इस घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा। मिली जानकारी के अनुसार अकबरपुर निवासी युवक बुटन सिंह की विषपान कर ली। वह, पारिवारिक कलह को लेकर मानसिक तनाव में था। तभी इसने गुरुवार की दोपहर अचानक विषपान कर लिया। उस दौरान परिवार के सभी सदस्य आराम कर रहे थे तभी अचानक युवक की तबीयत खराब हो गई। उसे आनन-फानन में परिजनों द्वारा इलाज के लिए स्थानीय चिकित्सक के पास ले जाया गया। अभी इलाज जारी ही हुआ था, तब तक इसकी मौत हो गई। मौत की खबर के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर दर्जनों की संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। जिसकी सूचना चौकीदार ने पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेंज दिया गया है।

बिजली चोरी के आरोप में 4 पर केस

नावानगर। बासुदेवा फीडर के अंतर्गत भदार गांव में बिजली चोरी के खिलाफ जेई विपिन किशोर के नेतृत्व में छापेमारी की गई। जहां चार लोग चोरी से बिजली जलाते पकड़े गए। इसको लेकर जेई ने चारों पर जुर्माना की राशि निर्धारित कर सिकरौल थाना में केस दर्ज कराया है। जेई ने बताया कि बीते बुधवार को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त गांव में कुछ लोगों द्वारा चोरी से बिजली का उपयोग किया जा रहा हैं। सूचना पर जेई ने तत्काल मानव बल अभिषेक राज, दिलीप कुमार और राजेश कुमार के साथ टीम गठन के बाद उक्त गांव में बिजली जांच अभियान चलाया। जांच अभियान में उक्त गांव से मीटर बाइपास टोका फंसाकर चोरी से बिजली उपयोग करते पकड़े गए। उन्होंने बताया है कि पकड़े गए महेश्वर सिंह पर 9696 रुपए, हीरामन पासवान पर बकाया के साथ 19006 रुपए, सुमंत साह पर 16540 रुपए तथा अनिरुद्ध सिंह पर बकाया के साथ 24141 रुपए जुर्माना की राशि निर्धारित की गई।

अहले सुबह जिलेभर में तेज हवा के साथ हुई झमाझम बारिश, किसानों की जगी उम्मीद

आद्रा नक्षत्र शुरू होने से पहले मानसून की इंट्री से किसान गदगद, गर्मी से राहत

- पहली बारिश में ही खुल गई सफाई व्यवस्था की पोल, गुल हुई बिजली

केटी न्यूज/बक्सर

गुरूवार की अहले सुबह तेज हवा व झमाझम बारिश के साथ मॉनसून ने दस्तक दे दी है। आद्रा नक्षत्र शुरू होने से ऐन पहले मॉनसून की दस्तक से किसान गदगद हो गए है। करीब ढाई घंटे तक झमाझम बारिश हुई। इस दौरान ठंडी हवा चलने से तापमान नीचे गिरा तथा लोगों को भीषण गर्मी से राहत महसूस हुई। बारिश के बाद किसान खुश हो अपने खेतों की तरफ निकल गए थे। हालांकि, पिछले दो महीने से जारी लू व भीषण गर्मी के कारण पानी खेतों में नजर नहीं आया, बल्कि धूप निकलने के साथ ही खेत सूखे नजर आने लगे। लेकिन, इस बारिश ने किसानों में एक उम्मीद जरूर जगा दिया। बता दें कि कई किसान रोहिणी नक्षत्र में ही धान का बिचड़ा डाल चुके है। उनके बिचड़ो के लिए बारिश वरदान सरीखा रही। जबकि जो किसान आद्रा नक्षत्र में बिचड़ा डालने वाले है उनके खेतों में भी नमी की बढ़ गई है। जिससे बिचड़ा डालना कुछ आसान जरूर हो गया है। आंधी पानी के कारण लोगों को बिजली कटौती का दंश झेलना पड़ा। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों पूरे दिन बिजली की आवाजाही लगी रही। जिस कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई थी। सबसे अधिक परेशानी अहले सुबह से दिन के दस बजे तक हुई। इस दौरान शहरी क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में बिजली गुल रही। वही जानकारी के अनुसार केसठ में 33 केबीए का ब्रेक डाउन होने के कारण भी लोगों को बिजली आपूर्ति से महरूम होना पड़ा।

पहली बारिश में ही मुख्य सड़क पर हो गया जलजमाव : मानसून की पहली बारिश से ही डुमरांव के मुख्य सड़क स्टेशन रोड में जलजमाव हो गया। यह जलजमाव ईदगाह से राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल तक हुआ था। बारिश के कारण सड़ के आधे हिस्से पर पानी जमा हो गया था। शाम तक जलजमाव बना रहा। जिस कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शनिवार से शुरू हो रहा है आर्द्रा नक्षत्र : बता दें कि खरीफ खेती के लिए खास माने जाने वाला आद्रा नक्षत्र शनिवार से शुरू हो रहा है। इस नक्षत्र में धान के वैसे प्रभेद जो कम समय में तैयार होते है उनका बिचड़ा डाला जाता है। वही पानी के अभाव में जो किसान रोहिण में बिचड़ा डालने में सक्षम नहीं होते है वे भी इसी नक्षत्र में ही बिचड़ा डालेंगे। इस नक्षत्र के शुरू होने के 48 घंटा पहले हुई बारिश को किसान शुभ मान रहे है। किसानों ने उम्मीद जताया है कि अब जल्दी ही मौसम का तेवर नरम होगा तथा अच्छी बारिश होगी। वैसे भी इस बार मॉनसून ने समय से दस्तक दी है।

डुमरांव अनुमंडल में पूरे दिन बाधित रही बिजली, हलकान रहे नगरवासी

आंधी पानी के कारण डुमरांव में पूरे दिन बिजली आपूर्ति बाधित रही। अहले सुबह करीब पौने तीन बजे आंधी शुरू होने के साथ ही आपूर्ति ठप हो गई। इसके बाद करीब नौ बजे टेक्सटाईल फीडर में बिजली आई भी तो कई जगहों पर लोकल फॉल्ट के चलते अधिकांश लोगों को दोपहर तक बिजली का लाभ नहीं मिला। यही हाल बीएमपी फीडर का था। सुबह के पिक ऑवर में बिजली नहीं रहने से लोगों को खासे परेशानियों का सामान करना पड़ा। इस दौरान सबसे अधिक परेशानी पेयजल को लेकर हुई। लोग पीने के पानी के लिए दर दर भटकने को मजबूर हुए। हालांकि, बक्सर में बारिश के दौरान मात्र कुछ घंटे के लिए ही बिजली आपूर्ति बाधित थी।

17.4 एमएम हुई बारिश

कृषि विज्ञान केन्द्र में लगे वर्षा मापी यंत्र ने गुरूवार को 17.4 एमएम बारिश रिकार्ड की है। जबकि भारतीय मौसम विभाग ने 24 जून तक लगातार हल्की बारिश होने के अनुमान लगाए है। जिस कारण किसानों ने राहत की सांस ली है। हालांकि जून महीने में जितनी बारिश होनी चाहिए उसके मुकाबले बहुत कम बारिश हुई है। सांख्यिकी विभाग से जुड़ दिलीप शर्मा ने बताया के अबतक औसतन 175 से 200 एमएम बारिश होनी चाहिए। लेकिन जून में मात्र 17.4 एमएम बारिश हुई है। जिससे किसानों की मुश्किल आसान नहीं होने वाली है। हालांकि, अगले कुछ दिनों में मॉनसून के सक्रिय होने की उम्मीद से किसानों की चिंता कम जरूर हुई है।

एक नजर

मत्स्य पालकों की शिकायत मिलने पर विभागीय अधिकारियों पर की जाएगी कार्रवाई: डीएम

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में मत्स्य विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक गुरूवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत कुल 08 अवयवों में प्राप्त 33 आवेदनों की स्वीकृति दी गई है। जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप राज्यादेश के आलोक में अनुमोदन के बाद ससमय कार्यों का निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे। डीएम ने कहा कि यह काम पारदर्शी तरीके से होना चाहिए। ताकी मत्स्य पालकों में असंतोष उत्पन्न नहीं हो। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालकों की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उप विकास आयुक्त बक्सर, जिला मत्स्य पदाधिकारी बक्सर, जिला कृषि पदाधिकारी बक्सर, प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक, कार्यपालक अभियंता लघु जल संसाधन विभाग बक्सर, प्रगतिशील मत्स्य पालक, प्रगतिशील मत्स्यजीवी सहयोग समिति के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बुढ़िया काली मां का वार्षिक पंचीत पूजा आज

बक्सर। नगर के बाईपास रोड स्थित बुढ़िया काली मां मंदिर का वार्षिक पंचीत पूजा शुक्रवार को धूमधाम से मनाया जायेगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। उक्त आशय की जानकारी जय मां काली बक्सर नगरवाली समिति के कोषाध्यक्ष अशोक कुमार सर्राफ एवं सदस्य बसंत कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि मन्दिर में माता का जलाभिषेक का कार्यक्रम पिछले 10 जून से चल रहा है जिसका समापन वार्षिक पंचीत पूजा के साथ शुक्रवार को होगा। विख्यात बुढ़िया काली माई का पंचित पूजा वैदिक मंत्रोच्चार व जयकारों के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया जायेगा, पूजा की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मंदिर समिति के सदस्य बसंत कुमार ने बताया कि श्रद्धालुओं को परेशानी से बचने के लिए इस बार महिलाओं के लिए व पुरुषों के लिए अलग अलग लाईन की व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालु सीधे मां का दर्शन पूजन कर सकेंगे। गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए टेंट की व्यवस्था की गई है, जिसमे टीवी के द्वारा मंदिर का पूजा आरती का प्रसारण चलते रहेगा। उन्होंने बताया कि रात्रि में 8.30 बजे महाआरती के बाद मां का प्रसाद पूड़ी का वितरण होगा। इस अवसर पर बुढ़िया काली माता को प्रसाद के रूप में घर का बना गुलौरा, चना विशेष तौर पर चढ़ाया जाता है। वार्षिक पूजा के दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रदीप राय, सचिव शिवजी खेमका, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार सर्राफ के साथ 100 सदस्यीय टीम हर समय श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर रहेगी।

पुण्य तिथि पर आशा पर्यावरण सुरक्षा ने रोटी बैंक के सदस्यों का किया सम्मान

बक्सर। रेलवे स्टेशन के बाहरी परिसर में प्रतिदिन असहाय और जरूरतमंदों के बीच रोटी बैंक लोगों के सहयोग से भोजन मुहैया कराता है। इस नेक कार्य के निमित स्मृति शेष कंचन देवी के पांचवीं पुण्य तिथि पर आशा पर्यावरण सुरक्षा ने रोटी बैंक के सक्रिय सदस्यों का सम्मान अंग वस्त्र और तुलसी के पौधा से किया। मौके पर आशा पर्यावरण सुरक्षा के संयोजक विपिन कुमार ने रोटी बैंक के कार्यों की सराहना करते हुए लोगो से अपील की कि हमें रोटी बैंक के इस अभियान से जुड़ समाज के जरूरतमंदों तक भोजन उपलब्ध कराना होगा ताकि समाज का कोई भी भूखा न रहे। विपिन कुमार ने आगे कहा कि हमें जीने के लिए शुद्ध हवा शुद्ध जल और शुद्ध भोजन की जरूरत है और तीनों के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा। हमें शुद्ध हवा के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे , शुद्ध जल के लिए हमें जल बचाने होंगे साथ ही समाज का कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए इसके लिए रोटी बैंक से जुड़ कर जरूरत मंदो तक भोजन पहुंचाना होगा। तभी एक सभ्य ,स्वच्छ और विकसित समाज बनाया जा सकता है। आज मेरी माता स्मृति शेष कंचन देवी की पांचवी पुण्य तिथि है आज मैं रोटी बैंक से जुड़ इस रेलवे स्टेशन के परिसर में समाज के जरूरतमंद और लाचार लोगो को भोजन करा कर आनंद की अनुभूति कर रहा हूं। रोटी बैंक के संयोजक रास बिहारी ओझा ने लोगो से अपील की कि आप अन्न को बरबाद होने से बचाएं और रोटी बैंक से जुड़ अपने जन्मदिन, शादी की साल गिरह,श्राद्ध कर्म पे रोटी बैंक के माध्यम से असहाय,लाचार और जरूरत मन्दो को भोजन उपलब्ध करा कर इस नेक कार्य को अनवरत चलाने में सहयोग करें।

आज से खुलेंगे जिलेभर के सभी स्कूल, गर्मी की छुट्टियां हुई कैंसिल

केटी न्यूज/बक्सर

- जिले में बारिश होने के बाद डीएम का आदेश

भीषण गर्मी व लू के साथ ही जिले का तापमान रिकार्ड स्तर पर पहुंचने के बाद डीएम ने बुधवार को 22 जून तक सभी स्कूलों, प्री स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों की छुट्टिया बढ़ा दी थी। लेकिन, गुरूवार को अहले सुबह हुई झमाझम बारिश से गर्मी से निजात मिल गया है। मौसम में आए परिवर्तन तथा हीट वेव से राहत मिलने के बाद डीएम अंशुल अग्रवाल ने सभी तरह के स्कूलों की छुट्टियां रद्द कर दी है। डीएम ने अपने पिछले आदेश को निरस्त करते हुए शुक्रवार से सभी तरह के स्कूलों को अपने पूर्ववत समय के अनुसार संचालित करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि भीषण गर्मी व लू के कारण बक्सर डीएम दो बार स्कूलों की छुट्टियां बढ़ा चुके थे। वही गुरूवार से मौसम में परिर्तन के बाद अब अपना आदेश रद्द कर दिए है।

अवसर : बेहतर खाना बनाना व कम्प्यूटरीकृत सिलाई जानते है तो आप जा सकते हैं मॉरीशस

केटी न्यूज/बक्सर

अगर आप बेहतर खाना बनाना तथा कम्प्यूटरीकृत सिलाई मशीन पर काम करना जानते है तथा आपको छ अंग्रेजी बोलने व पढ़ने आता है तो आपको मॉरीशस जाने का मौका है। इसके लिए अच्छी मासिक वेतन के साथ-साथ मुफ्त में कम्पनी द्वारा वीजा, वर्क परमिट, आवास, भोजन, बिजली, पानी आदि मुहैया कराएगी, बशर्ते इसके लिए आपको आवेदन करना होगा तथा चयनित होने के लिए टेस्ट देना होगा।

23 जून तक आवेदन कर सकते है : जिला नियोजन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार श्रम संसाधन विभाग अंतर्गत राज्य समुद्र पार नियोजन ब्यूरो, पटना द्वारा मॉरीसस देश में नौकरी की सूचना दी गयी है। योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थियों का कम्प्यूटरीकृत सिलाई मशीन पर काम करने एवं कूक पद पर बहाली को लेकर अभ्यर्थियों से आवेदन लिया जा रहा है। जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि उक्त दोनों पदों के लिए आवेदक जिला नियोजनालय में 23 जून तक आवेदन कर सकते है। कम्पनी की ओर से चयनित अभ्यर्थियों को 18500.00 मॉरीशस रूपया जिसका भारतीय मूल्य (35000 रूपया) तक मासिक है। वहीं, चयनित अभ्यर्थियों को कम्पनी की ओर से वीजा, वर्क परमिट, आवास, भोजन, बिजली, पानी आदि मुफ्त मुहैया कराएगी। आवेदक को व्यवहारिक अंग्रेजी का ज्ञान होना तथा पासपोर्ट होना आवश्यक है। कूक पद पर आवेदक की उम्र सीमा कम से कम 25 वर्ष होना जरूरी है। वही कम्प्यूटरीकृत सिलाई मशीन को चलाने के लिए आवेदक को स्वींग मशीन चलाने एवं हाथ से सिलाई से लेकर रख-रखाव तक का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने बताया कि राज्य के किसी भी जिला नियोजनालय में निर्बंधित उम्मीदवार अपना पासपोर्ट, पैन कार्ड, निबंधन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार का फोटो, बायोडाटा एवं सभी मूल प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ अपना आवेदन जिला नियोजनालय बक्सर में जमा कर सकते है।

रेल यात्रियों की समस्या को लेकर समिति ने की रेल मंडल के साथ बैठक, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

रेल अधिकारी समस्याओं का प्रमुखता से करेंगे समाधान

- रेल प्रशासन व रेलयात्री कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में चलेगा जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

रेल यात्रियों की समस्या को लेकर गुरुवार को रेलयात्री कल्याण समिति और दानापुर रेल मंडल के मुख्य मंडल वाणिज्य पदाधिकारी अभिनव सिद्धार्थ और वरीय परिचालन प्रबंधक प्रभाष केशव जी के साथ दानापुर मंडल में बैठक आयोजित की गई। जिसमे रेलयात्रियों की समस्याओं, स्टेशनों की समस्याएं और गाड़ियों के समय से परिचालन और ठहराव संबंधित समस्याओं के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुख्य कंट्रोलर और अन्य पदाधिकारियों के साथ साथ रेलयात्री कल्याण समिति के साथ-साथ समिति के सभी पदाधिकारियों ने अपने अपने स्टेशनों की समस्याओं, रेलयात्रियों की समस्याओं और गाड़ियों के ठहराव और परिचालन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। बैठक में शामिल अधिकारियों ने सभी प्रकार की समस्याओं को प्रमुखता से समाधान करने का आश्वासन दिया। वही, समिति के सदस्यों ने कहा ऐसी बैठक मासिक या त्रैमासिक होनी चाहिए, साथ ही कहा गया कि रेल प्रशासन और रेलयात्री कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा, अनाधिकृत बोगी में यात्रा, अनावश्यक चेन पुलिंग और रेल अपराध में भी कमी आएगी। साथ ही बैठक में शामिल अधिकारियों से कहा गया कि रेल प्रशासन द्वारा किसी भी स्टेशन पर आयोजित किसी भी कार्यक्रम में रेलयात्री कल्याण समिति को उचित प्रतिनिधित्व देने का आग्रह किया गया, ताकि समिति का मान सम्मान बना रहे। बैठक में रेल यात्री कल्याण समिति के विजेंद्र सिंह यादव, कामेन्द्र सिंह, आलोक जायसवाल, मनोज कुमार सिंह, भुवर सिद्दीकी, अनील कुमार सिंह, सुधीर सिंह, रवी सिंह, चन्दन सिंह, मिथिलेश सिंह, पंकज पटेल आदि शामिल थे।

सफाई कर्मियों के कार्यों की निगरानी के लिए प्रमुख चौक चौराहों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने गुरूवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में नगर पंचायत, इटाढ़ी के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के बाद डीएम ने कार्यपालक पदाधिकारी को इटाढ़ी नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत सफाई कर्मियों के कार्यों पर निगरानी रखने के लिए एवं सुरक्षा के लिहाज से नगर पंचायत के प्रमुख चौक-चौराहों पर बोर्ड से प्रस्ताव पारित कराते हुए सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया।

वहीं, डीएम ने नगर पंचायत के सौन्दर्यीकरण के लिए स्ट्रीट लाईट, पोल पर लाइटिंग एवं उच्च गुणवतापूर्ण साईनेज लगवाने के लिए कार्य योजना तैयार कर बोर्ड की स्वीकृति के बाद विभागीय नियमानुसार कार्य कराने का निर्देश दिया। इसके अलावे डीएम ने इटाढ़ी नगर पंचायत क्षेत्र में पड़ने वाले तालाब तथा पोखरों इत्यादि को बोर्ड की स्वीकृति के बाद सौन्दर्यीकरण कराने को कहा। डीएम ने कहा कि जल जीवन हरियाली योजना के तहत तालाब व पोखरों का सौंदर्यीकरण कराना जरूरी है। इस काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही इटाढ़ी नगर पंचायत के कर्मिशियल क्षेत्रों में दिन में कम से कम दो बार साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि इटाढ़ी नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यकतानुसार या विभागीय निर्देशों के तहत एवं बोर्ड से सहमति के बाद कार्य कराना सुनिश्चित करेंगे। समीक्षा के दौरान डीएम ने नगर पंचायत क्षेत्र में साफ सफाई व्यवस्था सुदृढ़ रखने, जल जीवन हरियाली योजना को धरातल पर उतारने तथा नगर पंचायत क्षेत्र का चहुंमुखी विकास पारदर्शी तरीके से कराने को कहा।

खबरें फटाफट

बिजली चोरी करते पांच धराये, केस दर्ज

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के नेनुआ गांव में बिजली विभाग के अधिकारियों ने बिजली चोरी रोकने को लेकर छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व विद्युत आपूर्ति प्रशाखा चौंगाई के जेई शैलेश कुमार ने किया। अधिकारियों ने पांच उपभोक्ताओं को अवैध रूप से बिजली चोरी करते हुए पकड़ा तथा उन पर जुमार्ना लगाते हुए स्थानीय थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पांचों उपभोक्ताओं पर कुल 140060 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इन पर विद्युत अधिनियम के तहत मामले को दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नावानगर। सिकरौल पुलिस ने बाराडीह गांव में छापेमारी कर एससी, एसटी कांड के अभियुक्त को गिरफ्तार करने के बाद गुरुवार को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार एससी, एसटी कांड के अभियुक्त उक्त गांव के भरत पाण्डेय बताया जाता है। सिकरौल के प्रभारी थानाध्यक्ष रविन्द्र सिंह ने बताया कि गांव के एक युवक ने पूर्व में गिरफ्तार अभियुक्त पर जाति सूचक शब्द का प्रयोग एवं मारपीट करने का आरोप लगाते हुए नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

उद्यान विभाग के बगीचे से चोरी हो गए दर्जनों सूखे पेड़, जांच के नाम पर हो रही लीपापोती

उदासीनता : डीएफओ ने रेंजर को सौंपी जांच की जिम्मेवारी, नहीं दर्ज हुआ केस

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के स्टेशन रोड के किनारे स्थित उद्यान विभाग के बगीचे में सूख चुके दर्जनों इमारती पेड़ चोरी हो गए है। चोरी के महीनों बाद भी संबंधित विभाग तथा स्थानीय प्रशासन दोषियों पर कार्रवाई के बदले सिर्फ जांच-जांच खेल रहा है। जिससे मामले के लीपापोती से इंकार नहीं किया जा सकता है। दिलचस्प तो यह कि एक तरफ वन विभाग इसकी जांच करवा रहा है दूसरी तरफ शिकायत मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन भी जांच के लिए सक्रिय हुआ है। लेकिन अभी तक कोई यह नहीं बता सका है कि आखिर यह उद्यान्न विभाग किसके जिम्मे है तथा लाखों रूपए मूल्य के पेड़ो की चोरी होने के बाद इस मामले में संबंधितों द्वारा इसका एफआईआर तक दर्ज क्यों नहीं कराया गया।

वैसे जानकारों की मानें तो उद्यान विभाग द्वारा कुछ वर्ष पूर्व ही इसे वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज को सौंपा गया था। तब यह कहा गया था कि वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज के कृषि वैज्ञानिक इस भू-भाग का उपयोग अपने शोध तथा छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान कराने के लिए करेंगे। लेकिन

- एसडीओ के निर्देश पर सीओ तथा सीओ के निर्देश पर राजस्वकर्मी कर रहे है जांच

कृषि कॉलेज द्वारा कभी इसका उपयोग नहीं किया गया। अलब्बता पिछले दो वर्षों से इस उद्यान में सेंट्रल नाला का पानी जमा हो गया था, जिस कारण पूरा बागीचा ही सूख गया। इधर जब नाले का मैनेजमेंट सुधरा तथा जलजमाव की समस्या दूर हुई तो परिसर में सूख चुके पेड़ चोरी होने लगे। बाजवूद किसी ने इसे रोकने तथा इसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की तोहमत नहीं उठाई। यहां बता दें कि पूर्व में इस उद्यान की घेराबंदी करवाई गई थी। लेकिन रख रखाव के अभाव में घेराबंदी के लिए लगाए गए तार भी काट लिए गए है।

रेंजर ने स्वीकारा काटे गए है पेड़ : इस मामले में जब वन विभाग के डीएफओ से संपर्क स्थापित किया गया तो उन्होंने कहा कि लोगों से शिकायत मिली थी कि उद्यान विभाग के बागीचे से कई पेड़ चोरी हुए है। मामले के जांच का जिम्मा रेंजर को दिया गया है। जबकि रेंजर ने इस मामले में बताया कि जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि दर्जनों पेड़ो को काटा गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने की जिम्मेवारी कृषि कॉलेज प्रबंधन की है। उन्होंने कहा कि मैने अपना जांच रिपोर्ट डीएफओ को सौंप दिया हूं।

लोगों में है गहरा आक्रोश : उद्यान विभाग के बागीचे से सूख चुके इमारती पेड़ो के गायब होने तथा महीनों बाद भी इस मामले में कार्रवाई नहीं होने से शहरवासियों का आक्रोश गहराने लगा है। सामाजिक मंच के संयोजक प्रदीप शरण ने कहा कि एक तरफ राज्य सरकार जल जीवन हरियाली योजना चला रही है, तो दूसरी तरफ रख रखाव के अभाव में पूरा उद्यान विभाग का पूरा बागीचा न सिर्फ सूख गया बल्कि वहां से पेड़ भी चोरी हो गए। जबकि प्रशासन मौन साधे हुए है। युवा नेता दीपक यादव ने कहा कि उद्यान विभाग के बागीचे से दर्जनों पेड़े काटे गए है, जाहिर सी बात है यह एक दिन में नहीं काटे गए होंगे। बावजूद संबंधित विभाग बेफिक्र रहा। जिससे उनके कार्यशैली पर सवाल उठ रहे है। सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण विद् उमेश कुमार गुप्ता, जदयू नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, रेल यात्री कल्याण समिति अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह, जल पुत्र अजय राय आदि ने कहा कि यदि शीघ्र इस मामले में दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो जल्दी ही चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।

प्रशासनिक स्तर पर भी हो रही जांच

दूसरी तरफ इस मामले की जांच प्रशासनिक स्तर पर भी कराई जा रही है। पिछले दिनों कृषि कॉलेज के लाइब्रेरी में लगाए जाने वाले छह विंडो एसी को प्राचार्य द्वारा अपने आवास में लगाए जाने के आरोप की जांच करने पहुंचे अपर समाहर्ता विभागीय जांच व डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार के सामने भी उद्यान से पेड़ो के चोरी होने का मामला उठा था। जिसके बाद एसडीओ ने इस मामले की जांच का जिम्मा डुमरांव सीओ को दिया। जब इस मामले में सीओ शमन प्रकाश से संपर्क स्थापित किया गया तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच राजस्वकर्मी से करवाई जा रही है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यह है कि महीनो पहले उद्यान विभाग के बागीचे से चोरी गए पेड़ो की जांच आखिर कब तक चलेगी तथा इस मामले में जब एफआईआर ही दर्ज नहीं हुआ तो दोषियों पर कार्रवाई कैसे होगी।

एक नजर

वार्ड पार्षदों ने ईओ व चेयरमैन के विरोध में मुख्य गेट पर किया जमकर प्रदर्शन

डुमरांव। नगर परिषद के बोर्ड बनने के बाद पहलीबार वार्ड पार्षद ईओ व चेयरमैन के विरोध मंद खुलकर सामने आए। नाराज वार्ड पार्षदों ने नप के मुख्य गेट पर जमकर किया प्रदर्शन। फिर ईओ के साथ बैठ अपनी मांगों को रखा। वार्ड पार्षदों का कहना था कि नप बोर्ड का गठन हुए एक साल गुजर गए, इस दौरान चार बैठकें भी हुई, लेकिन लिए गए एजेंडों पर कार्य नहीं हुए, जिसके चलते पार्षदों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्गफीट पर चेयरमैन से शुरूआती दौर में ही बात की गई, इस विचार करने का अश्वासन मिला था, लेकिन उस पर आजतक कोई विचार नहीं हुआ। डुमरांव शहर और इसके विस्तारित क्षेत्र नयाभोजपुर और पुरानाभोजपुर में पेयजल की व्यवस्था और नाली-गली पर कोई काम नहीं किया गया। हर वार्डों में स्ट्रीट लाईट की लगाना था, वो भी आधा-अधूरा हुआ है, जिससे रात्रि में लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। शहर के गलियों व सड़कों पर बिजली व डीस के तार लटके हुए हैं, उसका भी निदान नहीं निकाला गया। छठ पूजा में हुए खर्च का वार्डों पार्षदों के समक्ष नहीं रखा गया। बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि दाह संस्कार वाले घोटों पर सेड और पेयजल के साथ स्नान करने के लिए समरसेबल लगाया जाएगा, जो अभीतक नहीं लग पाया है। वार्डों में डोर टू डोर सफाई के लिए वाहन रखे जाएंगे, लेकिन उसकी व्यवस्था भी नहीं हुई। इतना ही नहीं नगर की सफाई में भी कोताही बरती जा रही है। नगर के विस्तारित क्षेत्र में विकास का कार्य नहीं होने से जनता परेशानियों का सामना करने पर मजबूर है। शहर के चौक-चौराहों पर महिलाओं के लिए शौचालय बनवाना था, लेकिन एक नहीं बन पाया है। महिलाएं शौंच के लिए भटकती रहती हैं। विस्तारित क्षेत्र के वार्ड पार्षदों का यह आरोप था कि यह 2022 में नप में शामिल हुआ है और टैक्स 2013 से मांगा जा रहा है। नयाभोजपुर व पुरानाभोजपुर में नहीं नाली बना है और नहीं नाली की सफाई होती है। इसको लेकर नागरिकों में आक्रोश है, जिसका सारा गुस्सा वार्ड पार्षदों पर उतारा जाता है। इस संबंध में जब चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने कहा की वार्ड पार्षदों से बात कर उनकी नाराजगी दूर की जाएगी।

सिकरौल में चोरी के समरसेबल पंप के साथ दो चोर गिरफ्तार, बाइक जब्त

केटी न्यूज/नावानगर

सिकरौल पुलिस ने बुधवार की देर शाम चोरी की समरसेबल पंप के साथ दो चोर को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनकी बाइक को जब्त कर लिया है। पकड़े गए दोनों चोर को पुछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार समरसेबल पंप चोर बसाव गांव के धर्मेन्द्र सिंह यादव एवं कोरान सराय थाना क्षेत्र के हरनी चक गांव निवासी योगेन्द्र नट बताया जाता है।

बुधवार की देर शाम प्रभारी थानाध्यक्ष रविन्द्र सिंह के नेतृत्व में सिकरौल पुलिस विशेष छापेमारी के लिए निकले थे। इस दौरान पुलिस बसाव कला नहर मार्ग से गुजर ही रही थी। विपरीत दिशा से आ रहे बाइक चालक ने पुलिस वाहन देखकर नहर पुल से पीछे मुड़कर भागने की कोशिश की। जिसके बाद पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ा और उनकी तलाशी लिया। जिसमें पुलिस ने पुरानी समरसेबल पंप देखकर दोनों बाइक सवार युवक से पूछताछ करने लगे। इधर दोनों बाइक सवार युवक ने समरसेबल पंप चोरी की होने की बात कही। जिसके बाद पुलिस ने दोनों चोर को धर दबोचा। साथ ही उनकी बाइक जब्त कर लिया।

अनुमंडलीय अस्पताल के डाक्टरों की नहीं रूक रही मनमानी

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल की ओपीडी सेवा डाक्टरों की मनमानी के चलते चरमरा कर रह गई है। गुरूवार को ओपीडी सेवा में पांच डाक्टरों की ड्यूटी थी, लेकिर मौजूद थे, मात्र तीन ही। बच्चा के डाक्टर के नहीं रहने से बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचे अभिभावकों को बैरंग लौटना पड़ गया। वहीं फीजिसिन डा. शिवकुमार चौधरी भी गायब थे। यह स्थिति हर दिन की बनी रहती है। वैसे तो अनुमंडलीय अस्पाताल में सभी डाक्टरों को सप्ताह में छह दिन ड्यूटी करनी होती है, लेकिन सभी दो और तीन दिन का ड्यूटी बांध कर अपने

में समाजस्य कर लिए हैं।

डाक्टरों के आपसी समाजस्य से हर दिन विशेषज्ञ चिकित्सकों को लाभ मरीजों को नहीं मिल पाता है। इसकी चर्चा चाहुओर होने लगी है। मरीजों का कहना है कि जब छह दिन डाक्टरों की ड्यूटी करनी है तो फिर दो दिन कैसे करते हैं। बता दें की बच्चा के दो चिकित्सक का पदस्थापन अनुमंडलीय अस्पताल में एक महीना पहले हुआ था। दोनों चिकित्सकों ने अपना योंगदान भी किया। फिर योगदान के बाद से ही दोनों अनुपस्थित चल रहे हैं। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि मरीजों को कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता होगा। इनके पदस्थापन के बाद अभिभावक अपने बच्चों को दिखाने के लिए अस्पताल में पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें चिकित्सक से भेंट ही नहीं होता। डाक्टरों के लगातार अनुपस्थित रहने पर मरीजों को निजी क्लीनिकों का सहारा लेना पड़ता है, जहां उन्हें फीस देकर दिखाना पड़ता है। डाक्टरों की इस मनमानी से गरीब परिवारों का आर्थिक स्थिति से गुजरना पड़ता है। इस संबंध में जब डीएस डा. गिरीश कुमार सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया की अनुपस्थित डाक्टरों की हाजिरी काटी गई है, उनका भुगतान भी रोक दिया गया है।

केदारनाथ सिंह कॉलेज में शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में प्रो. श्रीकृष्ण सिंह का हुआचुनाव

बक्सर। इटाढ़ी रोड स्थित केदारनाथ सिंह महाविद्यालय परिसर में शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव गुरुवार को किया गया। शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव की प्रक्रिया महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में पूरा की गई। इसमें सर्व सम्मति से रसायनशास्त्र विभाग प्रो. श्रीकृष्ण सिंह को निर्विरोध शिक्षक प्रतिनिधि चुना गया। सभी शिक्षकों ने अपनी

सहमति प्रकट करते हुए अपना हस्ताक्षर बनाया। यह चुनाव प्राचार्य व पर्यवेक्षक डॉ. विमलेश कुमार के देख-रेख में सम्पन हुआ। इस चुनाव में महाविद्यालय के वरीय प्राध्यापक प्रो. हंसराज सिंह, प्रो. भरत प्रसाद, प्रो. रविशंकर राय, प्रो. रामप्रवेश सिंह, प्रो. रविन्द्र पाठक, प्रो. रितेश पाण्डेय प्रो. सिन्धु कुमारी, प्रो. सुनैना देवी, प्रो. निहु कुमारी, प्रो. निशा सिन्ध, प्रो. जगलाल ठाकुर, प्रो. रिम्पा कुमारी, प्रो. राजबाला यादव, प्रो. सुप्रिया कुमारी, प्रो. शशिकांत सिंह, प्रो. कुंचन कुमारी, प्रो. शाहिना बानो, प्रो. प्रेमनाथ मिश्रा, प्रो. लोकेश कुमार, प्रो. अजीत कुमारी इत्यादि की गरिमामय उपस्थिति रही।

डुमरांव में मानसून का प्रभाव शुरू, तैयारी अधूरी

डुमरांव। भीषण गर्मी झेल रहे लोगों को राहत मिली है। गुरुवार की अहले सुबह बारिश ने मौसम को खुशमिजाज बना दिया है। लोग प्री-मानसून के दस्तक दिए जाने की बात सोचकर अभी अच्छी बारिश का लोगों को इंतजार है। इधर, मौसम विभाग भी अगले कुछ दिनों तक बारिश के संकेत दिए है। मौसम में बदलाव का असर तापमान पर भी देखने को मिला। अधिकतम तापमान कम होकर 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापतान 29 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हल्की बारिश ने ही नगर परिषद की व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है।

बैंकों में संदिग्धों पर पुलिस की निगाह, डीएसपी ने किया निरीक्षण

केटी न्यूज/डुमरांव

गुरुवार को डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने शहर के विभिन्न बैंकों के शाखाओं में पहुंच उसका निरीक्षण किया और संदिग्धों की जांच करायी। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोग सचेत रहें और किसी भी तरह का संदिग्ध दिखने पर पुलिस को सूचना दें। सुरक्षा की दृष्टि से बैंक में पुलिस की ओर से निरीक्षण किया जाता है। संदिग्ध नजर आने वालों से पूछताछ भी करते हैं। बैंक परिसर के अंदर-बाहर व आसपास भी पुलिस फोर्स निगाह रखती

है। सुरक्षा व्यवस्था में कोई ढिलाई न हो इसके लिए पुलिस अधिकारी भी औचक निरीक्षण करते हैं।

डीएसपी ने कई मुख्य बैंक शाखाओं में जाकर खातेदारों से पूछताछ की। इसके साथ ही अन्य पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रतिदिन एक बार बैंकों की सुरक्षा की स्वयं जांच करें और इसे दूर करने का प्रयास करें। बैंकों में किसी उपभोक्ता को बिना पासबुक प्रवेश न करने की सख्त हिदायत दी। इसके अलावे बैंक परिसर के आस-पास अगर कोई भी बिना कार्य के मंडराता दिखता है तो उसे तुरंत हिरासत में लेकर पूछताछ करने तथा संदिग्ध गतिविधि वाले को जेल भेजने, बैंक में घुसने के पहले बैग व कमर की जांच के बाद ही प्रवेश करने देने आदि निर्देश दिया गया है। उन्होंने सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को निर्देश दिया गया है कि बंद सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत कराये। वहीं मोटी रकम निकालने वाले ग्राहकों व सीएसपी संचालाक इसकी सूचना पुलिस को दे ताकि पुलिस उन्हें स्कॉट कर सुरक्षित घर तक पहुंचा सके।

पीएचईडी से बनी नल जल योजना फेल, शुद्ध पानी नसीब नहीं

दम तोड़ रही योजना: डीएम के निर्देश के बावजूद नहीं दुरूस्त हुई जल आपूर्ति, ग्रामीणों में आक्रोश

- गर्मी में लोगों को पेयजल के लिए परेशानी का करना पड़ रहा सामना

केटी न्यूज/केसठ

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नल जल योजना केसठ में पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। प्रखंड अंतर्गत केसठ पंचायत के कई वार्डो में दम तोड़ती नजर आ रही है। जिस कारण भीषण गर्मी के इस मौसम में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय प्रशासन व संबंधित विभाग की बेफिक्री से इस योजना के मद में सरकार द्वारा लाखो रुपए राशि कि खर्च कर देने के बाद भी लोगो के घरों तक शुद्ध पानी नही पहुंच पा रहा है।कही नल में जल पहुंचा और बंद भी हो गया। तो कही सिर्फ पाइप ही बिछी है और जल नही पहुंच सका। प्रखंड मुख्यालय स्थित पीएचडी द्वारा कुछ साल पहले ही जलमिनार बनाया गया था। जिसे कुछ माह तक लोगो को पानी मिला। उसके बाद लोगों को अब तक इसका लाभ नहीं मिल रहा है। केसठ पंचायत के वार्ड 5 ,6 में रहने वाले करीब से सैकड़ों घरों में पाइप बिछा हुआ है लेकिन पानी घरों में नहीं पहुंच रहा है। वार्ड 5 के

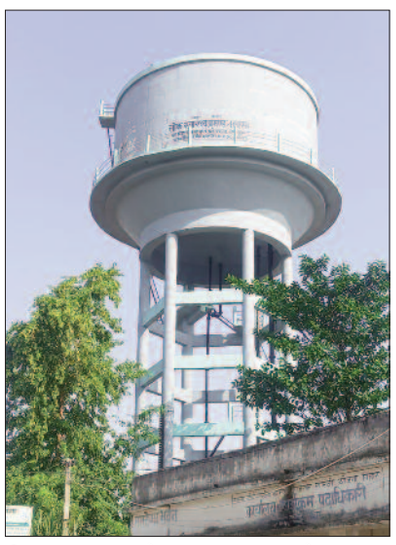

विजय यादव, भुनेश्वर उपाध्याय, सुरेश शाह, सत्येंद्र शाह, मुन्ना शाह, विजय रजक, टुनटुन राय, पिंटू खान आदि ने बताया कि कई वर्षो के नल जल का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। इस भीषण गर्मी में लोग पानी बिना तरस रहे है। वार्ड में लोग दूसरे वार्डों में जा कर पानी भर रहे हैं। लोगों ने बताया कि पीएचडी विभाग के कर्मियों के उदासीनता के कारण पानी वार्डों में नहीं पहुंच रहा है। इस संबंध में कई बार उनको अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक कोई भी समाधान नहीं हो पाया। बता दे कि प्रखंड मुख्यालय स्थित पीएचडी द्वारा बनाए जलमीनार को पंचायत के वार्ड 3,4,5,6 और 7 में जल आपूर्ति करना है। लेकिन इन वार्डो के आधे आबादी को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि हम लोगों को नल जल योजना का लाभ नहीं मिल रहा है प्रशासन को मामले में संज्ञान लेते हुए समस्या को दूर करना चाहिए। वही लोगो ने बताया कि अधिकारियों को इसकी जांच करनी चाहिए। वही सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस जलमीनार से मिल रहे पानी से खेतों का पटवन भी करते है।

क्या कहते है वार्ड सदस्य : वार्ड पांच के वार्ड प्रतिनिधि शिव जी उपाध्याय ने बताया की वार्ड 5 के करीब 100 घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है इस संबंध में कई बार बीडीओ को अवगत कराया गया है लेकिन उनके द्वारा इस पर अभी तक कोई भी पहल नहीं की गई है। वहीं उन्होंने पीएचडी के कर्मियों की उदासीनता बताया। वही उन्होंने बताया की सभी घरों में पाइप बिछाया गया है लेकिन क्या लाभ जब जल ही नही पहुंच रहा है।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII

ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)

REGISTRATION & ADMISSION STARTED

ELIGIBILITY CRITERIA
- DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
- ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.

SCHOLARSHIP SCHEME
- CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
- CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.

CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY

TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)
1st SHAKSHI KUMARI 94.80%
2nd ANKIT KUMAR 92.60%
3rd SANJANA KUMARI 92.00%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
English Core - 97 | Mathematics - 95 | Accountancy - 95
Hindi Elective - 95 | Biology - 96 | Business Studies - 93
Physics - 95 | Chemistry - 95 | Economics - 94

TOPPERS IN AISSE (Std. X)
1st ARADHYA GUPTA 96.80%
2nd RUKHSAR NAAZ 95.00%
3rd SANANDAN DUBEY 94.80%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
English - 94 | Hindi - 95 | Science - 96
Sanskrit - 100 | Mathematics - 100 | Social Science - 100

INFORMATION
REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.

8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
LIMITED SEATS Hurry Up

अनियंत्रित ट्रैक्टर की ठोकर से बाइक सवार युवा इंजीनियर की मौत

केटी न्यूज/आरा

आरा-बक्सर फोरलेन पर बक्सर जिले के डुमरांव के समीप अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। उसमें बाइक सवार एक युवा इंजीनियर की मौत हो गई। हादसे में उनका दोस्त भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक आरा नगर थाना क्षेत्र के बाबू बाजार निवासी स्व.ललितेश्वर प्रसाद सिन्हा का 27 वर्षीय पुत्र सत्यम था। वह प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर था। करीब एक माह पूर्व उसके पिता की बीमारी से मौत हो गई थी। उसी सिलसिले में वह नौकरी छोड़ कर गांव आ गया था। जख्मी उसका दोस्त उसी मोहल्ले का निवासी लव कुमार है। उसका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। मृत इंजीनियर के चाचा शिव शंकर माधव सिन्हा ने बताया कि बुधवार को सत्यम किसी दोस्त से मिलने के लिए बाइक से मित्र लव कुमार के बक्सर के डुमरांव जा रहा था। डुमरांव के पास किसी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। उसमें सत्यम गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जबकि उसका दोस्त मामूली रूप से जख्मी हो गया। उसके बाद सत्यम को इलाज के लिए डुमरांव स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां इलाज के बाद आरा रेफर कर दिया गया। तब उसे आरा के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज कराया गया। वहां देर शाम में उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर टाउन थाने की पुलिस द्वारा उसके शव का पोस्टमार्टम करवाया गया।

छह माह पहले हुई थी शादी, पिता की देखभाल करने नौकरी छोड़ आया था गांव : इंजीनियर के चाचा शिव शंकर माधव सिन्हा ने बताया कि उनके भाई और सत्यम के पिता की पिछले कुछ दिनों से तबीयत खराब थी। उनकी देखभाल करने के लिए सत्यम जॉब छोड़कर घर आ गया था। करीब एक माह पूर्व उसके पिता की मौत हो गई थी। तब से वह आरा ही रहता था। इस बीच बुधवार को उसकी भी सड़क हादसे में मौत हो गयी। हादसे के बाद उसके घर में कोहराम मचा है। सबसे बुरा हाल उसकी नवविवाहिता पत्नी शिल्पी और मां संगीत श्रीवास्तव का है। शिल्पी शादी के छह माह बाद ही विधवा हो गई। वहीं पति के एक माह बाद मां संगीत श्रीवास्तव ने अपने छोटे बेटे को भी खो दिया। दोनों का रो-रोकर बुरा था। बताया जा रहा है कि सत्यम दो भाइयों में छोटा था। उसकी शादी छह माह पूर्व मसाढ़ गांव में हुई थी। उसके परिवार में मां संगीता श्रीवास्तव, पत्नी शिल्पी सिन्हा और भाई शानू है। उसके पिता की मौत एक माह पूर्व बीमारी के कारण मौत हो गई थी।

खबरें फटाफट

शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

बिक्रमगंज। उत्पाद विभाग की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चुलाई शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर सासाराम न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बिक्रमगंज अनुमंडल उत्पाद निरीक्षक भिखारी कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के बसगीतिया से नितेश कुमार को 2 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए सासाराम न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हीट वेव से महिला की हुई मौत

शिवसागर। शिवसागर थाना अंतर्गत राम केकई गांव में हीटवेव से एक महिला की मौत हो गई। मृतिका महिला चेनारी थाना क्षेत्र के दिनेश तिवारी की पत्नी दुर्गा देवी बताई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। शिवसागर थाना पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपते हुए अगली कार्रवाई जारी रखी है। बताया गया कि दुर्गा देवी बजार से अपने मैके शिवसागर थाना क्षेत्र के राम केकई गांव लौट रही थी। इसी बीच रास्ते में दम तोड़ दी। सदर अस्पताल सासाराम के डॉ संजय कुमार ने बताया कि शिवसागर थाना के पुलिस ने दुर्गा देवी नाम की महिला की शव पोस्टमार्टम के लिए लाया। शव की सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कर दिया गया है। जिसमें बताया गया कि लू लगने से महिला की मौत हो गई।

बक्सर में स्कूलों को 60 दिनों तक सीसीटीवी फुटेज रखने का फरमान

बच्चों की सुरक्षा में न हो चूक, स्कूली बसों में अब सीसीटीवी लगाना अनिवार्य: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

गुरूवार को वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पटना प्रमण्डल के आयुक्त की अध्यक्षता में विद्यालय वाहन परिचालन विनियमन 2020 के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की गई। जिसमें जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं जिला परिवहन पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में विद्यालय वाहन परिचालन विनियमन 2020 के आलोक में विद्यालय वाहन के सुरक्षित परिचालन के लिए जिला स्तरीय समिति के आयोजित बैठकों में जिला अंतर्गत सभी विद्यालय के प्रबंधक, संचालकों को विद्यालय से परिचालित वाहनों के सुरक्षित परिचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। आयुक्त ने स्कूल बस में सीसीटीवी को अनिवार्य रूप से स्थापित करने का निर्देश दिया। ताकि यात्रा के दौरान वाहन की गतिविधि को रिकार्ड किया जा सकें।

सीसीटीवी फुटेज 60 दिनों तक स्कूल प्रबंधन को संरक्षित रखने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में निर्देश दिया गया कि सभी विद्यालय के वाहन पर स्पष्ट अक्षरों में ऑन स्कूल ड्यूटी का बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्कूल बस में बच्चों को चढ़ाने एवं उतारने के लिए योग्य परिचारक की व्यवस्था करनी होगी। बालिका विद्यालयों के मामलें में एक महिला परिचारिका निश्चित रूप से होनी चाहिए। वैसे वाहन चालक जिन्हें मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 183 (तेज गति में गाड़ी चलाना), धारा 184 (खतरनाक ड्राईविंग) एवं धारा 185 (नशे में ड्राईविंग) के आरोप में एक बार भी दंडित किया गया है तथा भारतीय दंड संहिता एवं पॉस्कों एक्ट के तहत अपराध किये जाने के लिए दंडित किया गया है, उन्हें विद्यालय प्रबंधन द्वारा वाहन चलाने की अनुमति नहीं दी जायेगी। स्कूल वाहन चालकों को स्कूल वाहन में बच्चों के नाम, कक्षा, आवासीय पता, ब्लड ग्रुप, रूकने का स्थल, रूट प्लान इत्यादि के बारे में पूरी सूची वाहन में उपलब्ध रखना होगा। यदि विद्यालय प्रबंधन किसी भी शिकायत पर कार्रवाई नहीं करते है तो अभिभावक को इसकी सूचना जिला पदाधिकारी एवं जिला परिवहन पदाधिकारी को देना होगा। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि माह दिसम्बर 2023 में जिला अंतर्गत सभी विद्यालयों में परिचालित वाहनों की जाँच हेतु अभियान चलाया गया। जिसमें कुल 24 विद्यालयों के कुल 121 वाहनों के जांच के क्रम में दस्तावेज अद्यतन नहीं होने के कारण एमभी ऐक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत 25 लाख 19 हजार रुपए का शमन किया गया।

एकलव्य के प्रशिक्षुओं को मिले बेहतर प्रशिक्षण

बक्सर। गुरूवार को जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में एकलव्य राज्य आवासीय वॉलीबॉल (बालक) प्रशिक्षण केन्द्र बक्सर के संचालन समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक के दौरान डीएम ने एकलव्य में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु को बेहतर तरीके से प्रशिक्षण देने एवं पुलिस लाइन बक्सर से समन्वय स्थापित कर माह में एक बार मैच कराने का निर्देश प्रशिक्षक को दिया। आस पास की अच्छी टीम से मैच कराने के संबंध में कहा गया। एकलव्य के टीम को बेहतर बनाने के लिए प्लान बनाकर प्रशिक्षण देने एवम अन्य विषय पर चर्चा किया गया। डीएम ने कहा कि खिलाड़ियों को ऐसा प्रशिक्षण मिले जिससे कि वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रौशन कर सकें। डीएम ने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास कराने तथा कुछ समय के अंतराल पर मैच खेला उनकी क्षमता को आंकने का निर्देश भी दिया। बैठक में सिविल सर्जन डॉ सुरेश चंद्र सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार द्विवेदी, एमपी उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय मिश्र, एकलव्य प्रशिक्षक, एकलव्य छात्रावास अधीक्षक, जिला खेल पदाधिकारी बक्सर एवं दो एकलव्य के खिलाड़ी एवं कार्यपालक सहायक उपस्थित थे।

द्वितीय अपील के मामलों की डीएम ने की सुनवाई

केटी न्यूज/बक्सर

डीएम अंशुल अग्रवाल ने गुरूवार को लोक शिकायत की द्वितीय अपील की सुनवाई समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की। आज की सुनवाई में लोक शिकायत अधिकार निवारण से संबंधित कुल 9 मामलों पर सुनवाई की गई, जिनमें पांच मामलों का निष्पादन जिला पदाधिकारी द्वारा किया गया। वही शेष चार मामलों के लिए अगली तिथि पर फिर सुनवाई करने को कहा।

इस दौरान जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने अधिकारियों से कहा कि आम जनता के समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करें। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का निपटारा नहीं करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। सुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर, अंचलाधिकारी राजपुर, चक्की, नावानगर आदि उपस्थित थे।

एक नजर

तबीयत बिगड़ने से सीआरपीएफ जवान की मौत

आरा। आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर बुधवार शाम अचानक तबीयत एक सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई। कुर्सी पर बैठे-बैठे जवान ने दम तोड़ दिया। भीषण गर्मी और लू-लगने के कारण जवान की तबियत बिगड़ने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। मृत जवान बिहिया थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव निवासी नारायण मिश्रा के 42 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार मिश्रा थे। वह गुजरात के गांधीनगर में सीआरपीएफ एएसआई सिग्नल कोर में रेडियो ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे। इधर, घटना को लेकर काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। सूचना मिलने पर रेल मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जवान के बड़े भाई राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मुकेश कुमार मिश्रा आरा में क्वार्टर लेकर अपने फैमिली के साथ रहते थे। करीब एक सप्ताह पूर्व वह छुट्टी में घर आए थे। बुधवार की शाम वह किसी काम से गांव थाने के लिए ट्रेन पकड़ने आरा रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। इस बीच उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गयी और वह कुर्सी पर बैठ गये। उस दौरान उनकी मौत हो गई। उसके बाद उनके एक भाई के द्वारा घटना की सूचना दी गई। पुलिस के अनुसार जवान की मौत अत्यधिक गर्मी और लू-लगने के कारण होना प्रतीत हो रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। बताया जा रहा है कि जवान अपने चार भाई और दो बहनों में पांचवें स्थान पर थे। उनकी 2003 में नौकरी लगी थी। उनके परिवार में मां धर्मशिला देवी, पत्नी संध्या देवी, पुत्री अपूर्व और अंकिता है। घटना के बाद जवान के घर में हाहाकार मच गया है। और मां पत्नी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

जहानाबाद। जिलाधिकारी के निदेशानुसार अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी की गई। छापेमारी कडोना थाना, नगर थाना एवं शकूराबाद थाना अंतर्गत रात्रि तक चली। छापेमारी अभियान में जिला खनन पदाधिकारी नवेंदु सिंह, खान निरीक्षक मिथिलेश कुमार तथा विभिन्न थानाध्यक्ष मौजूद रहे। इस अभियान में कुल 17.14 लाख का दंड वसूला गया, तीन लोगों की गिरफ्तारी की गई तथा सात वाहनों की जप्ती कर चालक एवम वाहन मालिकों पर प्राथमिक की दर्ज की गई। लघु खनिजों का अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण एक दंडनीय अपराध है तथा इस संबंध में सतत निगरानी रखते हुए लगातार छापेमारी एवं कार्रवाई की जा रही है एवं राजस्व सहित में भारी दंड वसूला जा रहा है। साथ ही परिवहन विभाग को सूचित कर परिवहन संबंधी प्रावधानों के अंतर्गत संदिग्ध वाहनों की जांच करते हुए कार्रवाई की जा रही है। माननीय एनजीटी एवं पर्यावरण विभाग के निदेशानुसार मानसून अवधि में नदी तल से बालू का खनन पर रोक है। जिला खनन पदाधिकारी का कहना है कि जो लोग अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण में सनलिप्त पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करते हुए प्राथमिक की दर्ज की जाएगी।

शिवाजी महाराज को दी गयी श्रद्धांजलि, बताए रास्ते पर चलने का लिया गया संकल्प

सासाराम। गुरुवार को महामना पं मदनमोहन मालवीय प्रातः शाखा, दुर्गा कुंड, गैस एजेंसी रोड, फजलगंज में हिन्दू साम्राज्य दिवस के शुभ अवसर पर क्षत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि दी गयी। साथ ही राष्ट्र के प्रति उनके शौर्यगाथा की प्रस्तुति बौद्धिक सत्र के अंतर्गत की गयी। बता दें कि आज के ही दिन क्षत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था। इसे हिन्दू साम्राज्य दिवस के रुप में संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। सत्र का शुभारम्भ भगवा ध्वज को नमन करते हुए शिवाजी महाराज को तिलक, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। बौद्धिक क्रान्ति के प्रस्तुत सत्र को आरम्भ करते हुए राजन जी ने शिवाजी महाराज के शौर्य गाथाओं को भारी संख्या में उपस्थित बाल मंडली के बीच कहा। बताया कि कैसे शिवाजी महाराज ने भारत भारती के लिए के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिए एवं मुगल काल में धूल-धूसरित भगवा ध्वज को पुनर्जीवित कर सनातन हिन्दू धर्म की लाज रख ली। इस बौद्धिक सत्र को संबोधित करते हुए देवत्व संवर्धन चेतना संस्थान, प्रज्ञाकुंज आरण्यक, सासाराम के प्रबंध निदेशक प्रेम शंकर ओझा ने वैदिक राष्ट्र की संकल्पनाओं को प्रस्तुत किया एवं व्यवहारिक बौद्धिक मनोभूमि को अलौकिक प्राज्ञ अंतःभूमि में प्रतिष्ठित करने का आवाह्न किया।

संसार डिहरी में आयोजित क्रिकेट टूनार्मेंट में भोजपुर व रोहतास की 16 टीमों ने लिया हिस्सा

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट प्रखंड क्षेत्र के संसार डिहरी गांव में बजरंग दल क्रिकेट टूनार्मेंट कमिटी द्वारा क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया गया । टूनार्मेंट का शुभारंभ रोहतास जिला मुखिया संघ अध्यक्ष सह काराकाट पंचायत मुखिया योगेंद्र सिंह द्वारा फीता काट कर किया गया। ग्रामीण स्तर पर खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए कमिटी द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

टूनार्मेंट में ग्रामीण भोजपुर व रोहतास की सोलह टीमों ने भाग लिया। यह टनार्मेंट दो दिन तक चला। मुखिया योगेंद्र सिंह ने टीमों के सदस्यों का परिचय लिया और शॉट लगा कर टनार्मेंट का शुभारंभ किया । इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने गांव वासियों व युवा साथियों से खेलों के साथ जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र में बहुत सी प्रतिभाएं हैं। आवश्यकता सिर्फ उन्हें तलाशने की है। क्या मालूम यहीं से कोई तेंदुलकर व धोनी निकल आए। प्रतियोगिता का आयोजन मोनू कुमार व अंशु पाण्डेय की अध्यक्षता में बजरंग दल क्रिकेट टूनार्मेंट कमिटी द्वारा किया गया । सोलह टीमों कि भिडंत में चार टीम सेमी फाइनल में पहुंचीं, जहां ओसाव बनाम बड़कागांव, पीरो बनाम स्कास्बा टीम ने सेमी फाइनल मैच खेली जिसमे फाइनल के लिए दो टीम क्वालीफाई की । जिसमे पीरो बनाम ओसाव कि टीम ने 6 वोवर का एक जोरदार मैच खेली । पीरो ने वोसाव को 6 ओवर में 33 रन का एक छोटा स्कोर दिया, जिसे ओसाव टीम के धुरंधर खिलाड़ियों ने 3.3 ओवर में जीत हासिल कर टूनार्मेंट ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया । ओसाव टीम के राज कुमार को मैन ऑफ द मैच व टूनार्मेंट दिया गया । दो दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट में अंशु पाण्डेय व रंजन पाण्डेय ने निष्पक्षता के साथ अम्पायरिंग की।

दुघर्टना में दर्जनों यात्री घायल

केटी न्यूज/सासाराम

सासाराम ताराचंडी धाम के पास एनएच दो पर खड़ी डंफर में बस की टक्कर से दर्जन भर यात्री घायल हो गए। जिसमें एक की स्थिति गंभीर बताई गई है। सासाराम ताराचंडी के पास हादसा उस वक्त हुआ जब यात्रियों से भरी बस लखनऊ से नवादा लौट रही थी।

घायल बस यात्रियों ने बताया कि बस में सवार 25 से 30 लोगों की चोट आई है। जिसमें दर्जन भर चोटिल लोगों को सदर अस्पताल सासाराम में एनएचआई के एंबुलेंस नर्सिंग स्टाफ ने लाई। सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को अस्पताल भेजने का कार्य किया। जो सदर अस्पताल सासाराम के डॉ संजय कुमार ने बताया कि बस तथा डंपर की टक्कर में 10 जख्मी को अस्पताल लाया गया है। जिसमें एक की हालत गंभीर है। यह सभी घायल नवादा जिला के अकबरपुर देवरा के बताए गए हैं। घटना के संबंध में सवार यात्रियों ने बताया कि सासाराम में एनएच दो पर ताराचंडी के पास खड़ी डंपर में अनियंत्रित बस ने टक्कर मार दिया। जिससे बस सवार यात्री घायल हो गए।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम को गति देने में लगा है जिला यक्ष्मा केंद्र

टीबी मुक्त पंचायत अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है निक्षय मित्र

- लोगों को किया जा रहा है जागरूक, जिले के टीबी मुक्त पंचायतों को किया जाएगा सम्मानित

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम को गति प्रदान करने के लिए जिला यक्ष्मा केंद्र लगातार प्रयासरत है। जिसके तहत जिले के टीबी मुक्त पंचायतों को जल्द ही सम्मानित किया जाएगा। जिनमें बक्सर सदर प्रखंड के कमरपुर और जासो के साथ चौसा प्रखंड के सरेंजा पंचायत शामिल हैं। पहले वर्ष के लिए चयनित पंचाताओं को कांस्य प्रतिमा दी जा रही है। लगातार दो वर्षों तक यह दर्जा बरकरार रहने पर रजत और तीन वर्षों तक यह दर्जा बने रहने पर पंचायतों को गांधी जी की स्वर्ण प्रतिमा दी जाएगी। हालांकि, इसके लिए जिले के सभी प्रखंडों में दो-दो पंचायतों का चयन किया गया था, जिनको टीबी मुक्त बनाने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। जल्द ही शेष बचे हुए पंचायतों में टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम के तहत निर्धारित इंडिकेटर्स को पूरा कर उन्हें भी टीबी मुक्त पंचायत घोषित किया जाएगा।

एक वर्ष तक 85 फीसदी ट्रिटमेंट सेक्सस रेट होना चाहिए : इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि टीबी मुक्त पंचायत के लिए सरकार ने कुछ इंडिकेटर निर्धारित किए हैं। जिनमें कार्यक्रम के तहत चयनित पंचायतों में एक हजार जनसंख्या पर एक या एक से कम मरीज होने चाहिए। इसी तरह उस इलाके में एक हजार लोगों में कम से कम 30 लोगों की बलगम जांच अनिवार्य है। एक वर्ष तक 85 फीसदी ट्रिटमेंट सेक्सस रेट होना चाहिए। साथ ही, डीबीटी के तहत पहली निक्षय पोषण का लाभ लेना जरूरी है। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत मरीजों को पोषण कीट दी गई हो। यूनिवर्सल ड्रग्स सेंसिटिविटी टेस्ट भी अनिवार्य है। इन इंडिकेटर्स को पूरा करने वाले पंचायतों को 2023 के लिए एक साल के टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का सर्टिफिकेट दिया जा रहा है।

पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करने के लिए बनाने हैं निक्षय मित्र : जिला यक्ष्मा नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शालिग्राम पांडेय ने बताया कि निक्षय मित्र टीबी मुक्त पंचायत अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस योजना के माध्यम से जिले के टीबी के इलाजरत मरीजों को गोद लेकर इलाज अवधि तक फुड बास्केट उपलब्ध कराना है। ताकि, मरीजों की पोषण की कमी को दूर किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिले में 2688 मरीज इलाजरत हैं। जिनमें 1894 मरीजों ने निक्षय मित्र योजना के तहत गोद लिए जाने के लिए कंसेंट फॉर्म भर दिया है। वहीं, पांच लोगों ने इसके लिए मना कर दिया है। जिनके लिए जिले में 63 निक्षय मित्र बनाए गए हैं। जिनमें से 59 सक्रिय है। साथ ही, उनके माध्यम से जिले में अब तक 297 फूड बास्केट का वितरण किया गया है। ज्यादा से ज्यादा टीबी मरीजों को गोद लिया जा सके इसके लिए हमें और निक्षय मित्र बनाने हैं।

स्कूल खुलते ही कैंप लगाकर करें बस एवं ड्राइवर की फिटनेस की जांचः जिलाधिकारी

♦ बिना रजिस्टर्ड ई रिक्शा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के दिए निर्देश, नाबालिग बच्चों द्वारा ड्राइविंग पर अभिभावकों के खिलाफ करें कार्यवाई

केटी न्यूज / मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। यातायात एवं परिवहन विभाग द्वारा प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा के दौरान एआरटीओ ने बताया की मार्च, अप्रैल एवं मई महीने में हेलमेट के अभियोग में 2061, सीट बेल्ट के में 421, मोबाइल फोन का प्रयोग करने के अभियोग में 217 तथा फिटनेस के अभियोग में 124 वाहनों का चालान किया गया। इसी क्रम में हूटर प्रेशर हॉर्न में 16 तथा शहर के एंट्री एवं एग्जिट पॉइंट्स पर विभिन्न अभियोगों में कुल 16282 चालान किए गए। बिना नंबर प्लेट तथा एचएसआरपी के अभियोग में कुल 51 वाहनों का चालान किया गया। यातायात पुलिस द्वारा फरवरी महीने में

ब्लैक फिल्म में कुल 29, सीट बेल्ट में 80, हेलमेट न पहनने पर 2792, बिना फिटनेस के 69 तथा मोबाइल फोन के उपयोग करने पर 13 वाहनों का चालान किया गया। इसके अलावा फरवरी महीने में विभिन्न अभियोगों में कुल 5679 वाहनों का चालान एवं 49 वाहनों को चीज भी किया गया। यातायात एवं परिवहन विभाग द्वारा किए गए प्रवर्तन कार्यों की जानकारी लेने के उपरांत जिलाधिकारी ने इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला अधिकारी ने स्कूली बसों की फिटनेस चेक कर अनफिट बसों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने स्कूल खुलने के उपरांत अभियान चला कर वाहनों की चेकिंग करने तथा स्कूल वाहनों के ड्राइवरो का कैंप लगाकर फिटनेस चेक करने के निर्देश दिए। शहरी एवं नगरी क्षेत्र में जाम के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने बिना रजिस्टर्ड ई रिक्शा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। इसके अलावा नाबालिग बच्चों द्वारा ड्राइविंग करने पर उनके अभिभावकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने सड़क सुरक्षा से जुड़े समस्त विभागों को सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को यातायात के नियमों से अवगत कराने के निर्देश दिए। साथ ही नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश जिला अधिकारी द्वारा दिए गए। दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र में चेतावनी साइन बोर्ड तथा घुमावदार सड़कों पर साइन बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिया गया।

खबरें फटाफट

अनियंत्रित ट्रेलर की चपेट में आने से युवक घायल

नगरा। थाना क्षेत्र के नगरा रसड़ा मार्ग के सोनापली चट्टी पर गुरुवार को सुबह बोल्डर लेकर आ रहा ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गुमटियों को तोड़ते हुए गड्ढे में उतर गया। इस दौरान गुमटी के पास खड़ा एक युवक का पैर पूरी तरह जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मऊ ले जाया गया जहां से चिकित्सकों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। जानकारी अनुसार एक ट्रेलर बोल्डर लेकर रसड़ा की तरफ से नगरा की ओर आ रही थी। सुबह साढ़े 8 बजे के आसपास जैसे ही ट्रेलर सोनापली पहुंचा अनियंत्रित होकर गुमटियों को टक्कर मारते हुए गड्ढे में चल गया। चट्टी पर सोनापली निवासी नौसाद की दुकान बुरी तरह छतिग्रस्त हो गयी है। लोगों की माने तो वहां गुमटी के पास दातुन कर रहा सोनापली निवासी युवक करन 20 जब ट्रेलर को अनियंत्रित देखा तो वह से भागा लेकिन गड्ढे में गिर गया जिससे ट्रेलर उसको टक्कर मरते हुए गड्ढे में चला गया। ट्रेलर का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। ट्रेलर की टक्कर से युवक का पैर बुरी तरह से जख्मी हो गया। वहां पर मौजूद लोगों ने युवक को मऊ अस्पताल ले गए जहां से चिकित्सकों ने गंभीरावस्था देख वाराणसी के लिए रेफर कर दिया।

खाद्य सुरक्षा टीम ने 15 दुकानों से लिए नमूने

बांसडीह। खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं बिना फूड लाइसेंस लिए दुकान संचालित करने वालों के खिलाफ गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कस्बे में बृहद रूप से छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान जांच टीम ने कुल 15 दुकानों से नमूने लेकर जांच के लिए भेजा गया। वही दुकानों के लाइसेंस भी जांच किए गए। जांच देख कई दुकानदार अपनी अपनी दुकान बंद कर दिए। बांसडीह तहसील के पास स्थित भरत मिष्ठान भंडार से जांच टीम ने पनीर और खोया का नमूना लिया।वही बड़ी बाजार से विजय मिष्ठान भंडार से खोया,चुन्नू यादव दूधिया से दूध,अनिल यादव दूधिया से दूध,प्रभुनाथ यादव दूधिया से दूध के नमूने जांच के लिए गए।वही मनियर में आरपी इंटरप्राइजेज दूध और पनीर के नमूने जांच कें लिए एकत्र किए गए। नमूना लेकर सील बंद कर जांच के लिए भेज दिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मराज शुक्ला ने बताया कि क्षेत्र के कई दुकानों से नमूने लेकर जांच के लिए भेजा गया है।

कलेक्ट्रेट सहित शहर के कई जगहों पर पेड़ टूट कर गिरे, हटाने में हुई परेशानी

उमस भरी गर्मी से मिली राहत पर आंधी से जनपद के कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति ठप

♦ पेड़ टूट कर गिरने से किसी का मकान क्षतिग्रस्त तो किसी की दुकान

केटी न्यूज / बलिया

गुरुवार की तड़के मौसम में परिवर्तन के साथ तेज आंधी व गरज के साथ आई बारिश ने जहां उमस भरी गर्मी से राहत दी, वहीं जमकर तबाही भी मचायी। इससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। करीब आधे घंटे की आंधी-बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्र में दर्जनों जगहों पर सड़कों व बिजली के तार पर पेड़ या डालियां गिर गयी। एक तरफ जहां कलेक्ट्रेट गेट के बाहर विशालकाय पेड़ गिर जाने से फरियादियों को आने–जाने में जहां दिक्कतों का सामना करना पड़ा, वहीं हल्दी क्षेत्र के बहादुरपुर गांव निवासी अजय पांडेय की बलिया बैरिया मार्ग पर स्थित लोहे की गुमटी में जनरल स्टोर की दुकान पर आंधी व बारिश के चलते आम का विशालकाय पेड़ गिर गया। इससे गुमटी में रखा लाखों रुपये का सामान क्षतिग्रस्त हो गया है। आंधी व पानी के चलते विद्युत उपकेंद्र सोनवानी क्षेत्र के करीब दर्जनों गांवों में बिजली गुल है। जेई कमलेश कुमार की निगरानी में गुरुवार की सुबह से ही लाइन मैन विद्युत सप्लाई सुचारू करने के लिए बनाने में लगे है। जेई ने बताया कि कोशिश है कि शाम तक विद्युत सप्लाई सुचारू रूप से चलने लगे।

आंधी में पलटी नाव, मल्लाह की मौत

हल्दी। थाना क्षेत्र के मुढ़ाडीह ग्राम सभा के प्रबोधपुर गांव निवासी 55 वर्षीय मल्लाह की गुरुवार की भोर में गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रबोधपुर गांव निवासी उमाशंकर साहनी (55) पुत्र श्रीकिशुन साहनी रोज की तरह बुधवार को भी गंगा नदी में मछली पकड़ने गए थे। उनके साथ दो लोग और थे। तीनों डेंगी (छोटी नाव) पर सवार होकर मछली पकड़ने के लिए नदी में जाल डालकर नाव में ही सो गए। गुरुवार की भोर में अचानक आंधी आई तो नाव पलट गई। तीनों गहरे पानी में चले गए, लेकिन उसमें से उत्तम साहनी और उनका गोपालगंज निवासी एक मित्र किसी तरह तैरकर नदी के उस पार बिहार की तरफ बाहर निकल गए। वहीं उमाशंकर गंगा नदी में डूब गए। इस बात की जानकारी बांव के अन्य लोगों को दी गई। सुबह मल्लाहों ने उसी स्थान पर तलाश शुरू किया। काफी मशक्त के बादउमाशंकर का शव मिला। इसकी जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम कराया गया। पीड़ित के दरवाजे पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी।

बिजली का तार टूटा, आपूर्ति बाधित

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के जलालाबाद स्थित शहीद चौक के पास से गाजीपुर -आजमगढ़ स्टेट हाई-वे के ऊपर से गुजर रहे विद्युत केबल दोपहर में टूटकर सड़क के दोनों किनारे जलने लगा। सड़क पर आवागमन बीस मिनट बाधित हो गया। दोनों तरफ वाहनों के पहिए थम गए। साथ ही अगल-बगल के लोग भी इधर-उधर भागने लगे। आधे घंटे बाद स्थिति सामान्य हुआ। तब लोगों ने बिजली सप्लाई बंद कराई। बिजली के केबिल जलने से शहीद चौक जलालाबाद में कई घंटे से बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद है। बिजली विभाग के जेई प्रेमचंद ने कहा कि जल्द वहां मरम्मत कर की बिजली आपूर्ति चालू कराई जाएगी।

बरसात होने से भीषण गर्मी लू में मिली राहत

मऊ। गुरुवार की भोर में मानसून की पहली बारिश हो जाने से तापमान में आई गिरावट से जहां भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली है, वहीं दूसरी तरफ बाजार और सड़कों पर चहल-पहल तेज हो गई है। साथ ही साथ किसान भी मानसून की पहली बारिश के बाद राहत महसूस किया।

चरित्र मानव धर्म की सबसे बड़ी पूंजी : बाबूराम

केटी न्यूज /गाजीपुर

भारत जैसे धार्मिक देश में मांसाहार एवं शराब जैसे दुर्व्यसनों का प्रचलन गहरी चिंता का विषय है। नई पीढ़ी में अच्छे संस्कार डालकर अच्छे समाज का निर्माण एवं चरित्र उत्थान करना वर्तमान में सबसे बड़ी आवश्यकता है। चरित्र मानव धर्म की सबसे बड़ी पूंजी है। कष्ट क्लेश बिना भगवान भजन के नहीं जाएंगे, देश का सुधार महात्माओं के उपदेशों पर चलने से होगा। यह उद्गार है जय गुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था मथुरा के राष्ट्रीय महामंत्री बाबूराम यादव के हैं, जो आज जय गुरुदेव आश्रम आंकुशपुर सहेड़ी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सत्संग सदाचार

एवं उच्च विचार के फैलाव का एक माध्यम है। सत्य का संग करना ही सच्चा सत्संग है। सत्संग ऐसा निर्मल जल है जिसमें स्नान करके कौवा भी हंस बन जाता है। राष्ट्रीय उपदेशक ने कहा कि महात्मा किसी धर्म, मजहब, जाति, संप्रदाय की सीमा में नहीं होते; वह सबके होते हैं। सबको अपना समझते हैं, सबकी भलाई व कल्याण का काम करते हैं। वह मानवता की सेवा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देते हैं।

बाबा जय गुरुदेव के टाटधारी अनुयायी ने कहा कि विश्व विख्यात परम संत बाबा जय गुरुदेव जी महाराज ने शाकाहार व नशा मुक्ति का व्यापक प्रचार प्रसार कर-के 20 करोड लोगों का हृदय परिवर्तन कर दिया। वर्तमान समय में यह कोई छोटा-मोटा कार्य नहीं बल्कि असाधारण कार्य है। उन्होंने कहा कि समाज का सुधार महान आत्माओं के संकल्प से होता है। यदि देश के साधु-महात्मा, समाज के शुभचिंतक, बुद्धिजीवी, शाकाहार और नशा मुक्ति के प्रचार प्रसार में जुट जाएं तो धर्म की स्थापना होने में देर नहीं लगेगी। संस्था के प्रवक्ता ने कहा कि परिवर्तन कोई कानून बनाने से, भाषण या वक्तव्य देने से, तोड़फोड़, आंदोलन अथवा हड़ताल करने से नहीं होता। परिवर्तन तब होता है जब लोगों के विचार और भावनाएं बदलती हैं। विचार भावनाएं तब बदलती हैं जब लोगों का खान-पान ठीक होता है। उन्होंने देश के सभी वर्ग, धर्म, जाति के लोगों से शाकाहार अपनाने और शराब जैसे मादक पदार्थ से परहेज करने की अपील की।

अरूंधती रॉय व डॉ. शेख शौकत हुसैन के पक्ष में माले ने किया प्रदर्शन

बलिया। प्रतिष्ठित अंग्रेजी लेखिका अरूंधती रॉय व डॉ. शेख शौकत हुसैन के खिलाफ यूएपीए के तहत कार्रवाई करने के खिलाफ भाकपा माले के कार्यकताओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इस दौरान राष्ट्रपति को संबोधित तीन सूत्रीय मांग पत्र डीएम के प्रतिनीधि अपर उपजिलाधिकारी को सौंपा गया। जिसमें अरूंधती रॉय और डॉ. शेख शौकत हुसैन के खिलाफ यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने के आदेश को रद्द करने, यूएपीए सहित दमनकारी कानूनों को रद्द करने तथा समस्त राजनैतिक बन्दियों को रिहा करने की मांग की गई। इस अवसर पर श्रीराम चौधरी ने कहा कि तीसरी बार सत्ता में आयी मोदी सरकार, सरकार की आलोचना करने तथा उसके नीतियों का विरोध करने पर दशकों पुराने मामले को लेकर दमनकारी कानूनों के माध्यम से दमन करने की राह पर चलने लगी है। यह अभिव्यक्ति की आजादी के विरूद्ध और लोकतांत्रिक बुद्धिजीवियों को उत्पीड़न करने की चाल है। इस दमन के खिलाफ सड़क पर लड़ाई जारी रहेगी। इस अवसर पर बसन्त सिंह, लक्ष्मण यादव, वशिष्ठ राजभर, नियाज अहमद, शैलेश सिंह, नागेन्द्र राम, मोहम्मद यूसुफ खॉ सहित अन्य मौजूद थे।

हुआ ट्राई साईकिल का वितरण

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने कम्युनिटी हाल परिसर से 100 दिव्यांग जनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल वितरित किया। ये मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल सांसद अतुल राय के प्रस्ताव पर सांसद निधि के माध्यम से उपलब्ध कराई गई थी। इस अवसर पर अपने संबोधन में डीएम ने सांसद, सांसद प्रतिनिधि, मुख्य विकास अधिकारी तथा दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी को दिव्यांग जनों हेतु मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराने हेतु किए गए प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने दिव्यांग जनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने पर उनको मिलने वाली सहूलियत मिलेगी।

एक नजर

संतोष यादव बने स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर

गाजीपुर। स्वच्छता सर्वेक्षण- 2024 के मद्देनजर लोगों को जागरूक करने व नगर में साफ- सफाई की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए नगर के समाजसेवी संतोष कुमार यादव को नगर पालिका परिषद मुहम्मदाबाद ने स्वच्छता का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इसकी जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी वीरेंद्र कुमार राव ने बताया कि नवनियुक्त ब्रांड एंबेसडर नगर पालिका के कर्मचारियों के साथ बैठक कर एक्शन प्लान तैयार करेंगे इसके अलावा स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर हर वार्ड के नागरिकों के साथ दो-दो बैठक कर नगर के स्वच्छता के बारे में जागरुक कर नगर को स्वच्छ रखने के लिए अपील करेंगे। इस मौके पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रईस अहमद अंसारी, अधिशासी अधिकारी वीरेंद्र कुमार राव, लल्लू सिंह यादव, श्याम बाबू सैनी, संतोष कुशवाहा आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

अग्निकांड में कई परिवार बेघर, लाखों की क्षति

गाजीपुर। रेवतीपुर ब्लाक अंतर्गत नारायणपुर गांव में आग लगने के कारण कई परिवार बेघर हो गए तथा उनकी अन्य आवश्यक समाग्री जलकर नष्ट हो गई। अग्निकांड में लाखों का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई है। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी सेवराई ने मौके पर पहुंचकर पीड़ितों का हाल जाना तथा उन्हे जिला प्रशासन द्वारा हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए खाद्य समाग्री एवं कम्बल आदि का वितरण कर उन्हें पुनः स्थापित कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने आगलगी की घटना में शिकार परिवारजनों के प्रति दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें जिला प्रशासन द्वारा हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

सिकंदरपुर। बिल्थरारोड मार्ग पर स्थित सिकंदरपुर थाना क्षेत्र की मालदह पुलिस चौकी के पास कार की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। घायल युवक को मऊ ले जाया गया, जहां इलाज चल रहा है। सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के बसारिखपुर निवासी जियाउल (48) पुत्र स्व. मुमताज अपने भतीजे नूर आलम (40) के साथ गुरुवार की दोपहर बिल्थरारोड जा रहे थे। अपराह्न करीब एक बजे मालदह पुलिस चौकी के पास सामने से आ रही कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दिया। इससे बाइक सवार चाचा भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। आस-पास के लोगों ने दोनों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरपुर पहुंचवाया, जहां चिकित्सकों ने जियाउल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, प्राथमिक उपचार के बाद नूर आलम को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। हालांकि, बेहतर इलाज के लिए परिजन नूर आलम को मऊ लेकर चले गए, जहां उसका उपचार चल रहा है।

पुलिस लाइन में मनेगा योग दिवस

गाजीपुर। जनपद में दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शुक्रवार को मनाया जाएगा। योग दिवस पर भव्य आयोजन पुलिस लाइन परेड ग्राउंड के स्थान पर नेहरू स्टेडियम गोराबाजार गाजीपुर में संपन्न किया जाएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। शासन की ओर से भव्य योग कार्यक्रम और शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके पूर्व जनपद में योग सप्ताह का आयोजन 15 से 21 जून तक कराया जा रहा है। इसमें जिला मुख्यालय के साथ तहसील, विकास खंड और ग्राम पंचायत स्तर पर लोगों को योग के प्रति जागरूक करने के लिए योग शिविरों का आयोजन कर प्रातः छह बजे से सामूहिक योगाभ्यास किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के विभिन्न स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम कराए गए। राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय योग वेलनेस सेंटर महाहर, आयुष आरोग्य मंदिर हेल्थ एझा वेलनेससेंटर आयुष्मान आरोग्य मन्दिर लहुआर, सरायगोकुल, बरेसर, ग्राम पंचायत चौबारे, नंदगंज एवं स्थल स्थानों पर योग प्रशिक्षक द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशिक्षक द्वारा लाभार्थियों को प्रोटोकाल द्वारा योग प्रशिक्षण देते हुए प्रतिदिन योग करने की सलाह दी गई।

चलती ट्रेन से कूद गया व्यापारी, मौत

बलिया। बलिया से ट्रेन द्वारा अपने गांव मधुबनी के लिए गुरुवार की शाम चला एक सब्जी व्यापारी सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के नही रुकने के कारण ट्रेन से कूद गया। इससे वह ट्रेन के नीचे चला गया, जिससे उसकी मौत हो गयी। जीआरपी ने शव को कब्जे में ले लिया है। बैरिया थाना क्षेत्र के मधुबनी गांव निवासी अनिल गोंड़ (48) पुत्र मुखदेव गोंड़ मधुबनी सब्जी मंडी से सब्जी खरीदकर पिकअप से बलिया मंडी में रोज की भांति बेचने के लिए गया था। उधर से 5552 डाउन वाराणसी सिटी दरभंगा एक्सप्रेस में बैठ गया। उसे मालूम नहीं था कि इस ट्रेन का सुरेमनपुर में ठहराव नहीं है।

तमसा तट के गाय घाट पर होगा योगाभ्यास

मऊ। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन उत्तर प्रदेश सरकार के आदेशानुसार विश्व योग दिवस जनपद के तमसा नदी के तट के गायघाट पर आरती, स्वच्छता अभियान, योगाभ्यास, वृक्षारोपण, महिला सशक्तिकरण के लिए योग का कार्यक्रम हुआ। दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह 15 जून से 21 जून तक चलाया जा रहे कार्यक्रम के तहत गुरुवार को तमसा नदी के तट पर प्रभागीय वन अधिकारी पीके पांडेय के नेतृत्व में योगाभ्यास हुआ।नदी के किनारे पौधारोपण, स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई किया गया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार तथा राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से योगाभ्यास है। स्वयं और समाज के लिए योग सप्ताह 15 जून से 21 जून तक निरंतर चलाया जा रहा है। विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कल दिनांक 21 जून को जनपद के डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट स्टेडियम में कराया जाएगा। जिसमें जनपद के विद्यालयों के छात्र एवं छात्राएं, कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी तथा जनपदवासी एवं आम नागरिक प्रतिभा कर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने में सहयोग करें।

जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर प्रत्येक वार्ड में एससी व कूलर लगाने का दिया निर्देश

अस्पताल में मिलने वाली दवाएं ही लिखें डॉक्टर: डीएम

केटी न्यूज/बलिया

बढ़ती गर्मी के दृष्टिगत जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने गुरुवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर वहां प्रत्येक वार्ड में एसी व कूलर की उपलब्धता व इलाज की समुचित व्यवस्थाओं के बारे में जायजा लिया और सीएमएस को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। उन्होंने हीटवेव से संबंधित कक्ष, दवा वितरण कक्ष, आंख अस्पताल की जांच घर, ईएमओ, आपातकाल, पोस्ट कोविड व मेडिकल वार्ड आदि का जायजा लिया। विभिन्न वार्डों के निरीक्षण के दौरान डीएम ने अस्पताल में भर्ती महिला मरीजों से बातचीत कर अस्पताल द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के बारे में

बातचीत भी की। जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान हीटवेव कक्ष में एक मरीज को बेड ना मिलने की शिकायत का संज्ञान लेकर डीएम ने उसे तुरंत भर्ती करवाया और सीएमएस को फटकार लगाई। इसके अलावा अन्य तीमारदारों द्वारा वार्डों की साफ सफाई, स्ट्रेचर की व्यवस्था न मिलने,चादर रोजाना न बदलने, बाहर की दवाई लिखने संबंधित शिकायते की, जिसके निराकरण हेतु उन्होंने सीएमएस को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने फार्मासिस्ट कक्ष में जाकर डॉक्टर को सख्त हिदायत दी कि बड़ी पर्ची पर ही अस्पताल द्वारा प्रदान की जाने वाली दवाई लिखें, छोटी पर्ची पर और बाहर की कोई डॉक्टर दवा कदापि नहीं लिखेगा। सारी दवाएं अस्पताल में उपलब्ध हैं।अगर आवश्यक हो तो शासन स्तर से मांग पत्र के द्वारा मंगा लिया जाए। जिलाधिकारी ने अस्पताल के विभिन्न कक्षों व वार्डों में जाकर वहां संचालित एसी व कूलर की व्यवस्था को करीब से देखा और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को समय-समय पर कूलर में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित रखने का निर्देश दिया।

जनपद की रैंकिंग में लायें सुधार

बलिया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पोर्टल से प्राप्त विकास कार्यों से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं की रैंकिंग एवं ग्रेडिंग की समीक्षा की। डीएम ने पशुधन विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को अंडा उत्पादन में प्रगति के साथ ही कृत्रिम गभार्धान में प्रगति लाने के निर्देश दिया। पंचायती राज विभाग के अंदर पांचवा राज्य वित्त आयोग, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालय की निर्माण की जिओ टैगिंग कराने के निर्देश डीएम ने पंचायती राज अधिकारी को दिया गया। सूचना लघु एवं मध्यम विभाग की समीक्षा के दौरान ओडीओपी टूल किट योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में उपायुक्त उद्योग को पिछले लक्ष्य के अनुसार तैयारी कर प्रगति लाने के निर्देश दिए। डीएम ने भवन निर्माण में प्रगति लाने के लिए ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता और समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना एवं राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में भी प्रगति लाने के लिए समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया।

परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद की जयंती पर आएंगे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

केटी न्यूज/गाजीपुर

दुल्लहपुर थाने से महज पांच किलोमीटर दूर स्थित परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद का पैतृक गांव धामूपुर के शहीद स्मारक पार्क में एक जुलाई को आयोजित जयंती कार्यक्रम में पहली बार भव्य कार्यक्रम होने जा रहा है। बताते चलें की सन 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान के पैटर्न टैंक को ध्वस्त कर युद्ध का पासा पलटने से पाकिस्तान युद्ध छोड़कर उल्टे पांव भागना पड़ा। पाकिस्तान को अपने पैटर्न टैंक पर इतना घमंड था कि भारत के दिल्ली तक पहुंच जाएंगे, लेकिन वीर सपूत शहीद वीर अब्दुल हमीद ने आईसीएल गन से एक नहीं दर्जनों पैटर्न टैंकों को आग का शोला बना दिए इसके बाद पाकिस्तान को उल्टे मुंह खेमकरण के क्षेत्र से ही भागना पड़ा और भारत का विजय गाथा सुनहरे अक्षरों में देश ही नहीं विश्व में लिखी गई। इसके हीरो वीर अब्दुल हमीद को हुए उनको परमवीर चक्र से नवाजा था। शहीद वीर अब्दुल हमीद के जयंती पर कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए वीर अब्दुल हमीद के सबसे बड़े बेटे जैनुल हसन और पौत्र परवेज आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मिलकर उनको आमंत्रित किया। इसके बाद

एक जुलाई को कार्यक्रम को लेकर लगातार पार्क पर वीआईपी का आना जाना हो है। पूर्वाह्न 11 बजे मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने शहीद पार्क का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क की रंगाई- पुताई के साथ ही इंटरलॉकिंग लगाने का आदेश खंड विकास अधिकारी को दिए। साथ हो पार्क में सुंदरीकरण के लिए फूल पौधे भी लगाने का आदेश दिए। परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद के बेटे जैनुल हसन से संवाद स्थापित कर परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की कहानियों के बारे में जानकारी लिए उन्होंने कहा कि गाजीपुर जनपद का नाम सुनहरे अक्षरों में लिखा जाता है जो देश के सरहद पर दुश्मनों से हिफाजत कर 24 घंटे जवान पूरे भारत की रक्षा करते हैं।

जखनियां-परसुपुर मार्ग में सड़क खोदकर बनाई नाली, बह रहा गंदा पानी

केटी न्यूज/गाजीपुर

जखनियां बाजार अंतर्गत जखनियां से परसुपुर के बीच सड़क पर तीन जगह पर लोगों ने सड़क खोदकर नाली बना दिया। जबकि सड़क के दोनों बगल नाला बना हुआ है, नाला टूटने की वजह से नाला का गंदा पानी सड़क पर इकट्ठा होता है। जिससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस सिलसिले में देवनारायण सिंह, विजय

बहादुर सिंह, सुरेंद्र राम, रामअवध यादव, गुलाब सिंह, धीरेंद्र पटेल, संतोष यादव, रामप्रवेश गोड़, मनोज कुमार ने कहा की यह सड़क जखनियां फदहूपुर मार्ग को जोड़ता है, लेकिन जखनियां बाजार में ही कुछ लोगों ने सड़क के बीचो-बीच खोदकर नाला बना दिया। अब लोगों को खुला नाला पर से ही गुजरना पड़ता है। उधर बड़े वाहनों को भी काफी मुश्किल झेलनी पड़ती है। साथ ही बाजार के नाला का पानी सड़क पर इकट्ठा होने से भी लोग काफी परेशान हैं। मच्छरों का भी प्रकोप बढ़ रहा है, न तो दवा का छिड़काव हो रहा है, न ही कोई रोकथाम किया जा रहा है।

जखनियां खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि जल्द ही ग्राम प्रधान सचिव से वार्ता करके गंदे पानी के जल निकासी की व्यवस्था की जा रही है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि एकतरफ जल निगम का पाइप बिछाने के लिए सड़क खोदी गई है, तो दूसरी तरफ कुछ लोगों ने पानी निकासी के लिए सड़क के बीचो-बीच नाला नुमा बना दिया है। उधर कुछ नाला टूट जाने की वजह से गंदा पानी सड़क पर बहता है।

सड़क खराब, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

सोनभद्र। सोनभद्र के विकास खंड बभनी के बभनी मोड़ से सतबहनी अधौरा मार्ग आठ किलोमीटर तक सड़क गड्ढे में तब्दील है। इसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। सड़क पर उखड़ी गिट्टी से आए दिन लोग गिर कर घायल हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत के बाद भी समाधान नहीं हो रहा। आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। वाहन के साथ ही पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

एक नजर

दो घंटे की बारिश ने भीषण गर्मी से दी राहत

जौनपुर। जनपद में देर रात दो घंटे की तेज बारिश ने भीषण गर्मी से आम जनमानस को राहत मिली है।जिले में चल रही भयंकर लू और 46 डिग्री तापमान में अचानक गिरावट आई है।सूर्य देवता भी बदलो की आगोस में छिप गए है। बुधवार देर रात करीब ढाई बजे अचानक हुई बारिश व तेज ठंड हवाओं ने आम जनमानस को भीषण गर्मी से राहत मिली है।आपको बता दे जनपद में पिछले लगभग एक महीने से सूर्य भगवान की तपिश ने तापमान 47 डिग्री तक पहुंच गया था। रात हुई बारिश से तापमान में अचानक गिरावट आई है।वारिश के बाद पारा 40 डिग्री तापमान से नीचे आ गया है। बारिश से जहां आम जनमानस को राहत मिली है।

गर्दन कटा सड़क किनारे मिला अज्ञात शव

जौनपुर। थाना जलालपुर क्षेत्र के रेहटी गांव में हाईवे किनारे गर्दन कटा अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गयी।सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।तथा शव के शिनाख्त में जुट गयी है। मौके पर फोरेंसिक जांच टीम भी पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटी। आपको बता दे वाराणसी-लखनऊ नेशनल हाइवे के किनारे गुरुवार की सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से लोगों में दहशत का माहौल है। करीब 25 वर्षीय युवक के गर्दन को धारदार हथियार से काटा गया है। युवक का आधा गर्दन कटा हुआ है। युवक के शव से करीब 9 मीटर दूर सड़क के किनारे पड़ी एक लेडिस घड़ी भी पुलिस की हाथ लगी है।युवक की हत्या प्रेम प्रसंग में होने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर खून के निशान नजर नहीं आया। जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि युवक की पहले से हत्या शव को यहां पर फेंका गया है। पूरा मामला जलालपुर थाना क्षेत्र के रेहटी गांव का है।

राधेरमण जायसवाल जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

जौनपुर। जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल की एक चुनाव/चयन बैठक शहर के एक प्रतिष्ठित होटल पर जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिलाध्यक्ष ने बताया कि पूरे प्रदेश के साथ-साथ जौनपुर में भी चुनाव की प्रक्रिया चल रही है उसी कड़ी में आज जौनपुर का चुनाव आयोजित है जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने कहा की नगर के सभी व्यापारी इसमें हिस्सा ले सकते हैं, उपस्थित व्यापारियों ने 2020 से लेकर 2024 तक नगर अध्यक्ष का कार्यभार संभाल रहे नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल के कार्यों की प्रशंसा किया, जिला उपाध्यक्ष अरशद कुरैशी ने अध्यक्ष पद के लिए राधेरमण जायसवाल का नाम प्रस्तावित किया जिला उपाध्यक्ष रवि श्रीवास्तव के साथ उपस्थित सभी व्यापारियों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जिलाध्यक्ष ने नगर अध्यक्ष पद के लिए राधेरमण जायसवाल के नाम की घोषणा किया, उपस्थित व्यापारियों ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को माल्यार्पण और बुके देते हुए बधाई दिया, स्वीकृति उद्बोधन में राधेरमण जायसवाल ने कहा की पिछले अनुभव को देखते हुए नई टीम का गठन जल्द ही किया जाएगा, तथा व्यापारी समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए व्यापारियों को एकजुट करने का प्रत्येक प्रयास किया जाएगा,नगर महामंत्री के पद पर नगर अध्यक्ष ने महामंत्री उत्तरी मनोज कुमार साहू महामंत्री दक्षिणी मुन्ना लाल अग्रहरि और नगर कोषाध्यक्ष पर अनिल वर्मा का नाम की घोषणा किया।

इंडियन ऑयल ने किया मॉक ड्रिल, ग्रामीणों को दी सुरक्षा संबंधी जानकारी

चंदौली। इंडियन आयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के पाइपलाइन विभागङ्क अग्निशमन दल एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने आपातकालीन स्थितियों से निपटने व ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए पाइपलाइन से लीक एवं फायर मॉक ड्रिल का आयोजन गुरुवार को क्षेत्र के तुलसी आश्रम गांव में किया। जिसके बाद आयोजित गोष्ठी में विस्तार से इस मॉक ड्रिल के बारे में जानकारी दी गयी। इस गॉव से गुजरी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (पेट्रोलियम कंपनी) के भूमिगत बरौनी-कानपुर पाइपलाइन की उपस्थिति को लोगों से अवगत कराने हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। डेमो के तौर पर पहले इंडियल आयल की टीम ने पूरा सेटअप लगाया। जिसके बाद आग लगाई गयी। वहीं आस पास मौजूद ग्रामीणों ने घटना की सूचना स्थानीय कोतवाली में दी। अग्निशमन की टीम अपने अधिकारी के नेतृत्व में पलक झपकते ही आग को बुझाया। इस कंपनी के डीजीएम सुमन कुमार ने बताया कि इस क्षेत्र से अत्यधिक ज्वलनशील एवं उच्च दबाव की पेट्रोलियम पाइपलाइन गुजर रही है। यदि किसी को पाइप लाइन के उपरे गीली सतह या डीजल पेट्रोल, केरोसिन आदि की गंध या आग लगने का आभास होता है तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस तथा उपलब्ध कराये गये टोल फ्री नंबरों पर दें।

खबरें फटाफट

10.37 किलो चांदी की चेन के साथ तस्कर गिरफ्तार

चंदौली। पीडीडीयू नगर राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल ने संयुक्त रूप से चेकिंग के दौरान गुरुवार की सुबह रेलवे स्टेशन से 10.37 किलो चांदी की चेन बरामद किया है। इस दौरान एक युवक को पकड़ा गया। तस्कर हावड़ा से चांदी की खेप आगरा ले जा रहा था। बरामद चांदी की कीमत 10.25 लाख रुपये है। जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि आरपीएफ निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत के साथ जीआरपी एसआई मुन्ना लाल, कांस्टेबल आशीष चौबे, रामानुज सिंह, राहुल कुमार यादव, आरपीएफ एएसआई गौतम कुमार सिंह, आरक्षी दसवीर सिंह की संयुक्त टीम अपराधियों की धड़ पकड़ के लिए स्टेशन पर गश्त कर रही थी। इसी बीच बृहस्पतिवार की सुबह प्लेटफार्म संख्या पांच और छह पर एक युवक बैग लिए दिखाई दिया। बैग की जांच करने पर उसमें चांदी के जेवरात मिले। चांदी के जेवरात के वह कोई कागजात नहीं दिखा सका। जिससे पुलिस उसे पकड़ कर जीआरपी ले आई। पकड़े गए युवक ने अपना नाम आशीष विश्वास निवासी राना घाट थाना धनतला जिला नदिया, पं?श्चिम बंगाल बताया। उसने बताया कि चांदी के चेन को पश्चिम बंगाल स्थित घर से आगरा लेकर जा रहा था। मेरे घर मे ज्वेलरी निर्माण का काम होता है।

सपा प्रतिनिधि मंडल ने किसानों के लिए डीएम से मांगा पानी

चंदौली। सकलडीहा विधायक प्रभु नारायण सिंह यादव के नेतृत्व में सपा का एक प्रतिनिधिमंडल बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रट में पहुंचकर जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे से मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने किसानों के लिए नहरों में पानी छोड़े जाने के साथ-साथ बिजली व खाद की समस्या से भी जिलाधिकारी को अवगत कराया और कहा कि इसका त्वरित निस्तारण किया जाए। जिससे किसानों को खरीफ की फसल में किसी प्रकार की परेशानी न होने पाएं। इस दौरान सत्यनारायण राजभर, दिलीप पासवान, इमरान सिद्दीकी, आरती यादव व अन्य उपस्थित रहे।

मिर्जापुर में 3.43 करोड़ की लागत से कराया जाएगा निर्माण, प्रक्रिया शुरू

मां विंध्यवासिनी से जुड़ीं कथाओं को शोकेस करेगी सरकार, आर्ट गैलरी बनेगी माध्यम

केटी न्यूज/मिर्जापुर

उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिक चेतना के केंद्रों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने श्री काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या के कायाकल्प के बाद मीरजापुर में माता विंध्यवासिनी देवी के धाम को भी नव्य-भव्य रूप देने की शुरूआत कर दी है। यहां आने वाले भक्तों को अब माता विंध्यवासिनी की लीलाओं से जुड़ी कथाओं और तीर्थ के माहत्म को दशार्ने वाली विभिन्न कलाकृतियों को आर्ट गैलरी के माध्यम से शोकेस किया जाएगा। आर्ट गैलरी के निर्माण ये यहां आने वाले पर्यटकों को आस्था, कला और संस्कृति का अनुपम संगम देखने को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भगवती विंध्यवासिनी आद्या महाशक्ति हैं तथा विन्ध्याचल सदा से उनका निवास-

स्थान रहा है। यही कारण है कि विंध्यगिरि को एक जागृत शक्तिपीठ माना जाता है और न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश-दुनिया से भक्त माता विंध्यवासिनी के चरणों में निरंतर शीश नवाने आते हैं।

पर्यटन विकास का माध्यम बनेगी आर्ट गैलरी: विंध्य कॉरिडोर योजना के अंतर्गत मां विंध्यवासिनी माता मंदिर के अंतर्गत परिक्रमा पथ समेत विभिन्न प्रकार के निर्माण व विकास कार्यों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में, आर्ट गैलरी के निर्माण के जरिए विंध्य क्षेत्र के पर्यटन विकास की प्रक्रिया को और बल मिलेगा। गौरतलब है कि सीएम योगी की मंशा अनुरूप मीरजापुर व विंध्य क्षेत्र के समेकित विकास का जो खाका खींचा गया था उसे क्रियान्वित करते हुए सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। यही कारण है कि आर्ट गैलरी के निर्माण कार्य को गति देने की प्रक्रिया भी तेज हुई है।

यूपी प्रोजेक्ट्स कॉपोर्रेशन लिमिटेड को सौंपा गया है जिम्मा: आर्ट गैलरी के निर्माण का जिम्मा यूपी प्रोजेक्ट्स कॉपोर्रेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को सौंपा गया है। यूपीपीसीएल द्वारा कार्यों की पूर्ति के लिए स्पेशेलाइज्ड एजेंसियों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ई-निविदा माध्यम के जरिए संबंधित एजेंसियों की नियुक्ति के लिए यूपीपीसीएल ने आवेदन मांगे हैं। गौरतलब है कि आर्ट गैलरी से संबंधित सभी निर्माण कार्यों को 3.43 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। कार्यावंटन के बाद नियुक्त एजेंसियों को वर्षा अवधि के अतिरिक्त 6 माह में सभी निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।

विभिन्न प्रकार के कार्यो को दी जा रही गति: विंध्य कॉरिडोर योजना के अंतर्गत मां विंध्यवासिनी माता मंदिर के अंतर्गत परिक्रमा पथ परकोटा (ए ब्लॉक से लेकर एच ब्लॉक तक) बनाया जा रहा है। परकोटों के छत पर ए ब्लॉक से लेकर एच ब्लॉक तक कुल आठ केंद्र बिंदु हैं। 16 स्थानों पर मंदिर का अलग-अलग गुम्बद नुमा डिजाइन पत्थरों से बनाया जा रहा है। यहां देवी-देवताओं की मूर्तियों की स्थापना की जाएगी जो मां विंध्यवासिनी मंदिर की छत से इसकी भव्यता एवं दिव्यता प्रदर्शित करेगी। इसके अतिरिक्त, गलियों का चौड़ीकरण करने के पश्चात सड़क के बीच डिवाइडर का भी निर्माण कार्य चल रहा है। डिवाइडर को तरह-तरह के रंग बिरंगे पौधे, आर्क लैंप्स और रोशनी सज्जा युक्त किया जाएगा।

सोनभद्र में अवैध संबंध के शक में पत्नी की हत्या

सोनभद्र। सोनभद्र में एक व्यक्ति ने अवैध संबंध के शक में अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से मार कर हत्या कर दी। महिला ने शोर मचाया, जब तक आस पास के लोग मौके पर पहुंचते महिला तड़प कर दम तोड़ चुकी थी। भाग रहे पति को लोगों ने दौड़ा कर पकड़ लिया। घटना होते ही गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पूरा मामला पिपरी थाना क्षेत्र के केरवा गांव का है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने ही हत्या की है। बोला कि वो मेरे साथ गलत कर रही थी इस लिए मार दिया। आरोपी पति ने बताया कि उसका दूसरे आदमी से अवैध संबंध था। इस लिए उसे मार दिया।

योग कर व्यसन से दूर रहने का लिया संकल्प

केटी न्यूज/जौनपुर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित अमृत सरोवर के किनारे भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो वंदना सिंह के साथ विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं ग्राम वासियों ने योग किया.योग प्रशिक्षक जय सिंह ने प्रतिभागियों को एक घंटे योग कराया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि आज अमृत सरोवर के पास योग अभ्यास के दौरान हम सभी ने अद्भुत अनुभव किया है। योग हमें प्रकृति से जुड़ने में मदद करता है। अगर हमारे प्राकृतिक संसाधन अपने मूल रूप में जीवित रहेंगे तभी हम स्वस्थ जीवन जी सकेंगे।

योग कार्यक्रम में विभिन्न तरह के व्यसन, नशा के रोकथाम में विभिन्न योग क्रियाओं के महत्व को बताते हुए योगाचार्य द्वारा अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर किसी भी प्रकार से व्यसन से अपने आपको और अपनों को दूर रखने हेतु वचन लिया। नोडल अधिकारी डॉ मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि गुरुवार को जीवन शैली से जुड़ी बीमारियां एवं योगासन, योग की विभिन्न मुद्राएं और उसके विभिन्न लाभ, योग की भारतीय परंपरा, मानसिक एवं शारीरिक रोगों के रोकथाम में योग की भूमिका विषय पर क्विज प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इसमें 1643 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के इनडोर स्टेडियम में प्रोटोकॉल के तहत कार्यक्रम होगा।

बलिया जिलाधिकारी ने कटानरोधी कार्यो का किया निरीक्षण

बलिया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने रामगढ़ और गोपालपुर गांव में सुरक्षार्थ चल रहे कटानरोधी कार्यों का निरीक्षण किया। रामगढ़ गांव के लोगों ने पास के घरों के बाढ़ से बचाव के लिए लेयर की संख्या बढ़ाने और बोल्डरों को रोकने के लिए लगाई गई जाली की लंबाई भी बढ़ाने का अनुरोध किया। इस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता और सहायक अभियंता को इन मामलों का परीक्षण कर ग्रामवासियों के बचाव के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने तय मानक के अनुरूप तेजी से कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करें अधिकारी: एएसपी

चंदौली। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की बैठक वृहस्पतिवार को पुलिस लाइन सभागार में हुई।इसमें व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को अवगत कराया। जिस पर एएसपी ने पुलिस की तरफ से सुरक्षा संबंधी जो भी व्यापारियों की समस्या है निराकरण करने का भरोसा दिया। इस दौरान जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा ने व्यापारियों को सैम्पलिंग के नाम पर प्रताड़ित न करने की जिला प्रशासन से गुजारिश की। कहा कि

जनपद मे कुछ जगहों पर साप्ताहिक मीना बाजारों में भीड़ को देखते हुए चौक चौराहों पर पुलिस की व्यवस्था हो। जिससे सड़कों पर जाम की स्थिति न उत्पन्न होने पाए। व्यापारियों के साथ कोई भी दुर्व्यवहार न किया जाए। साथ ही देश के आर्थिक विकास व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।इस दौरान अर्चना देवी, शीला गुप्ता, मंजू जायसवाल, शीला देवी, घूरे लाल कन्नौजिया,लक्ष्मीना देवी ,महेन्द्र गुप्ता,दानिश इकबाल, बसंत गुप्ता, आभा चौरसिया ,बबीता देवी,विजय शंकर सिंह,रघुवर शर्मा,मकबूल आलम उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब तक यह गौरव गांधी परिवार और यादव परिवार को ही हासिल

अंसारी परिवार में पूर्वांचल में बनाया अपना दबदबा, 17 बार जीते

केटी न्यूज/गाजीपुर

उत्तर प्रदेश की राजनीति में परिवारवाद का हमेशा से बोल-बाला रहा है। चाहे वह यदुवंश हो, चाहे गांधी परिवार, लेकिन अभी इसी फेहरिस्त में गाजीपुर का अंसारी परिवार भी शामिल हो चुका है। गाजीपुर के वर्तमान सांसद अफजाल अंसारी तीसरी बार सांसद पद पर निर्वाचित हुए हैं। जबकि उनके परिवार का राजनीतिक रिकॉर्ड देखा जाए तो कुल 17 बार अलग-अलग क्षेत्रों से सांसद और विधायक निर्वाचित हुए है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब तक यह गौरव गांधी परिवार और यादव परिवार को ही हासिल हो पाया है। हालांकि कुछ हद तक अंसारी परिवार के इर्द-गिर्द कैराना का हसन परिवार और संभल का बर्क परिवार भी ठहरता है। अंसारी परिवार के राजनीतिक कैरियर को देखा जाए तो अफजाल अंसारी खुद पांच बार विधायक 1985, 1989, 1991, 1993 व 1996 मोहम्मदाबाद विधानसभा से रहे। और तीन बार सांसद 2004, 2019 व 2024 निर्वाचित हुए। अफजाल अंसारी को देखा जाए तो कुल मिलाकर आठ बार वह जनप्रतिनिधि रहे। उधर अफजाल अंसारी के छोटे भाई मुख्तार अंसारी मऊ सदर के विधानसभा से लगातार पांच बार 1996, 2002, 2007, 2012, 2017 विधायक निर्वाचित होते रहे। 2022 में मुख्तार ने अपनी विरासत अपने बेटे अब्बास अंसारी को सौंप दी और अब्बास अंसारी ने भी अपने पिता को निराश नहीं किया। एक लंबी जीत दर्ज कर विरोधियों को चारों खाने चित कर दिया। उधर अफजाल

अंसारी के बड़े भाई शिवगतुल्लाह अंसारी मोहम्मदाबाद विधानसभा से 2007 और 2012 में विधायक चुने गए। 2022 में उन्होंने अपनी विरासत अपने बड़े बेटे शोएब अंसारी को सौंप दी। शोएब अंसारी ने 2022 में जीत दर्ज कर अपने विरोधियों को अपनी ताकत का एहसास कराया। अफजाल अंसारी कुल आठ बार, मुख्तार अंसारी 5 बार, शिवगतुउल्लाह अंसारी दो बार और अब्बास अंसारी और शोएब अंसारी एक-एक बार अब तक जनप्रतिनिधि हो चुके हैं, जो अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है। 17 बार विधायक और सांसद बनने का जो गौरव अंसारी परिवार को हासिल है। वह उत्तर प्रदेश में गांधी और यादव परिवार के बाद शायद ही किसी परिवार को हासिल हो।

हालांकि अफजाल अंसारी के पिता सुभानल्लाह अंसारी कई बार नगर पालिका के अध्यक्ष जरूर रहे। उपरोक्त रिकॉर्ड के आधार पर यह कहा जा सकता है कि अंसारी परिवार का अपने आप में एक वर्चस्व है जो हर बार तोड़ने की जुगत विपक्ष तो करता जरूर है लेकिन शायद वह फाटक की किलेबंदी को तोड़ नहीं पाता है।

सुभाषितम्

विश्व शरणार्थी दिवस: जीवन के अस्तित्व का संघर्ष है पलायन

20 जून विश्व शरणार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है। शरणार्थी की परिभाषा में शरण लेने वाला होता है। जो शरण देता है, उसकी भूमिका शासक अथवा पालक की तरह होती है। प्रकृति में जो भी जीव है, वह अपने जीवन की रक्षा के लिए समय-समय पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर पलायन करते हैं। किसी भी जीवन का आधार पानी और भोजन होता है। प्रकृति की कोई सीमा नहीं है। इसलिए भोजन और पानी को प्राप्त करने के लिए पशु-पक्षी, मानव सभी एक स्थान से दूसरे स्थान पर आदिकाल से पलायन करते रहे हैं। सामाजिक विकास के साथ-साथ मानव जीवन में संघर्ष और टकराव भी बढ़ता गया। भोजन और पानी के अतिरिक्त इसमें व्यापार और पारिवारिक जिम्मेदारी भी जुड़ गई। व्यापार के चलते लोगों का एक राज्य से दूसरे राज्य और एक देश से दूसरे देश तक जाने का हजारों वर्षों का इतिहास है। मानव जीवन में मानव एक दूसरे की रक्षा के लिए समर्पित होना मानवीय गुण है। ऐसी भावना समान्यतः प्राकृतिक है। जब शरणार्थी भय एवं अन्य कारण से समस्या बनते हैं, तब इसको लेकर प्रतिरोध भी देखने को मिलता है। सामाजिक और धार्मिक विकास के चलते शरणार्थी संकट पिछले 100 वर्षों में बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शरणार्थियों को शरण देने के मामले में कुछ अंतरराष्ट्रीय कानून बनाए गए हैं। शरणार्थियों को दो भागों में बांटा गया है। एक वर्ग वैध शरणार्थी और दूसरे वर्ग को अवैध शरणार्थी के रूप में मान्यता मिलती है। जो अवैध शरणार्थी होते हैं, उनका जीवन यापन और अपने आप को जिंदा रख पाना बहुत मुश्किल होता है। अवैध शरणार्थियों की ना तो गिनती संभव हो पाती है। नाहीं उन्हें न्यूनतम सुविधा मिल पाती है। जिसके कारण अवैध शरणार्थी सारा जीवन भय में जीने को विवश होते हैं। पिछली एक शताब्दी में प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध, अकाल, महामारी, शासक वर्ग में युद्ध होने के कारण अपने जीवन को सुरक्षित करने के लिए वैध अथवा अवैध रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर पलायन करने के लिए लोग विवश होते रहे हैं। 1947 का भारत भारत-पाकिस्तान बंटबारा, 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध में लाखों बंगालियों का अपने ही देश भारत में शरणार्थी के रूप में रहना, बड़ा कष्टकारी था। जीवन बचाने के लिये करोड़ों की संख्या में लोग यहाँ से वहाँ जाकर बसे। वर्तमान की यह सबसे बड़ी वैश्विक समस्या है। पिछले कुछ दशकों में राजनीतिक, धार्मिक, भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, भाषायी, लिंग असमानता, अकाल, महामारी, नौकरी, व्यवसाय के कारण एक राज्य से दूसरे राज्य अथवा एक देश से दूसरे देश में आने-जाने का सिलसिला तेजी के साथ बढ़ा है। इसी के साथ नागरिकता और शरणार्थी संकट भी बढ़ता चला जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार भारत में इस समय 12 करोड़ शरणार्थी एक राज्य से दूसरे राज्य में रहने के लिए विवश हैं। लगभग 4 करोड़ भारतीय शरणार्थी विदेशों में रहने को मजबूर हैं। विभिन्न देशों के कानून के अनुसार 60 लाख से अधिक शरणार्थी नागरिकता पाने की लाइन में लगे हुए हैं। मानव जीवन में जिस तरह से अर्थ तंत्र और भौतिकवाद की महत्ता बढ़ी है। उसमें मानवीयता सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। ऐसी स्थिति में शरणार्थियों को अपने जीवन की रक्षा अथवा परिवार की रक्षा करना बहुत मुश्किल हो गया है। मणिपुर में पिछले 1 साल से इतने भयावह हालात हैं, कि लाखों लोगों को अपने ही प्रदेश मणिपुर और मिजोरम जाकर शरण लेनी पड़ी। हिंसा और नफरत के बीच में जीवन जीना पड़ रहा है। मानसिक अवसाद, हिंसा, कुंठा, परिवार की रक्षा तथा अपनी निजी पहचान को बनाए रखने के लिए भारत जैसे देश में भी लोगों को संघर्ष करना पड़ रहा है।

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव
। येन भूतान्यशेषाणि द्रक्षस्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव ! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे। आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

महिलाओं को एकता के सूत्र में पिरोता है योग

- डॉ. शंकर सुवन सिंह

नारी राष्ट्र का अभिमान है। नारी राष्ट्र के विकास की नींव है। नारी सृष्टि की सुंदरता का अनमोल उपहार है। संस्कृत में एक श्लोक है- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः। अर्थात, नारी की पूजा जहां होती है, वहां देवता निवास करते हैं। भारतीय संस्कृति में नारी के आदर को महत्व दिया गया है। लगभग सभी धर्मों में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण देखने को मिलता है। वैदिक साहित्य में नारी को अत्यंत गरिमामयी स्थान प्रदान किया गया है। धर्म ग्रन्थ वेद महिलाओं को परिवार की सम्राज्ञी कहते हैं। महिलाएं देश की शासिका बनने का अधिकार रखती हैं। वेदों में स्त्री यज्ञीय है अर्थात यज्ञ समान पूजनीय है। वेदों में नारी को ज्ञान देने वाली, सुखझसमृद्धि लाने वाली, विशेष तेज वाली, देवी, विदुषी, सरस्वती, इन्द्राणी, उषा (जो सबको जगाती है) इत्यादि अनेक आदर सूचक नाम दिए गए। वेदों में स्त्रियों पर किसी प्रकार का प्रतिबन्ध नहीं है। उसे सदा विजयिनी कहा गया है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 की थीम/प्रसंग है - महिला सशक्तिकरण के लिए योग। इस वर्ष योग दिवस, महिलाओं के समग्र कल्याण व समग्र विकास की भावना के साथ मनाया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण के लिए योग एक अद्भुत माध्यम है। योगासन करने से शारीरिक शक्ति, लचीलापन और सहनशक्ति बढ़ती है, जिससे महिलाएं जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम होती हैं। योग तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में मदद करता है, जिससे महिलाओं का मन शांत और एकाग्र होता है। योगाभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है। योगाभ्यास से महिलाएं अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने लगती हैं। योगाभ्यास से आत्म-सम्मान बढ़ता है और महिलाएं खुद को स्वीकार करने लगती हैं। योग सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है, जिससे महिलाएं जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना सकारात्मक रूप से कर पाती हैं। योगाभ्यास से आत्मरक्षा की क्षमता विकसित होती है, जिससे महिलाएं खुद को सुरक्षित रख पाती हैं। योग नेतृत्व कौशल विकसित करने में मदद करता है। महिलाओं में शक्ति का संचार करने के लिए निम्नलिखित योगासन इस प्रकार हैं- 1. सूर्य नमस्कार- यह आसन पूरे शरीर को सक्रिय करता है और ऊर्जा प्रदान करता है। 2. वृक्षासन- यह आसन एकाग्रता और संतुलन बढ़ाने में मदद करता है। 3. भुजंगासन- यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और छाती को खोलता है। 4. वीरासन- यह आसन पैरों और घुटनों को मजबूत करता है। 5. अधोमुख श्वानासन- यह आसन पूरे शरीर को खींचता है और तनाव कम करता है। 6. शवासन- यह आसन शरीर और मन को शांत करता है। सरकार और कई गैर-सरकारी संगठन महिलाओं के लिए योग शिविर और कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इन शिविरों में महिलाओं को योगासन, प्राणायाम, ध्यान और योग दर्शन सिखाया जाता है। यह महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है। यदि आप एक सशक्त महिला बनना चाहती हैं, तो योग को अपने जीवन का हिस्सा जरूर बनाएं। आज के समय में, योग महिला सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बनकर उभरा है। योग महिलाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। योग, रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है, जिससे महिलाएं बीमारियों से लड़ने में सक्षम होती हैं। योगासन से शारीरिक संतुलन बेहतर होता है। योग करने से शरीर का वजन नियंत्रित रहता है, जिससे मोटापे और मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। योग आत्म-नियंत्रण की क्षमता को विकसित करता है, जिससे महिलाएं अपने आवेगों पर नियंत्रण रख पाती हैं। योग आंतरिक शांति प्रदान करता है, जिससे महिलाएं जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव का सामना शांतचित्त होकर कर पाती हैं। योग महिलाओं को सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाता है। योग महिलाओं को एक साथ लाता है। योग सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है। योग महिला सशक्तिकरण के लिए एक बहुआयामी उपकरण है। अतएव यह महिलाओं को शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाता है। भारतीय महिलाएं, खासकर शहरी क्षेत्रों में, स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर अधिक जागरूक हो रही हैं। योग विभिन्न प्रकार के आसनों और प्राणायाम के माध्यम से महिलाओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है। ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से महिलाएं अपने मानसिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकती हैं। यह अवसाद, चिंता और अनिद्रा जैसी समस्याओं से निपटने में प्रभावी है। योगाभ्यास के दौरान आत्म-स्वीकृति और आत्म-सम्मान की भावना प्रबल होती है, जो महिलाओं को सामाजिक और व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूत बनाती है। भारतीय समाज में योग का एक गहरा सांस्कृतिक महत्व है। यह एक ऐसी परंपरा है जो पीढ़ियों से चली आ रही है और महिलाओं में इसे लेकर एक विशेष स्थान है। आजकल, योग शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। कई महिलाएं योग शिक्षिका बनकर न केवल अपने जीवन को सुधार रही हैं, बल्कि समाज में भी योगदान दे रही हैं। योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं है। यह एक जीवनशैली है जो समग्र विकास को प्रोत्साहित करती है। भारतीय महिलाएं योग के माध्यम से एक संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की दिशा में अग्रसर हो रही हैं। यह उन्हें स्वस्थ खान-पान, नियमित व्यायाम, और सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करता है। योग का अभ्यास आत्म-साक्षात्कार और आंतरिक शांति की ओर ले जाता है, जिससे व्यक्ति जीवन में अधिक संतुलित और संतुष्ट महसूस करता है। योग, आयुर्वेद का हिस्सा है। आयुर्वेद विज्ञान एक प्राचीन चिकित्सा प्रणाली है जो प्राकृतिक उपचार पद्धतियों और जीवन शैली पर आधारित है। यह शरीर, मन, और आत्मा के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर देती है। आयुर्वेद में तीन मुख्य दोष (वात, पित्त, कफ) होते हैं, जो शरीर की जैविक ऊर्जाएँ हैं। स्वस्थ जीवन के लिए इन दोषों का संतुलन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में हर्बल औषधियाँ, पंचकर्म (शुद्धिकरण प्रक्रियाएँ), और आहार संबंधी सिफारिशें शामिल हैं। यह न केवल रोगों का उपचार करता है बल्कि उनकी रोकथाम पर भी जोर देता है। आयुर्वेदिक जीवनशैली में दैनिक और मौसमी दिनचर्या, योग अभ्यास, और ध्यान शामिल हैं, जो दीर्घायु और स्वस्थ जीवन को प्रोत्साहित करते हैं। योग और आयुर्वेद दोनों का उद्देश्य शरीर और मन के बीच संतुलन बनाए रखना है। योग करने से महिलाएं सशक्त होती हैं। सशक्त महिलाओं से समाज में संतुलन की स्थिति पैदा होती है। संयुक्त परिवार की शक्ति का केंद्र बिंदु महिलाएं ही हैं। महिलाएं सशक्त होंगी तो परिवार भी सशक्त होगा। योग परिवार को जोड़ने का काम करता है। योग अर्थात जोड़ना। महिलाएं, योग के द्वारा परिवार, समाज और देश में एकता को बल प्रदान करती हैं। योग एक होने का ही नाम है। एकता का सूत्र, योग के द्वारा ही संभव है। महिलाएं योग के द्वारा संतुलित जीवनशैली को प्रोत्साहित करती हैं। योग से महिला सशक्तिकरण को बल मिलता है। नारी सशक्त बनेगी तो देश सशक्त बनेगा। योग, महिला सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली साधन है। योग, महिला सशक्तिकरण का केंद्र बिंदु है। अतएव हम कह सकते हैं कि योग, महिलाओं को एकता के सूत्र में पिरोता है।

योग में है सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव

- डॉ. वंदना सेन

विश्व को कल्याण का मार्ग दिखाने के लिए भारत का चिंतन पुरातन काल से रहा है। विश्व का कल्याण करने का भाव भारतीय चिंतन में हमेशा से रहा है। वर्तमान में विश्व में जितनी भी ज्ञान और विज्ञान की बातें की जाती हैं, वह भारत में युगों पूर्व की जा चुकी हैं। इससे कहा जा सकता है कि भारत में ज्ञान और विज्ञान की पराकाष्ठा थी, लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम विदेशी चमक के मोहजाल में फंसकर अपने ज्ञान को संरक्षण प्रदान नहीं कर सके। जिसके कारण हम स्वयं ही यह भुला बैठे कि हम क्या थे। भारत की भूमि से विश्व को एक परिवार मानने का संदेश प्रवाहित होता रहा है, आज भी हो रहा है। यह अकाट्य सत्य है कि विश्व को शांति के मार्ग पर ले जाने का ज्ञान और दर्शन भारत के पास है। योग विधा एक ऐसी शक्ति है, जिसके माध्यम से दुनिया को स्वस्थ और मजबूती प्रदान की जा सकती है। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से आज विश्व के कई भारत के साथ खड़े हुए हैं। यह विश्व को निरोग रखने की भारत की सकारात्मक पहल है। देव भूमि भारत में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को आत्मसात करने वाले मनीषियों ने बहुत पहले ही विश्व को स्वस्थ और मजबूत देने का संदेश दिया है। वास्तव में योग में राजनीति देखना संकुचित मानसिकता का परिचायक है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्व में योग का जो स्वरूप दिखाई दिया है, वह अपने आप में एक करिश्मा है। करिश्मा इसलिए क्योंकि ऐसा न तो पहले कभी हुआ है और न ही योग के अलावा दूसरा कार्यक्रम हो सकता है। इतनी बड़ी संख्या में भाग लेने वाले लोगों के मन में योग के बारे में अनुराग पैदा होना वास्तव में यह तो प्रमाणित करता ही है कि अब विश्व एक ऐसे मार्ग पर कदम बढ़ा चुका है, जिसका संबंध सीधे तौर पर व्यक्तिगत तथा सामूहिक उत्थान से है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भाग लेने वालों ने एक कीर्तिमान बनाया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के योग साधकों के साथ मिलकर योग विद्या को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की जो पहल की थी, आज उसके सार्थक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। अब विश्व के कई देशों ने स्वस्थ और मजबूती की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। अब विश्व को निरोग बनाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। वर्तमान में विश्व के अनेक देश इस सत्य से भली भांति परिचित हो चुके हैं कि योग जीवन संचालन की एक ऐसी शक्ति है, जिसके सहारे तनाव मुक्त जीवन की कल्पना की जा सकती है। हम जानते हैं कि विश्व के कई देशों में जिस प्रकार का विचार प्रवाह है, उससे जीवन की अशांति का वातावरण तैयार हो रहा था और अनेक लोग इसकी गिरफ्त में आते जा रहे हैं। विश्व के कई देश इस बात को जान चुके हैं कि योग के सहारे ही मानसिक शांति को प्राप्त किया जा सकता है। योग दिवस को मिले भारी वैश्विक समर्थन के बाद यह तो तय हो गया है कि विश्व को सुख और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए भारत के दर्शन को विश्व के कई देश खुले रूप में स्वीकार करने लगे हैं। इससे पहले जो भारत विश्व के सामने अपना मुंह खोलने से कतराता था, आज वही भारत एक नए स्वरूप में विश्व के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। विश्व को भारत की विराट शक्ति का अहसास हो चुका है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं, तब से हमारे देश के बारे में वैश्विक दृष्टिकोण में गजब का बदलाव दिखाई दे रहा है। सवाल यह है कि क्या यह बदलाव नरेन्द्र मोदी को देखकर आया है, नहीं। इसका जवाब यह है कि भारत के पास पूर्व से ही ऐसी विराट शक्ति थी, जिसका भारत की पूर्व सरकारों को भारतीय जनता को बोध नहीं था। हर भारतवासी के अंदर शक्ति का संचय है, हम शक्ति को प्रदर्शित नहीं कर पा रहे थे, इतना ही नहीं हम यह भूल भी गए थे कि हमारे अंदर भी शक्ति है। नरेन्द्र मोदी ने जामवंत की भूमिका अपनाकर देशवासियों एवं अप्रवासी भारतीयों के मन में इस भाव को जाग्रत किया कि आप महाशक्ति हैं। जैसे ही नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के मेडीसन एस्क्वायर में भारतीय शक्ति का प्रस्फुटन किया, वैसे ही भारत के नागरिकों के अंदर गौरव का अहसास तो हुआ ही साथ ही विश्व के विकसित देश भारत को अपना समकक्ष मानने लगे। भारत के दर्शन में एक ठोस बात यह भी है कि भारत में हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया वाला भाव ही रहा है। जो भी देश भारत के इस दर्शन से तालमेल रखता हुआ दिखाई देता है, वह कभी दूसरे का अहित सोच भी नहीं सकता। जबकि विश्व के अनेक देश केवल स्वयं का ही हित सबसे ऊपर रखकर दूसरों के हितों पर चोट करते हैं। आतंक फैलाकर अपना वर्चस्व स्थापित करने वाला समाज मारकाट करने की मानसिकता के साथ जी रहा है। ऐसे लोगों का न तो कोई अपना है, और न ही कोई परिवार। कई मुस्लिम देशों के नागरिक आज मुसलमानों के ही दुश्मन बनकर मारकाट का खेल खेल रहे हैं। ऐसे लोगों से शांति का बातें करना भी बेमानी है। हमारी सलाह है कि ऐसे लोग भी योग की क्रियाएं अपनाकर शांति के मार्ग पर चल सकते हैं। योग जहां स्वस्थ मानविकता का निर्माण करने में सहायक है वहीं शांति स्थापना का उचित मार्ग है। सवाल यह आता है कि वर्तमान के मोहजाल में फंसे विश्व के अनेक देश आज किसी भी चीज में राहत नहीं देख रहा है। पैसे के पीछे भाग रहा पूरा विश्व तनाव भरा जीवन जी रहा है। इस तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है योग को अपनाना। जिसने अपने जीवन में योग को महत्व दिया है, वह इस तनाव से छुटकारा पाने में सफल रहा है।

विलुप्त होती कठपुतलियां...

- दीप्ति शर्मा अचल

कुछ धागों के इशारों पर नाचती हुई ये कठपुतलियां कभी रोमांच का पर्याय होती थीं ' जब मनोरंजन के साधन सीमित थे, तब नाटक, नुक्कड नाटक, कठपुतली, मंडली द्वारा नृत्य यही सब हमारा मनोरंजन करते थे ' और यकीन मानिये इनसे हमे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता था ' पर आज किसी को भी ये सब देखने की फुर्सत नहीं है ' सब कुछ चंद मिनिटों मे चाहता है आज का युवा और काफी हद तक हम भी, जो कि हमने मोबाइल द्वारा मिल जाता है ' जिस कारण ये कलाएँ अब विलुप्त होने की कगार पर हैं ' कठपुतली जो पूरी तरह लकड़ी से बनी होती है। हालाँकि यह लकड़ी, सूती कपड़े और धातु के तार से बनी होती है। राजस्थान के कुछ विद्वानों का मानना है कि कठपुतली कला परंपरा हजारों साल से भी ज्यादा पुरानी है। राजस्थानी लोक कथाओं, गाथाओं और कभी-कभी लोक गीतों में भी इसका संदर्भ मिलता है। इसी तरह की कठपुतलियाँ जो छड़ी वाली कठपुतलियाँ होती हैं, पश्चिम बंगाल में भी पाई जाती हैं। लेकिन यह वास्तव में राजस्थान की अद्भुत कठपुतली है जिसने भारत को अपनी पारंपरिक कठपुतली का आविष्कार करने वाले पहले देशों में से एक बनाया। राजस्थान की जनजातियाँ प्राचीन काल से इस कला का प्रदर्शन करती आ रही हैं और यह राजस्थानी संस्कृति, विविधता और परंपरा का एक शाश्वत हिस्सा बन गई है। राजस्थान में कोई भी गाँव का मेला, कोई धार्मिक त्योहार और कोई भी सामाजिक समारोह कठपुतली के बिना पूरा नहीं हो सकता। ऐसा माना जाता है कि लगभग १५०० साल पहले, आदिवासी राजस्थान भाट समुदाय ने कठपुतली का उपयोग स्ट्रिंग कठपुतली कला के रूप में शुरू किया था ' राजस्थानी राजा और कुलीन लोग कला और शिल्प के संरक्षक थे और उन्होंने कारीगरों को लकड़ी और संगमरमर की नक्काशी से लेकर बुनाई, मिट्टी के बर्तन, पेंटिंग और आभूषण बनाने तक की गतिविधियों में प्रोत्साहित किया। पिछले 500 वर्षों में, कठपुतली राजाओं और संपन्न परिवारों द्वारा समर्थित संरक्षण की एक प्रणाली थी। संरक्षक कलाकारों की देखभाल करते थे, बदले में कलाकार संरक्षकों के पूर्वजों की प्रशंसा गाते थे। भाट समुदाय का दावा है कि उनके पूर्वजों ने शाही परिवारों के लिए प्रदर्शन किया था, और राजस्थान के शासकों से उन्हें बहुत सम्मान और प्रतिष्ठा मिली थी। आज कठपुतली कला घूमर के बाद भारत के राजस्थान राज्य की सबसे लोकप्रिय प्रदर्शन कलाओं में से एक है। 1960 में विजयदान देथा और कोमल कोठारी द्वारा स्थापित जोधपुर में रूपायन संस्थान और 1952 में देवीलाल समर द्वारा स्थापित भारतीय लोक कला मंडल , उदयपुर जैसे संगठन कठपुतली की कला को संरक्षित और बढ़ावा देने के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, यहाँ तक कि बाद में एक कठपुतली थियेटर के साथ-साथ कठपुतली संग्रहालय भी है। आप भी इन कलाओं को बचाने की कोशिश करें और अपने बच्चों को ये जिवंत मनोरंजन के साधनों से परिचित करवाएं , ताकि वे काल्पनिक दुनिया से बाहर आकर जीवन का सच्चा आनंद ले सकें ।

आज का राशिफल

मेष आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं इससे व्यथित होकर साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है।

वृषभ दिन परिजनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार मिलेगा।

मिथुन उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा पूरी होगी।

कर्क आज अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

सिंह आज राजनीतिक क्षेत्र में अशातीत सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व पूर्ति होगी।

कन्या अगर नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे हैं तो आपको शानदार अवसर मिलेंगे।

तुला आज आय के नए स्रोत बनेंगे और किसी पुराने निवेश से अच्छा रिटर्न मिलेगा।

वृश्चिक आज आर्थिक पक्ष मजबूत होकर, धन, सम्मान, यश व कीर्ति की वृद्धि होगी।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा हो सकता है। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी।

कुंभ आज जीवन के स्तर में सुधार आने की संभावना है। आप पैसों की बचत करने में सक्षम होंगे।

मीन आज वैवाहिक जीवन आनंददायक बीतेगा। आज पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है।

विशेष

उत्तराधिकारियों की राजनीतिक मायावती अब जीरो पर खड़ी

लोकसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। केंद्र में लंगड़ी सरकार बन गई है। एनडीए और इंडिया गठबंधन में जो राजनीतिक दल शामिल है। उसमें अधिकांश दल परिवारवाद और उत्तराधिकार की समस्या से जूझ रहे हैं। भाजपा के दबाव में मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को घर बैठा दिया था। मायावती उत्तर प्रदेश में अब जीरो पर आकर खड़ी हो गई हैं। उन्हें अपनी और अपने उत्तराधिकारी की चिंता हो रही है। चंद्रबाबू नायडू का उत्तराधिकारी तय हो गया है। ममता बनर्जी ने अपने भतीजे को आगे बढ़ा दिया है। टीएमसी में उनकी स्वीकार्यता भी बन गई है। उड़ीसा बीजू जनता दल को उत्तराधिकारी की तलाश है। जनता दल यू के नीतीश कुमार की सेहत भी इन दिनों नरम गरम है। वहां पर भी उत्तराधिकारी की तलाश हो रही है। बिहार में चाचा पारस अलग-थलग पड़ गए हैं। भूपेंद्र कुशवाहा चुनाव हार गए हैं। बीआरएस के चंद्रशेखर राव इन दोनों बैक बैक फुट पर हैं। परिवारवाद वाली पार्टियों भाजपा में अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। ऐसी स्थिति में एनडीए गठबंधन और इंडिया गठबंधन में परिवारवादी पार्टी अपने-अपने हिसाब से पोजीशन लेने की कोशिश कर रही हैं। इसके परिणाम क्या होंगे। इसका पता आने वाले दिनों में जल्द ही लग जाएगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1945: द्वितीय विश्व युद्ध जापानी 'फौजों ने ओकिनाव द्वीप पर अमरीकियों के समक्ष हथियार डाल दिया. 1948: सी.रोजगोपालाचार्य भारत के गर्वनर जनरल नियुक्त किए गए. 1963: फ्रांस ने नाटो अटलांटिक नौसैनिक बल से अपने बेड़े को हटा लिया. 1970: वियतनाम संघर्ष कंबोडिया तक फैलने के बाद वियतनाम युद्ध कई मोर्चों पर भड़क उठा. 1977: अंतर्राष्ट्रीय न्?यायालय ने दक्षिण, पश्चिम अफ्रीका पर दक्षिण अफ्रीकी प्रशासन को वैध ठहराया. 1990: उत्तरी ईरान में भूकंप से एक लाख से अधिक लोग मारे गए. 1997: पी.वी.नरसिम्हाराव (कांग्रेस-ई) भारत के 9वें प्रधानमंत्री बने. 1996 मद्रास के प्रधान सत्र न्यायाधीश ने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की संपत्ति जांच का निर्देश दिया. 1997: मेक्सिको में नौ राष्ट्रपतियों को समर्थन देने वाले श्रमिक नेता फिदेक वोलाजक्वेन का निधन हुआ था.

दैनिक पंचांग

21 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	04.50 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कर्क	07.07 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.23 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.35 बजे से
गुरु	वृष में	तुला	13.46 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	16.00 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	18.16 बजे से
राहु	मीन में	मकर	20.22 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	22.08 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	मीन	23.41 बजे से
		मेष	01.11 बजे से
		वृष	02.51 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 173 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 07.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 18.19 बजे को समाप्त।
योग शुभ 18.42 बजे को समाप्त।
करण वणिज 07.32 बजे तदनन्तर विष्टि 19.09 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872017
जूलियन दिन 2460482.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445 महीना जिल्हेज
तारीख 14 विशेष वट पूर्णिमा व्रत, साल का सबसे बड़ा दिन, अंतर्राष्ट्रीय योग एवं संगीत दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

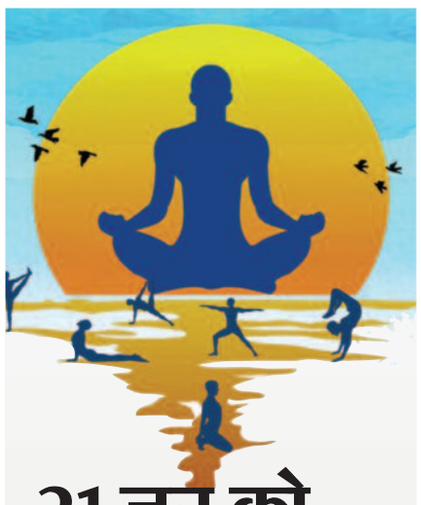

21 जून को ही क्यों मनाते हैं योग दिवस

योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से सेहत को कई सारे फायदे मिलते हैं। योग से होने वाले इन्हीं फायदों के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाता है।

योग हमारी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि लोग इसे लगातार अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। इसे करने से केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक तौर पर भी कई सारे फायदे पहुंचते हैं। योग की इसी अहमियत को देखते हुए हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय विश्व योग दिवस मनाया जाता है। यह दिन खासतौर पर योग से होने वाले कई लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से मनाया जाता है। योग एक प्राचीन अभ्यास है, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई और इसने अपने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों के लिए दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल की है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तारीख

हर साल 21 जून को दुनिया भर के लोग अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन का लक्ष्य योग के कई लाभों के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाना है और शारीरिक- मानसिक स्वास्थ्य के लिए दुनिया भर के योग चिकित्सकों को प्रेरित करना है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का इतिहास

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत साल 2015 से हुई थी। दरअसल, साल 2014 के सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में अपने संबोधन के दौरान योग दिवस का विचार प्रस्तावित किया था। इसके बाद 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने पर सहमति व्यक्त की, जिसके बाद 21 जून, 2015 को पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

21 जून को ही क्यों मनाते हैं योग दिवस?

योग दिवस मनाने के लिए 21 जून का दिन इसलिए तय किया गया, क्योंकि पंचांग के मुताबिक 21 जून को उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है। इसे ग्रीष्म संक्रांति कहते हैं, जिसके बाद सूर्य दक्षिणायन होता है। सूर्य के दक्षिणायन होने पर इसका तेज कम हो जाता है, जिससे वातावरण अशुद्ध हो जाता है, कीटाणु उत्पन्न होते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में आध्यात्मिक सिद्धियों को प्राप्त करने और तन-मन को स्वस्थ रखने के लिए 21 जून का दिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए चुना गया है।

एक दूसरे के पूरक हैं योग और अध्यात्म

भारत ने योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है और योग के माध्यम से सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया है।जब योग की बात आती है तो अध्यात्मिक दर्शन भी इससे अछूता नहीं रहता। हालांकि अध्यात्म और योग दो अलग-अलग विषय हैं, लेकिन दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

विश्व योग दिवस हर साल 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य योग के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और दुनिया भर में इसके अभ्यास को बढ़ावा देना है। भारत योग में विश्व में अग्रणी है। भारत ने योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है और योग के माध्यम से सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया है।जब योग की बात आती है तो अध्यात्मिक दर्शन भी इससे अछूता नहीं रहता। हालांकि अध्यात्म और योग दो अलग-अलग विषय हैं, लेकिन दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। वस्तुतः योग के निरंतर अभ्यास से ही अध्यात्म की राह दिखाना संभव है। माना जाता है कि योग का अर्थ भागीदारी है, लेकिन आध्यात्मिक रूप से यह स्वयं को देखने और आत्मनिरीक्षण के माध्यम से स्वयं के साथ संवाद करने की एक प्रक्रिया है। जहां बाकी दुनिया के लिए योग एक स्वास्थ्य उपचार हो सकता है, वहीं भारत में इसे खुद से जुड़ने की प्रक्रिया के रूप में जाना जाता है। ऐसी गतिविधियां जो लोगों को अपने अंदर देखने की अनुमति देती हैं। भारतीय आध्यात्मिक दर्शन का योग से गहरा संबंध है। यह पारंपरिक योग अभ्यास, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई, दुनिया भर में अपनाया जाता है। चलिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जानते हैं योग और अध्यात्म एक दूसरे के पूरक कैसे हैं।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से है योग साधना का सम्बन्ध

योग स्वस्थ शरीर, मन और बुद्धि को बनाए रखकर सच्चे आत्म यानि स्वयं को प्राप्त करने का एक तरीका है। योग के माध्यम से हम अपनी चेतना की उच्चतम अवस्था से जुड़कर जीवन जीते हैं। ऐसा जीवन पूर्णता से परिपूर्ण होता है। इसी कारण से योग और अध्यात्म को एक दूसरे का पूरक माना जाता है। योग के निरंतर अभ्यास से ही आध्यात्मिक मार्गदर्शन संभव है।

योग और भगवदगीता

भगवद गीता के सभी 18 अध्यायों का नाम योग के एक रूप पर रखा गया है।

- अर्जुनविष्य योग
- सांख्य योग
- कर्म योग
- ज्ञान कर्म संन्यास योग
- कर्मसंन्यास योग
- आत्म नियंत्रण योग
- ज्ञान विज्ञान योग
- अक्षर ब्रह्म योग
- राजविद्या राजज्ञ योग
- विभूति योग
- विश्व रूप दर्शन योग
- भक्ति योग
- क्षेत्र क्षेत्रज्ञ विभाग योग
- गुणत्रयविभागयोग
- पुरुषोत्तमयोग
- दैवासुरसम्पद्विभाग योग
- श्रद्धात्रयविभागयोग
- मोक्षसंन्यासयोग

प्रत्येक अध्याय में योग, धर्मनिरपेक्ष जीवन और आध्यात्मिकता से संबंधित विषयों को शामिल किया गया है और दिखाया गया है कि यदि योग को आध्यात्मिकता से अलग कर दिया जाता तो योग का अस्तित्व ही नहीं है। दूसरे शब्दों में, यदि योग हमारा शरीर है, तो हमारी आध्यात्मिकता इसका मस्तिष्क है। जिस प्रकार मस्तिष्क के बिना शरीर बेकार है, उसी प्रकार अध्यात्म के बिना योग बेकार है। जब तक योग आध्यात्मिकता के साथ जुड़ा है , तब तक यह न केवल शरीर और मन को स्वस्थ रखता है, बल्कि मुक्ति का मार्ग भी दिखाता है।

योग का इतिहास कितना प्राचीन?

इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत योग का जनक है, लेकिन फिर भी यह प्रश्न सबके मन में कौंधता है कि आखिर योग कब अस्तित्व में आया? दरअसल, योग का इतिहास बहुत पुराना है, उतना ही पुराना जितना कि ब्रह्मांड। ऐसा कहा जाता है कि आदियोगी भगवान शिव ने सप्तऋषि को योग सिखाया था और उन्होंने ही योग को पूरी सृष्टि में फैलाया। भगवान के विभिन्न अवतारों, विशेषकर भगवान श्रीकृष्ण, जिन्हें योगेश्वर, योगी, भगवान महावीर, भगवान बुद्ध आदि के नाम से भी जाना जाता है, जिन्होंने अपने-अपने तरीके से इसका विस्तार किया है। लेकिन वर्तमान समय में हम जिस योग को जानते हैं , इसकी उत्पत्ति लगभग 200 ईसा पूर्व हुई थी। महर्षि पतंजलि ने इसे योग सूत्र नामक पुस्तक में व्यवस्थित रूप दिया और बाद में सिद्ध, शैव, नाथ, वैष्णव और शाक्त जैसे संप्रदायों द्वारा इसका विस्तार किया गया। योग से जुड़े मंत्र ऋग्वेद, ऋग्संहिता आदि ग्रंथों में भी पाए जाते हैं।

पश्चिमी देशों में आध्यात्मिक पहलुओं की ओर रुझान

आज योग और अध्यात्म दो श्रेणियों में बंटे हुए हैं। योग और अध्यात्म के बारे में पूरी जानकारी आज भी कम ही लोगों को है। आजकल, अधिक से अधिक लोग योग के बारे में जानते हैं लेकिन इसे आध्यात्मिकता से नहीं जोड़ पाते हैं, या ऐसे लोग भी हैं जो आध्यात्मिकता से जुड़ते हैं लेकिन योग के भौतिक पहलुओं को पूरी तरह से नहीं समझते हैं। हालाँकि, योग गुरुओं के प्रयासों और जागरूकता के कारण, पश्चिमी देशों में योग के आध्यात्मिक पहलुओं पर जोर देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। योग के साथ-साथ आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करके ही व्यक्ति इसके सही अर्थ को समझ सकता है और अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। योग से ही आंतरिक शांति प्राप्त की जा सकती है। जो व्यक्ति योग का ज्ञान प्राप्त कर लेता है लेकिन उसका आध्यात्मिक रूप नहीं समझता है तो वे योग मूल स्वरुप से भटक सकता है। आसन का अभ्यास आपके शरीर को स्वस्थ और लचीला बना सकता है, लेकिन इससे हर व्यक्ति योगी नहीं बनता। इसलिए योग में आध्यात्मिकता का समावेश करना बहुत जरूरी है।

योग शिक्षा का महत्व

योग एक मानस शास्त्र है जिसमें मन को संयत करना और पाशविक वृत्तियों से खींचना सिखाया जाता है। जीवन की सफलता, किसी भी क्षेत्र में संयत मन पर भी निर्भर करती है। मन:संयम का अभिप्राय है किसी एक समय में किसी एक ही वस्तु पर चित्त का एकाग्र होना। दीर्घकाल तक अभ्यास करने से मन का ऐसा स्वभाव बन जाता है। किसी विषय को सोचते या किसी काम को करते हुए मन उस पर एकाग्र रहे, ऐसा अभ्यास करना आरंभ में तो बड़ा कठिन होता है, पर जब अभ्यास करते-करते वैसा स्वभाव बन जाता है, तब उससे बड़ा सुख होता है।

बहुत से विद्यार्थी जो प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में फेल हुआ करते हैं, इसका कारण यही है कि अध्ययन में मन को एकाग्र करने की शक्ति ही उनमें नहीं होती। यही बात सांसारिक विषयों में होने वाली विफलताओं की है। जब तक मनुष्य अपने विचारणीय विषय या करणीय कार्य में तन्मय नहीं होता, तब तक उसे उसमें सफलता मिल ही नहीं सकती। मन के इस विशिष्ट धर्म से योगशास्त्र के प्रणेता ने धार्मिक क्षेत्र में भी काम लिया है। योग स्वयं कोई धर्म संप्रदाय या धर्मविषयक तत्वज्ञान नहीं है, प्रत्युत यह संसार के सभी धर्मों और तत्वज्ञानों का सहायक है। इसे किसी धार्मिक सिद्धांत का प्रचार नहीं करना है। संसार के सभी धर्म वालों को इसके द्वारा यह शिक्षा मिलती है कि किस प्रकार अपनी-अपनी धर्मविषयक बातों में मन को एकाग्र करने से शांति और आनंद प्राप्त होता है।

पातंजल योग सूत्रों में जिस विषय का मुख्यतया प्रतिपादन किया गया है, वह है 'चित्तवृत्तिनिरोध' अर्थात अन्य विषयों से चित्त को खींचकर एक ही विषय में एकाग्र करना। मन को एकाग्र करने की शक्ति निरंतर अभ्यास और सांसारिक भोगों से मुंह मोड़ने से प्राप्त होती है। सूत्र 23 और 39 में पतंजलि मुनि कहते हैं कि ईश्वर-प्रणिधान से अथवा जिस विषय में अपनी रुचि हो, उसी पर ध्यान जमाने से (यथाभिमतध्यानाद्वा) चित्त को स्थिर करने की शक्ति प्राप्त होती है। ईश्वर का इस रूप में ध्यान किया जा सकता है कि वह सर्वज्ञ सर्वशक्तिमान सर्वव्यापी सगुण परमेश्वर हैं अथवा इस रूप में भी ध्यान किया जा सकता है कि वह निर्गुण-निरंजन परब्रह्म हैं जिनमें प्रेम, द्वेष, दया, सृष्टि, स्थिति, संहार आदि कोई गुण नहीं हैं। योगदर्शन ईश्वर के विषय में इतना ही कहता है कि वह कोई ऐसे 'पुरुष हैं, क्लेश, कर्म, विपाक और आशय से नित्यमुक्त हैं' (योसू. 124)। ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए कोई यज्ञ-याग या तप-अनुष्ठान योगसूत्रों में नहीं बताया गया है। यदि कोई धर्म-संप्रदाय अपने अनुयायियों को ऐसी कोई बात बतलाता है तो योगसूत्रों में उसका कोई विरोध भी नहीं है, पर योगसूत्र यह अवश्य कहते हैं कि तुम जो कुछ करो, उसे सच्चे हृदय और तन्मय होकर करो मेरे विचार में योगसूत्र तथा अद्वैतप्रतिपादक उपनिषद् ही ऐसे ग्रंथ हैं जिनमें कोई सांप्रदायिकपन नहीं है। योग शिक्षा से अर्थकरी विद्या के अध्ययन में, कृषि और उद्योग-धंधों में, सामरिक शिक्षा में, युद्ध, व्यापार और राज्य शासन में भी काम लिया जाए तो इन क्षेत्रों में भी सफलता निश्चित है। यही तो बात है जिससे रोग मन को हर लेता है। इसमें संदेह नहीं कि योगसूत्रों में जो लक्ष्य सामने रखा गया है, वह दृष्टा का अर्थात आत्मा का अपने स्वरूप में अवस्थान है। इसका यह मतलब है कि योगसूत्रों के सिद्धांतों का निरंतर आचरण करने से चित्त सांसारिक भोगों से विरत होकर निज स्वरूप में स्थिर हो जाता है। चितवृत्तियों का यह निरोध किसी भी धर्म-संप्रदाय की शिक्षा के प्रतिकूल नहीं है। ऐसा स्वरूपावस्थान सांख्य और अद्वैत सिद्धांत का तो प्रतिपाद्य ही है। सगुण ईश्वर को मानने वाले संप्रदायों में भी कोई न कोई महान लक्ष्य सामने रहता ही है। 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन रहता है', यह सिद्धांत सर्वमान्य है। लौकिक और पारलौकिक दोनों ही प्रकारों के प्रयासों की सफलता के लिए स्वस्थ शरीर इसीलिए आवश्यक है। योग शिक्षा में आहार-विहार के नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। श्रीमद् भगवद्गीता में स्पष्ट ही कहा है कि जो 'युक्ताहारविहार' नहीं हैं, उन्हें जीवन में कोई सफलता नहीं मिल सकती।

विश्व योग दिवस पर कर सकते हैं ये सरल आसन

विश्व योग दिवस के अवसर पर जानिए ऐसे सरल योगासन जिन्हें करने से हर तरह के शारीरिक रोग और मानसिक रोग में लाभ मिलता है। यदि आपको शरीर में किसी भी प्रकार की कोई गंभीर समस्या नहीं है तो आप इन आसनों को आजमा सकते हैं।

पादहस्तासन (खड़े होकर) - यह आसन खड़े होकर किया जाता है। इसमें हम दोनों हाथों से अपने पैर के अँगूठे या टखने को पकड़कर सिर को घुटनों से टिका देते हैं। पहले कंधे और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएँ। फिर दोनों हाथों को धीरे-धीरे ऊपर उठाया जाता है। हाथों को कंधे की सीध में लाकर थोड़ा-थोड़ा कंधों को आगे की ओर प्रेस करते हुए फिर हाथों को सिर के ऊपर तक उठाया जाता है। ध्यान रखें की कंधे कानों से सटे हुए हों।

त्रिकोणासन (खड़े होकर) - त्रिकोण या त्रिभुज की तरह। यह आसन खड़े होकर किया जाता है। सबसे पले सावधान की मुद्रा में सीधे खड़े हो जाएं। अब एक पैर उठाकर दूसरे से डेढ़ फुट के फासले पर समानांतर ही रखें। मतलब आगे या पीछे नहीं रखना है। अब श्वास भरें। फिर दोनों बाजुओं को कंधे की सीध में लाएं। अब धीरे-धीरे कमर से आगे झुके। फिर श्वास बाहर निकालें। अब दाएं हाथ से बाएं पैर को स्पर्श करें। बाईं हथेली को आकाश की ओर रखें और बाजू सीधी रखें। इस दौरान बाईं हथेली की ओर देखें। इस अवस्था में दो या तीन सेकंड रुकने के दौरान श्वास को भी रोककर रखें। अब श्वास छोड़ते हुए धीरे धीरे शरीर को सीधा करें। फिर श्वास भरते हुए पहले वाली स्थिति में खड़े हो जाएं। इसी तरह श्वास निकालते हुए कमर से आगे झुके। अब बाएं हाथ से दाएं पैर को स्पर्श करें और दाईं हथेली आकाश की ओर कर दें। आकाश की ओर की गई हथेली को देखें। दो या तीन सेकंड रुकने के दौरान श्वास को भी रोककर रखें। अब श्वास छोड़ते हुए धीरे धीरे शरीर को सीधा करें। फिर श्वास भरते हुए पहले वाली स्थिति में खड़े हो जाएं। यह पूरा एक चरण होगा। इसी तरह कम से कम पांच बार इस आसन का अभ्यास करें।

उष्ट्रासन (बैठकर) - ऊंट के समान दिखाई देने के कारण उष्ट्रासन। वज्रासन की स्थिति में बैठने के बाद घुटनों के ऊपर खड़े होकर पगथलियों के ऊपर एक-एक कर क्रम से हथेलियां रखते हुए गर्दन को ढीला छोड़ देते हैं और पेट को आसमान की ओर उठाते हैं। ये उष्ट्रासन है।

भुजंगासन (लेटकर) - भुंजग अर्थात सर्प के समान। पेट के बल लेटने के बाद हाथ को कोहनियों से मोड़ते हुए लाएं और हथेलियों को बाजूओं के नीचे रख दें। अब हथेलियों पर दबाव बनाते हुए सिर को आकार की ओर उठाएं। यह भुजंगासन है।

शवासन (लेटकर) - शवासन को करना सभी जानते हैं। यह संपूर्ण शरीर के शिथिलीकरण का अभ्यास है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं। समस्त अंग और मांसपेशियों को एकदम ढीला छोड़ दें। चेहरे का तनाव हटा दें। कहीं भी अकड़न या तनाव न रखें। अब धीरे-धीरे गहरी और लंबी श्वास लें। महसूस करें की गहरी नींद आ रही है। इसका अभ्यास प्रतिदिन 10 मिनट तक करें।

ताड़ासन (खड़े होकर) - इससे शरीर की स्थिति ताड़ के पेड़ के समान हो जाती है, इसीलिए इसे ताड़ासन कहते हैं। ताड़ासन और वृक्षासन में फर्क होता है। यह आसन खड़े होकर किया जाता है। पंजे के बल खड़े रहकर दोनों होथों को उपर ले जाकर फिर फिंगर लॉक लगाकर हाथों के पंजों को ऊपर की ओर मोड़ दें और अर्थात हथेलियां आसमान की ओर रहें। गर्दन सीधी रखें। यह ताड़ासन है।

भुजंगासन (पेट के बल लेटकर) - भुंजग अर्थात सर्प के समान। पेट के बल लेटने के बाद हाथ को कोहनियों से मोड़ते हुए लाएं और हथेलियों को बाजूओं के नीचे रख दें। अब हथेलियों पर दबाव बनाते हुए सिर को आकार की ओर उठाएं। यह भुजंगासन है।

शयन पाद संचालन (पीठ के बल लेटकर) - लेटी हुई अवस्था में पैरों का संचालन करना ही शयन पाद संचालन आसन है। यह ठीक उसी तरह है जबकि कोई बच्चा लेटे-लेटे साइकल चला रहा हो। यह आसन दो तरह से किया जा सकता है। पहला तरीका बहुत ही साधारण है और दूसरा तरीका स्टेप बाई स्टेप है। पीठ के बल भूमि पर लेट जाएं। हाथ जंघाओं के पास। पैर मिले हुए। अब धीरे से पैर और हाथ एकसाथ उठाकर हाथ-पैरों से साइकल चलाने का अभ्यास करें। थक जाएं तो कुछ देर शवासन में विश्राम करके पुन- अपनी सुविधा अनुसार यह प्रक्रिया करें।

नौकासन (पेट और पीठ के बल लेटकर) - नियमित रूप से यह आसन न सिर्फ पेट की चर्बी कम करने में मददगार है बल्कि शरीर को लचीला बनाने से लेकर पाचन संबंधी समस्याओं में यह काफी फायदेमंद साबित हुआ है। यह आसन पेट के बल और पीठ के बल लेटकर किया जाता है। पीठ के बल लेटकर किए जाने वाले आसन को विपरीत नौकासन कहते हैं। यह दोनों ही आसन करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

5 टुकड़ों में बंटेगा सफायर फूड्स इंडिया का स्टॉक, शेयर खरीदने की मची लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड के शेयर आज फोकस में हैं। कंपनी के शेयर 7 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 1672.75 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक खबर है। दरअसल, केएफसी और पिज्जा हट ऑपरेटर सफायर फूड्स ने 1:5 के रेशियो में स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। यानी 1 शेयर को 5 शेयरों में विभाजित किया जाएगा।

कंपनी का कारोबार- सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड ने एक्सचेंजों पर अपनी विज्ञप्ति में कहा कि बुधवार 19 जून, 2024 को अपनी बैठक में अन्य बातों के अलावा कंपनी ने 1:5 के रेशियो में स्टॉक स्प्लिट को लेकर चर्चा की और मंजूरी दे दी। यह कंपनी की आगामी 15वीं वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अप्रूवल के अधीन है। कंपनी ने यह भी कहा कि कंपनी की 15वीं सालाना आम बैठक की तारीख और कंपनी के मौजूदा इक्विटी शेयरों के उपविभाजन/विभाजन के उद्देश्य से रिकॉर्ड तिथि, उचित समय और उचित समय पर सूचित की जाएगी। सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड देश में केएफसी और पिज्जा हट आउटलेट्स का ऑपरेटर है। यह भारत के साथ-साथ श्रीलंका और मालदीव में वायूएम का फ्रेंचाइजी ऑपरेटर भी है।

बता दें कि आज सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड के शेयर 1619.95 पर खुले, यह पिछले बंद से 4 प्रतिशत अधिक है, बीएसई पर 1672.75 के स्तर तक बढ़ गया, जो 7 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दिखाता है। सफायर फूड्स के शेयर की कीमत लगातार बढ़ रही है और पिछले एक महीने में यह 15 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। बुधवार को कंपनी के शेयर की कीमत दिन के अंत तक 43.50 की बढ़त के साथ 2.57 प्रतिशत बढ़कर 1557.50 प्रति शेयर पर पहुंच गई थी। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 1,699.95 रुपये है और 52 वीक का लो प्राइस 1,218.50 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 10,305.99 करोड़ रुपये है।

60 पर जाएगा विंड टरबाइन निर्माता सुजलॉन एनर्जी का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। विंड टरबाइन निर्माता सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयरों में आज 5 प्रतिशत की तेजी देखी गई और यह शेयर 51.34 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी ब्लॉक डील है। दरअसल, गुरुवार को हुई

ब्लॉक डील में सुजलॉन एनर्जी के 3.7 करोड़ शेयरों का लेनदेन हुआ। कारोबार किए गए शेयरों की संख्या कंपनी की कुल इक्विटी का 0.3 प्रतिशत है। सुजलॉन की ब्लॉक डील का कुल ट्रांजैक्शन वैल्यू 179 करोड़ था।

सुजलॉन के शेयरों में लगातार तीन महीने से तेजी आई है। मई में 15 प्रतिशत और अप्रैल में 3 प्रतिशत की बढ़त के बाद जून में स्टॉक 6.5 प्रतिशत ऊपर है। फरवरी और मार्च में सुधार होने से पहले जनवरी में स्टॉक 20 प्रतिशत बढ़ गया था। 2024 में अब तक स्टॉक 33 प्रतिशत ऊपर है। अगर सुजलॉन साल के अंत तक इसे हासिल करने में कामयाब हो जाता है।

टॉयलेट साफ किया, वेटर बने और अब दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी के मालिक

नईदिल्ली, एजेंसी। एनवीडिया के मालिक जेनसेन हुआंग कभी टॉयलेट साफ करने और लोगों के कपड़े धोने का भी काम करते थे और आज उन्होंने इसे दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बना डाला। एआई और सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एनवीडिया ने माइक्रोसॉफ्ट को पछाड़ कर यह मुकाम हासिल किया है। बीते मंगलवार को एनवीडिया के शेयरों में 3.5 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया, जिससे कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 278 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में 174 फीसदी का उछाल आया है। इससे पहले एनवीडिया ने इसी महीने पांच जून को आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल को पीछे छोड़कर दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का खिताब अपने नाम किया था।

सीईओ 12वें सबसे अमीर शख्स बने

एनवीडिया की इस कामयाबी का जोरदार फायदा कंपनी के संस्थापक और सीईओ जेनसन हुआंग को भी हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार, एनवीडियो के शेयरों में तेजी के कारण जेनसन दुनिया के 12वें सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। इनकी कुल संपत्ति बढ़कर 119 अरब डॉलर तक पहुंच गई है।

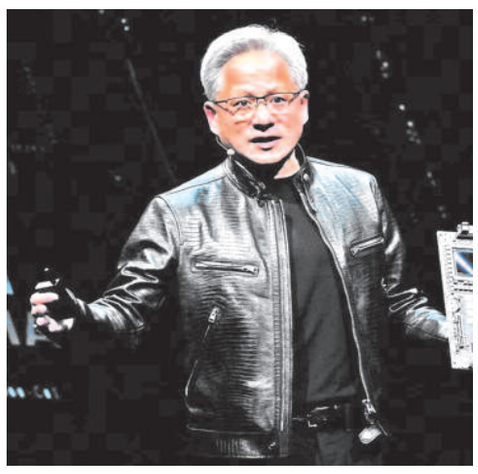

दुनिया में एआई चिप बिक्री में 70 फीसदी हिस्सेदारी

हाल के वर्षों में पूरी दुनिया में एआई चिप की बिक्री बढ़ी है। इनकी 70 फीसदी हिस्सेदारी एनवीडिया की है। अब एनवीडिया दुनिया की सबसे आधुनिक एआई चिप बनाने में जुटा है। हाल ही में जेनसन हुआंग ने कहा था कि एनवीडिया 2026 में सबसे आधुनिक एआई चिप प्लेटफॉर्म रुबिन लॉन्च करेगी। यह ब्लैकवेल की जगह लेगी। ब्लैकवेल को मार्च में लॉन्च किया गया था, जिसे दुनिया का सबसे ताकतवर चिप बताया गया था।

30 की उम्र में एनवीडिया की नींव रखी थी

जेनसन हुआंग के मुताबिक एक ऑफिस में काम करने के दौरान उन्होंने चिप के बारे में बहुत कुछ सीखा था। फिर दोस्तों-क्रिस मैलाचोव्स्की और कर्टिस प्रीम के साथ मिलकर 30 साल की उम्र में एनवीडियो की नींव रखी। 1993 में कंपनी की शुरुआत एक रेस्टोरेंट में की गई थी। इन तीनों ने मिलकर सबसे पहले ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट बनाई। सुबह 6 बजे से पूरी रात काम करते थे। कुछ समय बाद कंपनी दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गई, लेकिन उन्होंने कंपनी को संभाला और आज उसे दुनिया की सबसे बड़ी पूंजी वाली कंपनी भी बनाई।

रिलायंस और टाटा समूह से समझौता

दुनिया की सबसे बड़ी चिप कंपनी एनवीडिया ने पिछले साल सितंबर में दो बड़े भारतीय कारोबारी समूहों के साथ साझेदारी का ऐलान किया था। इसमें रिलायंस इंडस्ट्री और टाटा समूह शामिल हैं। यह साझेदारी सिर्फ न सिर्फ भारत में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाने की दिशा में अहम कदम है, बल्कि इससे देश के तकनीकी दक्षता को और निखारने में मदद मिलेगी। टाटा समूह के साथ मिलकर कंपनी एआई आधारित प्लेटफॉर्म विकसित करेगी। साथ ही दोनों कंपनी मिलकर एआई सुपरकंप्यूटर बनाएंगी। एनवीडिया के भारत में चार इंजीनियरिंग डेवलपमेंट केंद्र हैं। ये केंद्र- हैदराबाद, पुणे, गुरुग्राम और बेंगलुरु में हैं।

संघर्ष भरा रहा जीवन

1963 में ताइवान में जन्मे जेनसन हुआंग का बचपन मुश्किलों से भरा था। 1973 में माता-पिता ने उन्हें अपने रिश्तेदार के पास अमेरिका भेजा। उन्होंने ओरगन यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल ब्रांच से बीटेक किया। फिर 1992 में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से मास्टर की डिग्री ली। जेनसेन अपनी पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए वेटर की नौकरी करते थे। उन्होंने टॉयलेट साफ करने और लोगों के कपड़े धोने का भी काम किया। स्टैंडफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस के एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया था कि कोई काम छोटा नहीं है। मैंने अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए बर्तन भी धोया है। उन्होंने बताया था कि वह कुछ महीने तक डेनी रेस्टोरेंट में वेटर का काम किया था।

हॉस्पिटैलिटी: 10 लाख नौकरी मिलने की उम्मीद

उद्योग में प्रतिभा की मांग और आपूर्ति में 55-60 फीसदी का अंतर

नईदिल्ली, एजेंसी। हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में कुछ वर्षों में लगभग 10 लाख नौकरियां बढ़ने की उम्मीद है। कोरोना के बाद उबरे इस क्षेत्र को प्रतिभाओं की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। रैंडस्टैड इंडिया के निदेशक संजय शेट्टी ने कहा, उद्योग में प्रतिभा की मांग और आपूर्ति का अंतर 55-60 फीसदी है।

शेट्टी ने कहा, महामारी के बाद नौकरियों में उछाल के कारण प्रतिभा की मांग में कमी देखने को मिली है। यह रफ्तार अगले कुछ वर्षों तक जारी रह सकती है। इस वजह से कम से कम 10 लाख नौकरियां पैदा होंगी। हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, कुछ कंपनियां मौजूदा प्रतिभा को निखार रही हैं। मांग को पूरा करने के लिए अन्य उद्योगों से भर्ती भी कर रही हैं। इस वजह से अन्य क्षेत्रों ने प्रतिस्पर्धी वेतन, लाभ और करियर विकास की पेशकश कर प्रतिभाओं को आकर्षित करने के प्रयास तेज किए हैं।

2023 में 1.11 करोड़ लोगों को मिला रोजगार

टीमलीज डिग्री अप्रेंटिसशिप के उपाध्यक्ष धृति प्रसन्ना महंत ने कहा, अनुमान है कि 2023 के दौरान पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी उद्योग ने लगभग 1.11 करोड़ लोगों को रोजगार दिया है। उद्योग में 2024 तक 1.18 करोड़ लोगों की जरूरत हो सकती है। यह मांग 2028 तक 16.5 फीसदी की वार्षिक वृद्धि के साथ बढ़कर 1.48 करोड़ पहुंच सकती है।

खाद्य वस्तुओं पर घरेलू खर्च घटा, प्रसंस्कृत भोजन की खपत बढ़ी; एनएसएसओ के सर्वे में चौकाने वाले दावे

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) ने घरेलू उपभोग व्यय पर सर्वेक्षण किया है। इसके अनुसार उपभोक्ताओं द्वारा खर्च करने के पैटर्न में एक महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खाने-पीने पर खर्च में काफी गिरावट आई है।

सर्वेक्षण की खास बातें- 2022-23 में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग खर्च (एमपीसीई) में खाद्य पदार्थों का योगदान ग्रामीण क्षेत्रों में 46 प्रतिशत हो गया है। 2011-12 के दौरान यह 53 प्रतिशत था। उधर शहरी क्षेत्रों में एमपीसीई में खाद्य पदार्थों का योगदान घटकर 39 प्रतिशत हो गया है। 2011-12 के यह 43 प्रतिशत था।

इसी तरह, 2022-23 में एमपीसीई में गैर-खाद्य वस्तुओं की खपत ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़कर 54 प्रतिशत हो गई है। 2011-12 के दौरान यह 47 प्रतिशत था। उधर शहरी क्षेत्रों में भी एमपीसीई में गैर-खाद्य वस्तुओं की खपत बढ़कर 61 प्रतिशत हो गई है। 2011-12 के दौरान यह 57 प्रतिशत थी।

सऊदी अरब के किंग की सैलरी है सबसे ज्यादा

उन्हें सालाना 9.6 अरब डॉलर सैलरी मिलती है

नईदिल्ली, एजेंसी। खाड़ी देशों ने अपने ऑयल रिजर्व के दम पर खासी प्रगति की है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी ये देश काफी आगे निकल चुके हैं। दुनिया में सालाना सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले राष्ट्राध्यक्षों की लिस्ट में टॉप तीन पर इन्हीं देशों के हेड ऑफ स्टेट हैं। दिलचस्प बात है कि दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका के राष्ट्रपति की सैलरी इन देशों के मुकाबले बहुत कम है। वहीं चीन के राष्ट्रपति की सैलरी भारत के प्रधानमंत्री के मुकाबले काफी कम है। आर्थिक बदहाली से जूझ रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और अर्जेंटीना तथा वेनेजुएला के राष्ट्रपतियों की सैलरी भी चीन के राष्ट्रपति से ज्यादा है। जानिए दुनिया के किस देश के हेड ऑफ स्टेट को मिलती है सबसे ज्यादा सैलरी

- **अमेरिका के राष्ट्रपति की सैलरी 4 लाख डॉलर है**
- **चीनी राष्ट्रपति की सैलरी पाकिस्तानी पीएम से कम**

दुनिया में सालाना सबसे ज्यादा सैलरी सऊदी अरब के किंग को मिलती है। उनकी सैलरी 9.6 अरब डॉलर है। यूएई के हेड ऑफ स्टेट दूसरे नंबर पर है। उनकी सालाना सैलरी 4.61 अरब डॉलर है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर कुवैत है जहां के राष्ट्राध्यक्ष को सालाना 16.5 करोड़ डॉलर मिलते हैं। मोनाको के हेड ऑफ स्टेट की सालाना सैलरी 5.2 करोड़ डॉलर है। इसके बाद नॉर्वे (3.3 करोड़ डॉलर), स्वीडन (1.6 करोड़ डॉलर), डेनमार्क (1.1 करोड़ डॉलर), नीदरलैंड (60 लाख डॉलर) और जापान (30 लाख डॉलर) का नंबर है। यूरोपीय देश स्विट्जरलैंड में हेड ऑफ स्टेट को 507 हजार डॉलर और आयरलैंड के राष्ट्राध्यक्ष को 401 हजार डॉलर मिलते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति को दुनिया में सबसे शक्तिशाली माना जाता है लेकिन उसकी सालाना सैलरी 400 हजार डॉलर है।

मोदी की सैलरी

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया (378 हजार डॉलर), स्पेन (304 हजार डॉलर), कनाडा (290 हजार डॉलर), इटली (275 हजार डॉलर), जर्मनी (268 हजार डॉलर), साउथ कोरिया (211 हजार डॉलर), तुर्की (197 हजार डॉलर), फ्रांस (194 हजार डॉलर), चेक (149 हजार डॉलर), फिनलैंड (141 हजार डॉलर) और ब्राजील (102 हजार डॉलर) है। विश्व जनसंख्या समीक्षा के मुताबिक भारत के प्रधानमंत्री को सालाना 84 हजार डॉलर यानी करीब 70,07,931 रुपये मिलते हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की सालाना सैलरी 65 हजार डॉलर है जबकि चीन के राष्ट्रपति को साल में 22 हजार डॉलर की सैलरी मिलती है। इसी तरह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री की सालाना सैलरी 17 हजार डॉलर और श्रीलंका के राष्ट्रपति की सैलरी सात हजार डॉलर है।

चीन अब नहीं रहा दुनिया का सबसे एमर्जिंग मार्केट बोरोअर

- **12 साल से चली आ रही बादशाहत को सऊदी अरब ने तोड़ा**
- **इस साल सऊदी अरब ने बेचे 33.2 अरब डॉलर के ईएम बॉन्ड**

नई दिल्ली। करीब दो दशक तक ग्लोबल इकॉनमी का इंजन रहा चीन अब कई मोर्चों पर पिछड़ने लगा है। 12 साल में पहली बार एमर्जिंग मार्केट बोरोअर के तौर पर सऊदी अरब ने उसे पछाड़ दिया है। सऊदी अरब ने इस साल 33.2 अरब डॉलर के इंटरनेशनल बॉन्ड जारी किए हैं जबकि चीन 23.3 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गया है। साउथ कोरिया 20 अरब डॉलर के साथ तीसरे और यूएई 18.5 अरब डॉलर के साथ चौथे नंबर पर है। सऊदी अरब की इकॉनमी का साइज चीन की जीडीपी के 16वें हिस्से के बराबर है। पिछले 12 साल से चीन सबसे बड़ा एमर्जिंग मार्केट बोरोअर बना हुआ था। लेकिन वहां ट्रेंड में बदलाव दिख रहा है। चीन में लोकल करेंसी बॉन्ड की खरीद में तेजी दिख रही है।

सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान के विजन 2030 प्लान को विदेशी निवेशकों ने हाथोंहाथ लिया है। यही वजह है कि देश रेकॉर्ड तेजी के साथ इंटरनेशनल बॉन्ड जारी कर रहा है। चीन 18.536 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है जबकि सऊदी अरब की इकॉनमी का साइज 1.112 ट्रिलियन डॉलर है। पहली तिमाही में सऊदी अरब की जीडीपी में 1.8 फीसदी गिरावट देखने को मिली। पिछले साल की चौथी तिमाही में भी कंपनी की जीडीपी में 3.7 प्रतिशत गिरावट आई थी। तेल उत्पादन में कटौती और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट से देश की इकॉनमी प्रभावित हुई। सऊदी अरब दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है।

चीन की स्थिति

चीन की इकॉनमी पिछले कुछ समय से कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है। अमेरिका के बाद यूरोपीय देशों के साथ भी उसका तनाव चल रहा है। सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी रियल एस्टेट सेक्टर बेजान पड़ा है। इससे पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। इसकी वजह यह है कि देश की जीडीपी में रियल एस्टेट सेक्टर की 30 फीसदी हिस्सेदारी है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में बैंकों के भी डूबने का खतरा पैदा हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख्या में चीन के अरबपति दूसरे देशों का रुख कर रहे हैं। इस साल 15,000 से अधिक चीनी अरबपति देश छोड़ने की तैयारी में हैं। इनमें से ज्यादातर लोग अमेरिका का रुख कर रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की जीएसटी दरों में राहत के आसार, खाद से खत्म होगा टैक्स!

नईदिल्ली, एजेंसी। जीएसटी काउंसिल शनिवार को होने वाली बैठक में कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श कर सकती है। इनमें ऑनलाइन गेमिंग पर टैक्सेशन का बड़ा मुद्दा शामिल है। ऑनलाइन गेमिंग पर फिलहाल 28 फीसदी जीएसटी लगता है। बताया जा रहा है कि बैठक में इसकी समीक्षा हो सकती है।

आठ माह बाद हो रही बैठक- जीएसटी काउंसिल की 53वीं बैठक केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होगी। इस परिषद में राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं। इस बैठक में जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने पर गठित मंत्री समूह (जीओएम) की रिपोर्ट को अंतिम रूप देने पर हुई प्रगति पर भी चर्चा होने की संभावना है। जीएसटी काउंसिल की यह बैठक आठ महीने के अंतराल के बाद हो रही है। इससे पहले, जीएसटी काउंसिल की 52वीं बैठक सात अक्टूबर, 2023 को हुई थी।

उर्वरकों से हट सकता है जीएसटी- बैठक में उर्वरकों से जीएसटी हटाने का फैसला हो सकता है। इस मामले में गठित समिति ने उर्वरकों को जीएसटी से छूट करने का प्रस्ताव दिया है। इसकी सिफारिश सरकार को भेजी गई है। अभी उर्वरकों पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगता है। इससे जुड़े उद्योग इसे पूरी तरह हटाने की मांग कर रहे हैं।

28 फीसदी लगता है जीएसटी- जीएसटी काउंसिल ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए दांव के पूरे मूल्य पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने के निर्णय की समीक्षा कर सकती है। यह फैसला एक अक्टूबर, 2023 से लागू हुआ है। जीएसटी काउंसिल ने जुलाई और अगस्त में अपनी बैठकों में ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ को कर-योग्य दावों के रूप में शामिल करने के लिए कानून में संशोधन को मंजूरी दी थी। साथ ही स्पष्ट किया था कि दांव के पूरे मूल्य पर 28 प्रतिशत कर लगेगा।

जीएसटी दरें तर्कसंगत बनाने की वकालत

देश में बड़ी संख्या में शीर्ष प्रबंधन स्तर के अधिकारी जीएसटी के बारे में सकारात्मक धारणा रखते हैं। डेलॉयट के एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है। इनमें से कई अधिकारियों ने जीएसटी 2.0 के तहत कर दरों को तर्कसंगत बनाने और विवाद निपटान के लिए एक प्रभावी प्रणाली की वकालत की है। ये अधिकारी विभिन्न उद्योग क्षेत्रों से जुड़े हैं। इसमें उन चीजों का उल्लेख किया गया है, जो जीएसटी के प्रति बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। सर्वेक्षण में शामिल 84 प्रतिशत अधिकारियों ने 2024 में जीएसटी को लेकर सकारात्मक राय जताई। 2023 में यह संख्या 72 प्रतिशत और 2022 में 59 प्रतिशत थी।

पूरी दुनिया में अडानी पोर्ट का बजा डंका, चार बंदरगाह विश्व बैंक के प्रदर्शन सूचकांक में शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड का डंका दुनिया में बज रहा है। इसके द्वारा संचालित चार बंदरगाहों को कंटेनर बंदरगाह प्रदर्शन सूचकांक 2023 में न केवल जगह दी गई है, बल्कि इस कैटेगरी में यह सबसे मूल्यवान कंपनी है। अडानी पोर्ट का मार्केट कैप 38.08 अरब डॉलर है। दूसरे नंबर पर सीके हचिसन होल्डिंग्स है, जिसका मार्केट कैप 18.27 अरब डॉलर है।

तीसरे नंबर पर 11.78 अरब डॉलर के साथ इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल सर्विस काबिज है। चौथे नंबर पर आबुधाबी पोर्ट है, जिसका मार्केट कैप 7.21 अरब डॉलर है। पांचवें नंबर पर चीन की कंपनी चाइना मर्चेंट पोर्ट है, जिसका मार्केट कैप 6.56 अरब डॉलर है। इस कैटेगरी की सबसे मूल्यवान कंपनियों में वेस्टपोर्ट 2.98 अरब डॉलर के साथ छठे स्थान पर है। पोर्ट ऑफ टॉरंगा 1.96 अरब डॉलर के साथ सातवें और 1.35 अरब डॉलर के साथ हम्बर्गर हाफेन आठवें स्थान पर है। नौवें और दसवे नंबर पर क्रमश : सिहानोकविले स्वायत्त पोर्ट (1.34 अरब डॉलर) और एचपीएस ट्रस्ट (1.08 अरब डॉलर) है। विश्व बैंक और एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस द्वारा विकसित यह सूचकांक उत्पादकता, दक्षता और विश्वसनीयता जैसे मापदंडों पर बंदरगाहों के प्रदर्शन का आकलन करता है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पत्रकार की गोली मारकर हत्या

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक वरिष्ठ पत्रकार की उनके घर के पास ही गोली मारकर हत्या कर दी है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के उक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को खैबर जिले के लांडी कोटल शहर में निजी खबरिया चैनल 'खैबर न्यूज के पत्रकार खलील जिबरान अपने मित्र के साथ अपने घर जा रहे थे, उसी दौरान मोटरसाइकिल से आये बदमाशों ने उनको निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि जिबरान की कार उनके घर के पास ही खराब हो गयी, तभी बंदूकधारियों ने उन्हें घेर लिया और गाड़ी से खींचकर बाहर निकाला एवं उनपर गोलियां दाग दीं। अधिकारी ने बताया कि इस हमले में जिबरान की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि उनका वकील मित्र घायल हो गया। उनके अनुसार हमले के बाद हमलावर वहां से भाग गये। उन्होंने बताया कि जिबरान को आतंकवादियों से धमकियां भी मिल चुकी थीं। जिबरान के मित्रों ने खैबर-पख्तूनख्वा राजमार्ग पर उनका शव राकर प्रर्दान किया। बाद में उन्हें उनके पैतृक गांव में दफना दिया गया, जिबरान कोटल प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष भी थे। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि जिबरान के हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गांदपुर ने प्रशासन को पत्रकार के हत्या के लिए जिम्मेदार अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। 'एसोसिएशन ऑफ इलेक्ट्रोनिक मीडिया एडिटर्स एंड न्यूज डायरेक्टर्स ने इस हत्या की कड़ी निंदा की और सरकार से जिबरान के हत्यारों को इंसाफ के कटघरे में लाने की मांग की।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन राजकीय यात्रा पर वियतनाम पहुंचे

हनोई, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन वियतनाम दौरे पर हैं। उत्तर कोरिया का दौरा समाप्त कर गुरुवार को राष्ट्रपति पुतिन हनोई के नोई बाई एयरपोर्ट पर पहुंचे। रूसी राष्ट्रपति के स्वागत के लिए रेड कार्पेट बिछाया गया। वियतनाम के उप प्रधानमंत्री ट्रान हॉन्ग हा, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के विभाग सीपीवी केंद्रीय समिति के प्रमुख ली होआई ट्रंग और वियतनाम के डिप्टी विदेश मंत्री ले थी थू हैंग ने रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात की। इस दौरे के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने वियतनाम के चार नेताओं से मुलाकात की, जिसमें राष्ट्रपति, देश की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव, प्रधानमंत्री और नेशनल असेंबली के चेयरमैन का नाम शामिल हैं। वह सोवियत और रूसी यूनिवर्सिटी के स्नातकों से भी मिलेंगे। वियतनाम आने से पहले पुतिन उत्तर कोरिया के दौरे पर थे।

दूसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे एस जयशंकर, पड़ोसी पहले नीति पर फोकस

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर गुरुवार को श्रीलंका पहुंचे। यह उनके लगातार दूसरे कार्यकाल में पहली विदेश यात्रा है। श्रीलंका दौरे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। जयशंकर का कोलंबो पहुंचने पर श्रीलंका के विदेश राज्य मंत्री थारका बालासुरिया और पूर्वी प्रांत के राज्यपाल सेंथिल थोंडामन ने उनका स्वागत किया। एस जयशंकर ने श्रीलंका पहुंचने पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा नए कार्यकाल में पहली बार कोलंबो पहुंचा हूं। गर्मजोशी से स्वागत के लिए राज्य मंत्री थारका बालासुरिया और पूर्वी प्रांत के राज्यपाल एस थोंडामन का शुक्रिया। शीर्ष नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों का बेसब्री से इंतजार है। विदेश मंत्री ने लिखा कि श्रीलंका, भारत की पड़ोसी पहले और सागर नीतियों का केंद्र है। अपनी पड़ोसी पहले नीति के तहत भारत अपने सभी पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण और परस्पर लाभकारी संबंध विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और हिंद महासागर में समुद्री सहयोगा भू-राजनीतिक ढांचा बनाने का है। एस जयशंकर ने बीती 11 जून को देश के विदेश मंत्री के रूप में लगातार दूसरी बार कार्यभार संभाला था। जयशंकर पिछले सप्ताह इटली के अपुलिया में आयोजित हुए जी7 शिखर सम्मेलन में भी शामिल हुए थे, लेकिन उस समय वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। वहीं श्रीलंका का दौरा उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है। एस जयशंकर के श्रीलंका दौरे पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि भारत की पड़ोसी पहले नीति के तहत यह यात्रा श्रीलंका को सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी के रूप में भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

फ्रांस में 12 साल की यहूदी लड़की से गैंगरेप : सभी आरोपी नाबालिग

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में एक 12 साल की नाबालिग लड़की के साथ हुए गैंगरेप से पूरे देश में गुस्से का माहौल है। आरोप है कि लड़की के यहूदी होने की वजह से उसके साथ ये घटना हुई। पुलिस ने घटना में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

फ्रांस में इसी महीने 30 जून को चुनाव होंगे। चुनाव से पहले हुई इस घटना से दो समुदाय के बीच तनाव बढ़ने का खतरा मंडराने लगा है। फ्रांस में इजराइल और अमेरिका के बाद सबसे अधिक यहूदी रहते हैं। वही यूरोप में सबसे अधिक मुस्लिम फ्रांस में ही रहते हैं। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस के नजदीक कॉरबिवो सिटी में ये घटना हुई। घटना के बाद लड़की को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी जांच की गई। इसमें रेप की पुष्टि हुई।

लड़की ने 2 आरोपियों की पहचान की : नाबालिग ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम को जब वह अपने घर के पास एक पार्क में अपने दोस्त के साथ बैठी थी तभी उसके पास 3 लड़के आए। ये सभी उसी की उम्र के थे। वे उसे एक शेड के पास खींच कर ले गए और उसके साथ गंदी हरकत की। इस दौरान वे सभी यहूदी विरोधी टिप्पणी भी कर रहे थे।

पुलिस सूत्र ने एएफपी को बताया कि तीनों आरोपी लड़के ने लड़की की पिटाई की और उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक नाबालिग लड़की ने 2 लड़कों की पहचान की है। इसके बाद तीसरे लड़के को भी पकड़ लिया गया।

एक आरोपी को घर भेजा गया : इन तीन आरोपियों में से दो की उम्र 13 साल और एक की उम्र 12 साल है। 12 साल के लड़के पर रेप का आरोप नहीं लगा है। उस पर हिंसा करने, यहूदी विरोधी टिप्पणी और मौत की धमकी देने का आरोप लगा है। 12 साल के आरोपी को घर भेज दिया गया है जबकि बाकी दोनों लड़कों को हिरासत में रखा गया है। फ्रांसासी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तीनों में से एक लड़का, पीड़ित लड़की का पूर्व प्रेमी है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान का खुलासा नहीं किया है।

आरोपी ने कबूली गलती, कहा-लड़की ने धर्म छुपाया था : रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी लड़क ने हमले की बात कबूल की है। उसने कहा कि उसने बदला लेने के लिए ऐसा किया क्योंकि लड़की ने उससे अपनी धार्मिक पहचान छिपाई थी। रिपोर्टस में ये भी कहा गया है कि आरोपी लड़के के फोन में पुलिस ने यहूदी विरोधी कंटेंट देखा गया है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। फ्रांस के यहूदी समुदाय के नेताओं ने इस घटना को लेकर चिंता जताई है। यहूदी नेता हैम कोर्सिया ने पोस्ट कर लिखा है कि फ्रांस में यहूदी विरोधी भावना जोरों पर है। वे इस घटना से भयभीत हैं। कॉरबिवो के मेयर जैक्स कोसोवस्की ने कहा कि इस घटना में शामिल किसी भी दोषी को माफ नहीं किया जाना चाहिए।

इटली के खेत में काम करने वाले भारतीय की मौत

रोम, एजेंसी। इटली के लैटिना इलाके में खेतों में काम करने वाले भारत के 30 साल के कर्मचारी सतनाम सिंह की बुधवार को मौत हो गई है। खेत में घास काटते वक्त मशीन से सतनाम का हाथ कट गया। इसके बाद उसकी मदद करने की बजाय उसके मालिक ने उसे घर के पास एक सड़क किनारे अकेला छोड़ दिया। इसके बाद सतनाम की पत्नी और उसके दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी। फिर भारतीय कर्मचारी को एयर एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए राजधानी रोम के अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, यहां उसकी मौत हो गई। इटली के ट्रेड यूनियन ने कहा है कि हादसे के बाद सतनाम को कूड़े की तरह फेंक दिया गया। यह एक डरावनी फिल्म जैसा था। इटली की लेबर मंत्री मारीना कैल्डरोन ने घटना की निंदा की है। संसद में इससे जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह घटना क्रूरता का उदाहरण है। भारतीय कामगार को गंभीर हालत में अकेला छोड़ दिया गया था। अधिकारी इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं और दोषियों को जल्द से जल्द सजा दी जाएगी। इटली में मौजूद भारतीय दूतावास ने घटना पर दुख जताया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दूतावास ने कहा कि उन्हें मामले की सूचना मिली है। एम्बेसी क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ संपर्क में है।

लैटिना में दुर्घटना के बाद भारतीय मजदूर को मरने के लिए छोड़ दिया गया, इटली की श्रम मंत्री ने की निंदा

रोम, एजेंसी। इटली में काम करने वाले एक भारतीय मजदूर की बुधवार को एक दुर्घटना के बाद सड़क किनारे मौत हो गई। इस हादसे में उसका हाथ भी कट गया। इटली की श्रम मंत्री मरीना कैलदेरोन ने इसे बर्बरतापूर्ण कृत्य बताया। मरने वाले भारतीय मजदूर की पहचान सतनाम सिंह के तौर पर की गई है। लैटिना में एक फार्म में काम करने के दौरान सोमवार को वह घायल हो गया था। बता दें कि लैटिना में हजारों भारतीय प्रवासी रहते हैं।

इटली की श्रम मंत्री ने की घटना की निंदा : संसद में इटली की श्रम मंत्री मरीना कैलदेरोन ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा, लैटिना के ग्रामीण इलाके में काम वाला एक भारतीय श्रमिक गंभीर दुर्घटना का शिकार हो गया था और गंभीर परिस्थिति में छोड़ दिया गया, जिस वजह से उसकी मौत हो गई। उन्होंने आगे कहा, यह एक बर्बरतापूर्ण कृत्य है। श्रमिक मंत्री ने बताया कि इस मामले की कार्रवाई जारी है और उम्मीद है कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाएगा।

मृतक बिना किसी वैध दस्तावेज के इटली में काम कर रहा था। जब वह घास काट रहा था तभी उसका हाथ मशीन से कट गया। संसद में इस घटना का जिक्र करते हुए मरीना कैलदेरोन ने कहा, इस घटना के बाद उसके सहयोगियों ने उसकी मदद करने के बजाय, उसे उसके घर के पास कूड़े के तैले की तरह फेंक दिया गया। उन्होंने इस परिस्थिति की तुलना एक डरावनी फिल्म से की।

सेंटर लेफ्ट डेमोक्रेटि पार्टी ने घटना को सभ्यता की हार बताया : पुलिस ने बताया कि मृत की पत्नी और उसके दोस्तों ने उन्हें बुलाया, जिसके बाद एक एयर एंबुलेंस घटनास्थल पर भेजा गया। लैटिना में पुलिस के प्रवक्ता ने कहा, उसे एंबुलेंस के जरिए रोम के अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। सेंटर लेफ्ट डेमोक्रेटि पार्टी ने इस घटना का जिक्र करते हुए इसे सभ्यता की हार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, यह गैंगमास्टरों के खिलाफ लड़ाई है। सम्मानजनक और मानवीय जीवन और कामकाजी परिस्थितियों के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

अब एयर न्यूजीलैंड के विमान में खतरनाक टर्बुलेंस; छत से टकराई केबिन क्रू, यात्री पर गिरी गर्म कॉफी

वेलिंगटन, एजेंसी। एयर न्यूजीलैंड की एक उड़ान को खतरनाक टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। इस टर्बुलेंस के कारण चालक दल के सदस्यों समेत कई यात्रियों का सिर विमान की छत से टकरा गया। यह घटना 16 जून की है, जब एयरबस ए320 वेलिंगटन से क्रीसटाउन के लिए उड़ान भर रहा था। इस हादसे के बाद यात्रियों ने अपना अनुभव साझा किया। सूजे नाम की एक यात्री ने कहा, उड़ान 15 मिनट तक हवा में थी, जब ड्रिंग कार्ट नीचे की तरफ गिरने लगा। जब कार्ट रुका तो विमान में एक तेज झटका लगा। इस दौरान चालक दल का एक सदस्य हवा में उड़ा और उसका सिर छत से टकरा गया। टर्बुलेंस के कारण एक यात्री पर गर्म कॉफी गिर गई। महिला यात्री ने कहा, इसमें आप कुछ भी नहीं कर सकते हैं। आप बंधे हुए हैं। टर्बुलेंस आगे भी होगा। आपको गर्म कॉफी से जलने के बाद खुद निपटना होगा। मैं एक ठंडे बोतल को पकड़ने में कामयाब रही और उसे अपने ऊपर डालने लगी। मैंने जमीन पर गिरी चालक दल के सदस्य से बात करने की कोशिश की। मैंने उनसे पूछा कि क्या मैं और भी बोतल का इस्तेमाल कर सकती हूं, क्योंकि मैं इस समय यही कर सकती थी। उन्होंने मुझे इसकी इजाजत दे दी। महिला के पास एक पैरामेडिक बैठा था, जिसने उसकी मदद की। स्थानीय मीडिया ने बताया कि दोनों को विमान से उतार लिया गया है।

राफा के रिहायशी इलाकों में आधी रात को घुसे इजरायली टैंक, कत्लेआम में 8 मासूमों की चली गई जान

गाजा, एजेंसी। गाजा के बाद इजरायली सेना ने अब राफा शहर में हमले तेज कर दिए हैं। एक दिन पहले बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सेना को एक महीने की मोहलत देते हुए आदेश दिया था कि वे इस दौरान राफा से भी हमास का हर जर्रा मिटा दें। नेतन्याहू की सेना के मुताबिक, अब राफा में हमास की संख्या 2 हजार से थोड़ा ज्यादा है। हमास के खिलाफ इजरायली सेना कहर बनकर टूट चुकी है। देर रात इजरायली टैंक रिहायशी इलाकों में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस कत्लेआम में आठ मासूमों की जान चली गई।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, राफा के लोगों और फिलिस्तीनी चिकित्सकों के अनुसार, इजरायली टैंक बुधवार को गाजा पट्टी के राफा शहर के पश्चिमी हिस्से में अंदर तक आ गए। अंधाधुंध गोलीबारी में 8 लोगों की मौत हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टैंक आधी रात को रिहायशी इलाकों में हमले के बाद उन स्थानों पर भी गए जहां, विस्थापितों के लिए राहत शिविर बनाए गए थे। इजरायली हमलावरों ने तंबुओं पर भी भारी गोलीबारी की। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल का यह हमला राफा के तटीय क्षेत्र के पश्चिम में अल-मवासी इलाके में हुआ है। हर दिन खतरनाक हो रही जंग इजरायल और हमास के बीच युद्ध को आठ महीने से ऊपर का वक्त हो गया है और अभी तक लड़ाई खत्म होने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। तमाम देश और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के भरसक प्रयास के बावजूद इजरायल और हमास के बीच शांति समझौता दूर की कौड़ी बन गया है।

इजरायल का करीबी और ताकतवर देश अमेरिका भी युद्धविराम नहीं कर पाया है। रसद के इंतजार में थे मासूम, इजरायली सेना कर दी फायरिंग हमास से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से राफा में इजरायली सेना ने हमले तेज कर दिए हैं। इससे आम नागरिकों की बड़े पैमाने पर मौत हो रही है। हमास को टारगेट करने के चक्कर में आईडीएफ मासूमों को भी निशाना बना रही है। ऐसा बताया जा रहा है कि बुधवार को तंबुओं और रिहायशी इलाकों पर हुए हमले में इजरायली सेना ने 12 फिलिस्तीनियों को मार डाला। सूत्रों ने बताया कि ये लोग घटना के दौरान सलाहुद्दीन रोड पर केरेम शालोम क्रॉसिंग के जरिए आ रहे सहायता सामान की प्रतिक्षा कर रहे थे, इस दौरान इजरायल ने इन पर हमला कर दिया। हमास पर हावी इजरायली सेना गौरतलब है कि इज़रायली सेनाओं ने गाजा के अधिकांश हिस्से को बर्बाद कर दिया है और अधिकांश फ़िलिस्तीनी क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया है, लेकिन अभी तक हमास का सफाया करने और इज़रायली बंधकों को मुक्त कराने के लिए आईडीएफ संघर्ष कर रही है।

ईरान की सेना को बड़ा झटका, कनाडा की सरकार ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकी संगठन घोषित किया

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की सरकार ने बुधवार को ईरान को बड़ा झटका देते हुए उसके सशस्त्र बल के एक अहम निकाय इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आतंकी संगठन घोषित कर दिया। कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मामलों के मंत्री डोमिनिक लीब्लांक ने सरकार के फैसले का एलान किया। एक प्रेस विज्ञप्ति में कनाडा की सरकार ने कहा कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कृत्यों और तथ्यों के आधार पर यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि ईरान की सेना आतंकी गतिविधियों में लिप्त है। वह जानबूझकर किसी के साथ मिलकर या किसी के निर्देश पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में आईआरजीसी को आतंकी संगठन घोषित किया जाता है।

आईआरजीसी की संपत्ति होगी जब्त कनाडा की सरकार का कहना है कि क्रिमिनल कोड के तहत आईआरजीसी को आतंकी संगठन घोषित करने से कनाडा सख्त संदेश देगा कि कनाडा की सरकार आतंकी गतिविधियों से निपटने के लिए हर औजार का इस्तेमाल करेगी। कनाडा ने ये भी

कहा कि ईरान की सेना का आतंकी संगठनों हिजबुल्ला और हमास के साथ भी नाता है। कनाडा ने कहा कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आतंकी संगठन घोषित करने का मतलब ये होगा कि कनाडा के वित्तीय संस्थान जैसे बैंक और ब्रोकरेज फर्म आदि आईआरसीजी से जुड़ी संपत्ति को जब्त करेंगे। साथ ही किसी भी व्यक्ति या संस्था का आईआरजीसी से कोई भी समझौता या संबंध अपराध माना जाएगा।

मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप कनाडा ने ईरान की सेना के निकाय इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया और कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था को अस्थिर करना चाहते हैं। कनाडा ने कहा कि आईआरजीसी पर प्रतिबंधों से साफ है कि कनाडा की सरकार ईरान की गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ कोई दया नहीं करेगी। हमारी सरकार हमेशा मानवाधिकारों की समर्थक रही है और जो भी कनाडा या पूरी दुनिया में कहीं भी मानवाधिकारों के खिलाफ काम करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वॉशिंगटन पर चढ़ा योग का खुमार, प्रार्थना और भारतीय शास्त्रीय नृत्य के साथ हुई शुरुआत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भी योग का खुमार लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। वॉशिंगटन में भारतीय दूतावास की ओर से बुधवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। योग और ध्यान सत्र में विभिन्न सामुदायिक संगठनों ने पूरे उत्साह के साथ इसकी खासियतें जानीं। कार्यक्रम को अमेरिका में भारत की उप-राजदूत श्रीप्रिया रंगनाथन ने संबोधित भी किया।

पोटोमैक नदी के किनारे सुरम्य घाट पर कार्यक्रम : कार्यक्रम पोटोमैक नदी के किनारे सुरम्य घाट पर आयोजित किया गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और भारतीय शास्त्रीय नृत्य के साथ हुई। योग सत्र ने भारत के इतिहास से लोगों को रूबरू कराया। इसके जरिए लोगों को भारत की एकता और सद्भाव की भावना से भी रूरबरू कराया गया।

इस साल की थीम स्वयं और समाज के लिए योग : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है। इस साल की थीम स्वयं और समाज के लिए योग है। कार्यक्रम में रंगनाथन ने कहा कि योग समाज के उज्जवल भविष्य के लिए सद्भाव और संतुलन बनाने का मार्ग प्रशस्त करता है। इसीलिए 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया।

योग का अभ्यास दूर-दूर तक फैल चुका है : रंगनाथन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए मसौदा प्रस्ताव भारत की ओर से प्रस्तावित किया गया था। रिकॉर्ड 175 सदस्य देशों ने इसका समर्थन किया था। सिंधु घाटी सभ्यता में अपनी शुरुआत के बाद से योग का अभ्यास दूर-दूर तक फैल चुका है। लगभग 5,000 साल बाद भी दुनियाभर में करोड़ों लोग योग का अभ्यास करते हैं। कार्यक्रम में दैनिक जीवन में बाजरा, पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों और प्रथाओं को शामिल करने को लेकर चर्चा हुई।

लगातार तीसरे महीने अंधेरे में डूबा इक्काडोर, ट्रांसमिशन लाइन खराब होने से देश की बिजली गुल

क्यूटो, एजेंसी। पूरी दुनिया बदलती जलवायु के कारण अजीबोगरीब मौसम की मार झेल रही है। ऐसे में कहीं भीषण गर्मी तो कहीं बारिश का मौसम बना हुआ है। गर्मी के कारण कई देशों में बिजली की मांग बढ़ गई। इन सबके बीच, इक्काडोर में बुधवार को हाहाकार मच गया। दरअसल, पूरे देश में बुधवार दोपहर अचानक से बिजली चली गई। इससे सब लोग परेशान हो गए। वहीं सार्वजनिक अवसंरचना मंत्री रॉबर्टो ल्यूक ने बिजली जाने के पीछे का कारण ट्रांसमिशन लाइन में खराबी आना बताया।

बिजली क्यों चली गई : रॉबर्टो ल्यूक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मुझे राष्ट्रीय बिजली ऑपरेटर सीईएनओसीई एक रिपोर्ट मिली है, इसमें बताया गया है कि बिजली क्यों चली गई। दरअसल, ट्रांसमिशन लाइन में खराबी के कारण कैस्केड डिस्कनेक्शन हुआ। इसलिए पूरे देश में कहीं भी बिजली नहीं थी। मंत्री ने आगे कहा कि अधिकारी बिजली को वापस लाने के लिए लगातार काम कर रहे थे। कुछ ही घंटों में इक्काडोर की राजधानी क्विटो के कुछ हिस्सों में बिजली लौटना शुरू हो गई थी।

इक्काडोर कई सालों से ऊर्जा संकट से जूझ रहा : एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1.8 करोड़ आबादी वाला इक्काडोर कई सालों से ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। बुनियादी ढांचे की विफलता, रखरखाव की कमी और आयातित ऊर्जा पर निर्भरता, इन सभी ने पूरे देश में बिजली नहीं रहने में योगदान दिया है। वहीं, चीन द्वारा निर्मित 2.25 अरब डॉलर की लागत वाला कोका कोडो सिंक्लेयर बांध नामक पनबिजली संयंत्र इक्काडोर की समस्या को हल करने में मदद

करने वाला था। हालांकि, यह परियोजना इक्काडोर के अधिकारियों के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गई है। निर्माण में कई त्रुटियां हुई हैं, जिसके परिणामस्वरूप इक्काडोर के अधिकारियों और चीनी कंपनी के बीच कानूनी विवाद हुआ है। इक्काडोर के अधिकांश हिस्से में बिजली गायब बुधवार को दोपहर लगभग सवा तीन बजे (स्थानीय समयानुसार), इक्काडोर के अधिकांश हिस्से में बिजली गायब थी। शाम को क्विटो और गुआयाकिल की सड़कों पर कारों के हॉर्न और ड्राइवरों के चिल्लाने की आवाजें गूंजने लगीं। इसका कारण यह था कि बिजली जाने के कारण ट्रैफिक लाइटों ने काम करना बंद कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों और कुछ जल आपूर्ति कंपनियों ने दोनों प्रमुख शहरों में अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं। इससे पहले भी बन चुकी है ब्लैकआउट की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल की शुरुआत में इक्काडोर में ब्लैकआउट की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिसके बारे में ऊर्जा मंत्रालय ने कहा था कि इसका कारण लंबे समय तक सूखे के बाद ऐतिहासिक रूप से कम जल प्रवाह, बढ़ते तापमान और देश की विद्युत प्रणाली के रखरखाव की कमी है। मई की शुरुआत में भी ब्लैकआउट हुआ था, जो बाद में सही हो गया था। ल्यूक, जो कार्यवाहक ऊर्जा मंत्री भी हैं, ने सात जून को कहा कि बिजली कटौती का जोखिम कम हो गया है। हालांकि, 16 जून को क्विटो के कुछ हिस्सों में फिर से बिजली कटौती हुई। तीन दिन बाद, पूरे देश में बिजली कटौती हुई।

संक्षिप्त समाचार

मार्कस स्टोइनिस बने T 20 में नंबर-1 ऑलराउंडर

दुबई, एजेंसी। आईसीसी ने ताजा टी20 रैंकिंग जारी की है। इसमें ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने मौजूदा टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमा लिया है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने बल्ले और गेंद दोनों से अपनी शानदार क्षमता का प्रदर्शन किया,

जिससे उनकी टीम आसानी से सुपर-8 में पहुंच गई। टीम के इस दमदार प्रदर्शन में मार्कस स्टोइनिस ने अहम भूमिका निभाई है। स्टोइनिस इस विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 4 मुकाबलों की 3 पारियों में 78 की औसत से 156 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 190.24 की रही है। उनके बल्ले से 2 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 67 रन है। गेंदबाजी में इस खिलाड़ी ने 4 मैच में 8.66 की औसत और 5.77 की इकॉनमी रेट से 6 विकेट झटके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/19 का रहा है। इस प्रदर्शन की बदौलत स्टोइनिस ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उन्होंने मोहम्मद नबी को पछाड़ दिया है, जो अब चौथे स्थान पर हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन अब क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। गेंदबाजी में अकील हुसैन को 6 पायदान का फायदा हुआ है और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। एडम जम्पा को भी 3 पायदान का फायदा हुआ है और वह 8वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में ज्यादा फेरबदल नहीं हुआ है। सूर्यकुमार यादव नंबर-1 पर बने हुए हैं।

मंधाना ने द. अफ्रीका के खिलाफ जड़ा बैक टू बैक शतक, बनाया खास रिकॉर्ड

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे में लगातार दूसरा शतक जड़ा है। श्रृंखला के पहले मैच में 117 रन की शतकीय पारी के बाद मंधाना ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। मैच की शुरुआत में मंधाना काफी

सतर्क थी। पहले पावरप्ले के दौरान दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने उन्हें शांत रखा। भारत ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को जल्दी खो दिया, जिससे मंधाना को पारी की कमान संभालनी पड़ी। उन्होंने अपनी पारी को धीरे-धीरे आगे बढ़ाया। एक समय ऐसा था, जब उन्होंने 40 गेंदों पर मात्र 19 रन बनाए थे। लेकिन यहां के बाद उन्होंने अपना अंदाज बदला और विरोधी गेंदबाजों पर हावी हो गईं। हालांकि, टीम ने इस दौरान विकेट भी गंवाए। मगर एक छोर से टिककर बल्लेबाजी कर रही मंधाना ने 103 गेंदों में अपनी पारी को शतक में तब्दील कर दिया।

अमेरिका को हराने में साउथ अफ्रीका के छूटे पसीने

सुपर-8 के पहले मैच में मिली जीत

एंटीगुआ, एजेंसी। अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले जा रहे टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सुपर-8 राउंड का आगाज हो गया है. पहला मुकाबला बुधवार (19 जून) को अमेरिका और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया. मैच में अफ्रीकी टीम ने 18 रनों से जीत दर्ज की. आखिर में जब एंड्रीस गौस और हरमीत सिंह बैटिंग कर रहे थे, तब मैच अमेरिका की ओर जाता भी दिख रहा था. ऐसे में कह सकते हैं कि अमेरिका के खिलाफ जीतने में अफ्रीकी टीम को पसीना आ गया. यह अमेरिकी टीम वही है, जिसने पहले राउंड यानी ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान को सुपर ओवर में करारी शिकस्त दी. जबकि कनाडा को 7 विकेट से हराया था. अमेरिकी टीम का एक मैच बारिश से धुल गया था, जिस कारण उसने सुपर-8 में एंट्री की थी.

19वें ओवर में रबाडा ने पलटा मैच, अमेरिका से छीनी जीत

अमेरिका को आखिरी 12 गेंदों पर जीते के लिए 28 रन चाहिए थे और उनके 5 विकेट बाकी थे. गौस और हरमीत क्रीज पर थे. मगर 19वें ओवर में कगिसो रबाडा ने 2 रन देकर 1 विकेट लिया और पूरी बाजी ही पलट दी. यदि यह ओवर ठीक नहीं आता, तो अफ्रीका मैच भी गंवा सकती थी.

गौस ने जड़ी फिफ्टी पर टीम को नहीं जिता सके- इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 195 रनों का टारगेट दिया था. इसके जवाब में अमेरिकी टीम 6 विकेट गंवाकर 176 रन बना दिए. अमेरिका की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज एंड्रीस गौस ने फिफ्टी जमाई और 47 गेंदों पर नाबाद 80 रनों की पारी खेली. जबकि स्टीवन टेलर ने 24 और हरमीत सिंह ने 38 रन बनाए. इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज अपनी छाप नहीं छोड़ सका. जबकि अफ्रीका के लिए कगिसो रबाडा ने 2 विकेट लिए. जबकि केशव महाराज, एनरिक नॉर्किया और तबरेज शम्सी को 1-1 सफलता मिली.

डिकॉक की आतिशी पारी, मार्करम-क्लासेन भी चमके

दूसरी ओर अफ्रीकी टीम ने 4 विकेट पर 194 रनों का स्कोर बनाया था. टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने 40 गेंदों पर 74 रनों की आतिशी पारी खेली. जबकि कप्तान एडेन मार्करम ने 32 गेंदों पर 46 रन जड़े. आखिर में हेनरिक क्लासेन 36 और ट्रिस्टन स्टब्स 20 रन बनाकर नाबाद रहे. अमेरिका के लिए सौरभ नेत्रवलकर और हरमीत सिंह ने 2-2 विकेट लिए.

इंग्लैंड ने सुपर-8 के दूसरे मैच में वेस्टइंडीज को हराया

सॉल्ट का नाबाद अर्धशतक, बेयरस्टो के साथ नाबाद 97 रन की साझेदारी

सेंटलूसिया, एजेंसी। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के दूसरे सुपर-8 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। सेंट लूसिया के डैरेन सैमी स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। वेस्टइंडीज ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 180 रन बनाए और इंग्लैंड को 181 रन का टारगेट दिया। जवाब में इंग्लैंड ने 17.3 ओवर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

पहलवान से एमएमए फाइटर बने संग्राम सिंह को याद आया फ्लैशबैक

नई दिल्ली, एजेंसी। संग्राम सिंह भारतीय पहलवान, एक्टर और एमएमए फाइटर भी हैं। संग्राम 38 साल की उम्र में एमएमए की दुनिया में प्रवेश करने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट हैं। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूपी कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन ने बातचीत में अपनी यात्रा, अपने करियर और एमएमए फाइटर में इतनी देर से एंट्री के बारे में बात की। संग्राम सिंह ने बताया कि मैं अभी शुरुआत कर रहा हूं। मेरा मानना है कि यूएफसी और एमएमए दोनों बहनें हैं। यूएफसी ने भी मुझसे संपर्क किया था, लेकिन मेरा मानना है कि मुझे एमएमए से शुरुआत करनी चाहिए। जब अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की बात आती है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां खेलते हैं, इसलिए निश्चित रूप से यूएफसी मेरी भविष्य की योजनाओं में भी है। कोई मुझसे मजाक कर रहा था कि मैं क्रिकेट भी आज़माऊं। जीवन बहुत छोटा है, इसलिए आपको हर मौके पर दूसरों को प्रेरित करने की कोशिश करनी चाहिए, और मेरा मानना है कि जीने का सबसे अच्छा तरीका निस्वार्थ जीवन जीना है।

कई सालों की कड़ी मेहनत और 25 साल से ज़्यादा के शानदार करियर के बाद एक मजबूत शरीर पाने के बावजूद, पूर्व कुश्ती चैंपियन ने खुलासा किया कि उनका जीवन आसान नहीं रहा है। उन्होंने खुद को कभी हार न मानने के लिए कैसे प्रेरित किया और उन्होंने लड़ाकू खेलों के क्षेत्र में वापसी करने का फैसला क्यों किया।

संग्राम छह साल से कुश्ती से दूर थे और हाल ही में उन्होंने दुबई प्रो रेसलिंग चैंपियनशिप में पाकिस्तान के मुहम्मद सईद को हराकर कुश्ती में वापसी की। उनका लक्ष्य एमएमए के साथ-साथ कुश्ती में भी अपना करियर जारी रखना है।

फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने लिया चौंकाने वाला निर्णय

- भारत में अपनी फुटबॉल अकादमियों पर डाला ताला

नई दिल्ली, एजेंसी। ला मासिया (युवा अकादमी) शैली में बच्चों को फुटबॉल के गुण सिखाने के लिए दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू और पुणे में इन अकादमियों की शुरुआत हुई थी। हालांकि, एक जुलाई से यह बंद हो जाएंगी। मशहूर फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने बुधवार को भारत में अपनी सारी अकादमियां बंद करने का फैसला लिया है। क्लब में अपने इस निर्णय के पीछा का कारण नहीं बताया है। ला मासिया (युवा अकादमी) शैली में बच्चों को फुटबॉल के गुण सिखाने के लिए दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू और पुणे में इन अकादमियों की शुरुआत हुई थी। हालांकि, एक जुलाई से यह बंद हो जाएंगी।

क्लब ने जारी किया बयान

क्लब ने अपने बयान में कहा, फुटबॉल बार्सिलोना ने दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू और पुणे में परिवारों को सूचित कर दिया है कि एक जुलाई 2024 से अकादमियां बंद हो रही हैं।

...तो गौतम गंभीर के साथ जहीर या आशीष नेहरा बनेंगे भारत के बॉलिंग कोच!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के नए हेड कोच के रूप में गौतम गंभीर का ऐलान तय दिख रहा है. गंभीर राहुल द्रविड़ की जगह भरने को सबसे मुफीद उम्मीदवार दिख रहे हैं. इस कड़ी में अब उनके सपॉर्ट स्टाफ और सहायक कोचों के नाम पर भी अटकलें शुरू हो गई हैं. नए फील्डिंग कोच के रूप में जॉन्टी रोड्स का नाम चर्चा में छिड़ा है तो वहीं अब बॉलिंग कोच के रूप में धांसू विकल्प सामने आ रहे हैं. पाकिस्तान के एक पूर्व खिलाड़ी को लगता है कि इस काम के लिए आशीष नेहरा या जहीर खान में किसी एक को चुना जाना चाहिए. वैसे भारत के चीफ कोच के इंटरव्यू की बात करें तो यहां भले गौतम गंभीर का नाम ही सबसे आगे चल रहा है लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की 3 सदस्यीय क्रिकेट सलाहकार समिति ने इस पद के लि रामन और एक विदेशी कोच (जिसका नाम अभी तक सामने नहीं आया है.) के साथ भी इंटरव्यू किया है. इससे पहले गौतम गंभीर ने भले ही किसी भी टीम के साथ बतौर कोच काम नहीं किया है लेकिन इसके बावजूद वह टीम इंडिया का कोच बनने की सभी शर्तें पूरी करते हैं. क्योंकि उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मिलकर बतौर मेंटॉर प्रभावशाली भूमिकाएं निभाई हैं. चयक्रने तो इस सीजन का खिताब भी अपने नाम किया है. यह उसका तीसरा खिताब है और इससे पहले उसने गंभीर

की कप्तानी में ही अपने पहले दो खिताब जीते थे.

पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा, 'गंभीर जिसे भी छूते हैं वह सोना बन जाती है. जिस भी टीम में वह गए वह कामयाब हुई. भारतीय टीम को किसी विदेशी कोच की जरूरत नहीं है. उनके पास बहुत सारे विकल्प और प्रतिभाएं हैं. द्रविड़ के बाद, गौतम गंभीर से बड़ा और बेस्ट कोई नहीं है. वह एक बड़े खिलाड़ी थे और अब महान कोच भी होंगे. भारत के पास फिलहाल जो विकल्प हैं वह उनमें सर्वश्रेष्ठ हैं.' कामरान अकमल इंटरव्यू में यह बात कही. बता दें फैन्स को अकमल और गंभीर को लेकर जो यादें हैं वह कड़वाहट भरी हैं. फैन्स को एशिया कप 2008 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच का वो लम्हा आज भी याद है, जब गौतम गंभीर और अकमल एक-दूसरे से भिड़ गए थे. हालांकि अकमल ने इस इंटरव्यू में गंभीर को अपना दोस्त बताया है और उन्होंने यहां गंभीर की कोचिंग में सपॉर्ट स्टाफ के रूप में बॉलिंग कोच का नाम भी सुझाया है. उन्होंने कहा, 'गंभीर लखनऊ सुपर जायंट्स (रस्त) के साथ थे और इस टीम ने उनके मार्गदर्शन में बहुत अच्छा परफॉर्म किया. इसके बाद वह चयक्रके मेंटॉर बन गए और वह चैम्पियन बनी. वह गजब के रणनीतिकार हैं और उनके पास गजब का क्रिकेटिंग दिमाग है.

भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम फाइनल में

नजरें विश्व कप खिताब की हैट्रिक पर

अंताल्या (तुर्की), एजेंसी। शीर्ष वरीय टीम के रूप में क्वालीफाई करने वाले भारत को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली जहां टीम ने अल सल्वाडोर को 235-227 से हराया। भारत की ज्योति सुरेखा वेनाम, अदिति स्वामी और परणीत कौर की तीरंदाजी कंपाउंड महिला तिकड़ी ने बुधवार को यहां विश्व कप चरण तीन के फाइनल में जगह बनाई और अब उनकी नजरें इस वैश्विक प्रतियोगिता में खिताबी हैट्रिक पर टिकी हैं। इस साल अप्रैल और मई में शंघाई और येचियोन में लगातार दो विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली दुनिया में नंबर एक भारतीय कंपाउंड महिला टीम ने एकतरफा सेमीफाइनल में मेजबान तुर्की को 234-227 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना एस्टोनिया से होगा। शीर्ष वरीय टीम के रूप में क्वालीफाई करने वाले भारत को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली जहां टीम ने अल सल्वाडोर को 235-227 से हराया। प्रियांश, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश फुगे की पुरुष टीम को निकोलस गिरार्ड, जीन फिलिप बोल्च और एड्रियन गोनटिएर की टीम के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में सिर्फ एक अंक (235-236) से शिकस्त झेलनी पड़ी। कंपाउंड फाइनल शनिवार को

पहले स्टेडियम के पार पहुंचाई बॉल, फिर खुद हो गया बाहर, वर्ल्ड कप में भी खेलना हुआ मुश्किल

सेंटलूसिया, एजेंसी। वेस्टइंडीज के ओपनर ब्रैंडन किंग सुपर-8 के पहले ही मुकाबले में चोटिल हो गए हैं. इंग्लैंड के खिलाफ हो रहे मुकाबले के दौरान उन्हें एक लंबा छक्का लगाना भारी पड़ गया. इसके चक्कर में उन्हें साइड स्ट्रेन की इंजरी हुई और फिर उन्हें खेल को बीच में ही छोड़कर मैदान के बाहर जाना पड़ा. रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी चोट गहरी है, इसलिए वो दोबारा बल्लेबाजी या फील्डिंग के लिए भी नहीं आए. अब वो पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं और काइल मेयर्स टीम में उनकी जगह ले सकते हैं.

बड़े शॉट के चक्कर में हुई इंजरी- इंग्लैंड ने टॉस जीतकर मेजबान टीम वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी का न्यौता दिया. वेस्टइंडीज ने पारी शुरुआत बहुत संभलकर की. इंग्लैंड के गेंदबाजों भी उन्हें हाथ खोलने का कोई मौका नहीं दे रहे थे. पावरप्ले के दो ओवर में वेस्टइंडीज के दोनों ओपनर ब्रैंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स केवल 13 रन ही बना सके थे. इसके बाद किंग ने पारी को तेजी से बढ़ाने का सोचा. उन्होंने रीस टॉप्ली की गेंद पर 101 मीटर का लंबा छक्का लगाया. किंग ने टॉप्ली के बाद जोफ्रा आर्चर के ओवर में दो बाउंड्री लगाकर मोमेंटम वेस्टइंडीज की तरफ कर दिया. आर्चर के बाद उन्होंने सैम करन को टारगेट किया. उनकी गेंद को आगे बढ़कर बड़े शॉट लगाने के चक्कर में उन्हें इंजरी हो गई, जिसके कारण वो पिच पर ही लेट गए.

राहत: बॉम्बे HC ने हटाई हमारे बारह की रिलीज पर लगी रोक

अन्नू कपूर की विवादों में घिरी फिल्म 'हमारे बारह' के कास्ट एंड क्रू को लगातार बलात्कार और जान से मारने की धमकियां मिल रही थी। फिल्म की रिलीज पर भी रोक लगाई गई थी, लेकिन अब बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के बाद मेकर्स को बड़ी राहत मिल गई है। फिल्म की रिलीज पर लगी रोक को बॉम्बे हाई कोर्ट ने हटा दिया है। इसके साथ ही हमारे बारह को महिलाओं का उत्थान करने वाली फिल्म बताया है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया था। वहीं, बुधवार को फैसला सुनाते हुए हमारे बारह को रिलीज की अनुमति दे दी है।

महिलाओं का उत्थान करने वाली फिल्म

जस्टिस बीपी कोलाबावाला और जस्टिस फिरदौस पूनीवाला की डिवीजन ने हमारे बारह की रिलीज की अनुमति देते हुए कहा कि ये मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाती है और न ही कुरान की शिक्षाओं को लेकर कोई गलत बात करती है। न्यायालय ने कहा कि ये फिल्म, जो जनसंख्या वृद्धि के कारण के कारण जबरदस्त चर्चा का विषय हुई है, असल में महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से बनाई गई है। अन्नू कपूर की हमारे बारह अपने ट्रेलर के कारण विवाद में आई थी, जिसे कोर्ट ने भी आपत्तिजनक बताया था।

फिल्म देखने के बाद बेंच ने कहा कि फिल्म से सभी आपत्तिजनक दृश्य हटा दिए गए हैं। इसके साथ ही मेकर्स को 5 लाख रुपये का जुर्माना भरने के लिए कहा गया है, क्योंकि उन्होंने अप्रमाणित सीन के साथ हमारे बारह का ट्रेलर रिलीज कर दिया था।

बता दें, हमारे बारह पहले 14 जून को थिएटर्स में रिलीज होने वाली थी, लेकिन एक दिन पहले कोर्ट ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी थी। वहीं, अब फिल्म को रिलीज करने की अनुमति दे दी गई है और यह 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पंचायत निदेशक दीपक कुमार मिश्रा ने अरुणाभ कुमार के लिए अपनी भावनाओं को किया व्यक्त

पॉपुलर वेब सीरीज पंचायत के डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा ने एक दिल छू लेने वाले सोशल मीडिया पोस्ट में, शो की सफलता में अहम भूमिका निभाने के लिए द वायरल फीवर के को-फाउंडर अरुणाभ कुमार को धन्यवाद दिया है। यह सीरीज, अपनी मनोरंजक ग्रामीण जीवन और मजाकिया कहानी के लिए जानी जाती है, इसने अमेज़न प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होने के बाद से ही दर्शकों का दिल जीता है। दीपक मिश्रा ने अपनी पोस्ट में अरुणाभ कुमार को उनके क्रिएटिव विजन पर विश्वास करने और पूरे प्रोडक्शन प्रोसेस के दौरान अमूल्य समर्थन देने का श्रेय देते हुए कहा, सर, मुझ पर और मेरी कहानियों पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। आपके रचनात्मक सहयोग के बिना मैं ये सब नहीं कर पाता। सर, हर चीज के लिए धन्यवाद और मेरे मार्गदर्शक बनने के लिए धन्यवाद .

उसे समझाया था नहीं माना

सलमान को धमकी देने वाले यूटूबर का बयान चर्चा मे

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। वैसे तो यह फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी लेकिन इस फिल्म को लेकर अभी से ही क्रेज देखने को मिल रहा है। बताते चलें की इस फिल्म में सलमान खान के साथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आएंगी। इसी बीच मुंबई पुलिस ने सलमान खान फायरिंग केस से संबंधित एक नया केस रजिस्टर किया था।

इस मामले में पुलिस ने राजस्थान से एक शख्स को गिरफ्तार किया था। इस शख्स ने यूट्यूब पर 'आरे छोड़ो यार' नाम के चैनल पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें इसने लॉरेंस गैंग पर चर्चा की थी। साथ ही सलमान खान को जान से मारने की धमकी भी दी थी। यह मामला मुंबई के साउथ साइबर ग्रांट रोड पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। वहीं आरोपी को आज कोर्ट में पेश भी किया गया था। कोर्ट ने उसे पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। इस दौरान कोर्ट में मुंबई पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से 19 ईमेल आईडी भी बरामद की गई हैं।

आरोपी ने कबूल की प्लान में शामिल होने की बात

पुलिस पूछताछ में 25 साल के बनवारीलाल लटूरलाल गूजर ने कबूल किया है कि वह सलमान खान के ऊपर हमले वाले प्लान में शामिल था। उसने आगे कहा कि 'सलमान खान को समझाया था कि लेकिन ये माना नहीं। हमारा ईगो हर्ट हुआ है। सलमान के पास Y+ सिक्योरिटी है। जो हमसे टकराएगा, उसे मिट्टी में मिला देंगे।'

सलमान खान ने दर्ज करवाया था बयान

मालूम हो कि सलमान खान के घर पर 14 अप्रैल को हमला हुआ था। घटना के दो महीने बाद सलमान खान ने हाल ही में मुंबई पुलिस के पास अपने बयान दर्ज करवाए हैं। सलमान ने पुलिस से कहा कि 'बार-बार अलग-अलग लोगों के निशाने पर आने से मैं थक गया हूं। पहले भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं, जुर्माने लगे हैं। कई केसों में फंसा हूं। मैं फ्रस्ट्रेट हो चुका हूं। मैं पहले से ही कोर्ट से सजा पा चुका हूं। पुलिस ने सलमान खान से तीन साल तक पूछताछ की। बता दें कि सलमान खान के घर पर हुए हमले की लॉरेंस ग्रुप ने जिम्मेदारी ली थी। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इन सभी आरोपियों पर मकोका की धाराएं लगाई गई थीं।

किरदार के लिए समझौता नहीं किया जा सकता : गुलशन

शैतान, हंटर, गन्स एंड गुलाब्स, दहाड़ और अन्य में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर एक्टर गुलशन देवैया ने कला की दुनिया में नैतिकता पर अपनी राय शेयर की। गुलशन ने कई शानदार फिल्मों में ग्रे शेड वाले किरदार निभाए हैं। दिबाकर बनर्जी की घोस्ट स्टोरीज में नरभक्षी की भूमिका से लेकर 4 कट आत्माराम नामक कसाई कॉन्ट्रैक्ट किलर की भूमिका तक, एक्टर ने सभी किरदार बखूबी निभाए हैं।

एक्टर के अपने कुछ नैतिक मूल्य हैं जिनके बारे में उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार के लिए उनसे समझौता नहीं किया जा सकता। गुलशन ने बताया कि नैतिकता का विषय बहुत व्यक्तिपरक है। कला की दुनिया में नैतिकता का पता लगाना और उसके बारे में बात करना एक मुश्किल काम है। मैं इस पर अपना निश्चित और बहुत स्पष्ट दृष्टिकोण रख सकता हूं, क्योंकि मैंने इस बारे में सोचा है। मेरे पास नैतिकता का अपना सेट है जो कभी-कभी किसी विशेष चरित्र के रास्ते में आ सकता है। उन्होंने आगे बताया कि मैं शायद उन भूमिकाओं को न अपनाऊं जो मेरी नैतिकता से टकराती हैं और मैं खुद को गुलशन के रूप में उस भूमिका में पेश नहीं कर पाऊंगा। अगर मैं उसके लिए तैयार नहीं हूं तो उसमें प्रामाणिकता और दृढ़ विश्वास की कमी नजर आएगी। एक्टर का मानना है कि स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी की भावना भी आनी चाहिए।

समाज को सही रास्ते पर बनाए रखने के लिए एक खींचतान की आवश्यकता है।गुलशन अगली बार आगामी क्राइम-थ्रिलर सीरीज बैड कॉप में दोहरी भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह 21 जून को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

काम्या पंजाबी ने इश्क जबरिया में अपने किरदार के बारे में किया खुलासा

काम्या पंजाबी टीवी इंडस्ट्री का जाना-माना चेहरा है। इन दिनों वह सीरियल इश्क जबरिया में मोहिनी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने शो के यूनिक कॉन्सेप्ट के बारे में खुलकर बात की और अपने किरदार के बारे में खुलासा किया। इश्क जबरिया सामाजिक मुद्दे पकड़वा विवाह पर आधारित है। शो के कॉन्सेप्ट के बारे में बात करते हुए काम्या ने कहा कि मैं नए शो पर काम करने को लेकर एक्साइटेड हूं, जो हमारे देश में मौजूद एक सामाजिक मुद्दे पर आधारित है। इश्क जबरिया के साथ, हम कोई बदलाव करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम इस समस्या को मनोरंजक तरीके से दिखा रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं टीम के साथ काम करने को लेकर रोमांचित हूं, और दोनों लीड एक्टर्स सिद्धि शर्मा और लक्ष्य खुराना अद्भुत कलाकार हैं, और वे शानदार काम कर रहे हैं।

काम्या ने अपने किरदार मोहिनी के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि इसमें कई उतार-चढ़ाव होंगे। मेरे किरदार के कई रूप हैं। मैं अपनी इस भूमिका को पिछले किरदारों से अलग बनाने और स्क्रीन पर कुछ नया लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं। इश्क जबरिया प्यार, मजबूती और सामाजिक बाधाओं के खिलाफ दिल को छू लेने वाली कहानी है। इसकी शूटिंग बिहार के बेगूसराय में हो रही है। यह गुलकी (सिद्धि शर्मा) की कहानी है, जो एयर होस्टेस बनना चाहती है, लेकिन उसकी सौतेली मां उसके सपनों के बीच रूकावट पैदा करती है। शो में काम्या पंजाबी, सिद्धि शर्मा और लक्ष्य खुराना लीड रोल में हैं। इश्क जबरिया सन नियो पर प्रसारित होता है।काम्या ने अपने करियर में नेगेटिव किरदार ज्यादा निभाए हैं। वह रेत, अस्तित्व-एक प्रेम कहानी और बनूं मैं तेरी दुल्हन में वैंप को रोल किया। वह अंबर धारा, पिया का घर, डोली अरमानों की, मर्यादा- लेकिन कब तक, शक्ति जैसे सीरियल्स में भी नजर आई।

उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों कहो ना प्यार है, ना तुम जानो ना हम, यादें और फिर भी दिल है हिंदुस्तानी जैसे फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने कई बड़े ब्रांड्स के लिए ऐड भी किए।

पहली बार

तुलसी हमारी बड़ी सयानी में मां की भूमिका निभा रहीं हैं अपर्णा दीक्षित

एक्ट्रेस अपर्णा दीक्षित पहली बार पर्दे पर टीवी शो तुलसी हमारी बड़ी सयानी में मां का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह इसी तरह की परिपक्व प्रेम कहानी की तलाश में थीं। अपर्णा ने कहा कि वह इस शो में पहले निभाई गई भूमिका से काफी अलग नजर आएंगी। प्यार की लुका छुपी और वो तो है अलबेला जैसे शो में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने कहा, मैं पहली बार स्क्रीन पर मां का किरदार निभा रही हूं। यह एक ऐसा शो है, जिसकी शुरुआत से ही मैं इसमें मां की भूमिका निभा रही हूं। मैंने यह फैसला इसलिए किया क्योंकि इसकी कहानी आशावादी और सम्मोहक है। उन्होंने कहा कि मैंने खुद से कहा कि मैं यह शो करूंगी, क्योंकि इसमें एक अलग तरह का फ्लेवर है। अब तक मैंने जिन टीवी शो में काम किया है, उनमें से ज्यादातर प्रेम कहानियां थीं। यह भी एक प्रेम कहानी है, लेकिन यह एक बहुत ही गहरी और परिपक्व कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे बुरा समय और भाग्य आपस में जुड़ते हैं।

आगे कहा, बुरे समय में साथी अक्सर हार मान लेते हैं लेकिन इस कहानी में खूबसूरती से दिखाया गया है कि कैसे एक पति अपनी पत्नी का ऐसे समय पर समर्थन करना जारी रखता है। वह उसके साथ खड़ा रहता है, उसे ठीक होने में मदद करता है और उसे अपनी बेटी से फिर से मिलाता है। यह एक ऐसे पति की कहानी है जो अपने संघर्षों के बावजूद अपनी पत्नी का उसके सबसे बुरे समय में साथ देता है।

चरित्र को निभाते समय सामने आई चुनौतियों के बारे में अपर्णा ने कहा, मैं कुछ अलग करना चाहती थी और यह कहानी बिल्कुल वैसी ही है। यह जटिल भावनाओं के साथ मां-बेटी के रिश्ते को दिखाती है। मुझे लगता है कि लोग इसे पसंद करेंगे क्योंकि यह भावनात्मक और संवेदनशील दोनों तरह का शो है। उन्होंने कहा कि एक मां और उसके बच्चे के बीच का रिश्ता बेहद संवेदनशील और मार्मिक होता है। एक भावुक व्यक्ति के रूप में इस किरदार को निभाना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। मैं इस भूमिका को लेकर बहुत खुश हूं। मैंने पहले कभी टीवी पर एक मां की भूमिका नहीं निभाई। एक्ट्रेस ने कहा कि मैंने पहले भी कई तरह की प्रेम कहानियों में काम किया है। लेकिन यह भूमिका मेरे लिए बहुत नई और चुनौतीपूर्ण है, जिसमें एक मां और बेटी के बीच के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है। तुलसी हमारी बड़ी सयानी दंगल टीवी पर प्रसारित होता है।

वसई मर्डर केस पर बोली रवीना टंडन

मुंबई से सटे वसई इलाके में मंगलवार के दिन एक प्रेमी ने प्रेमिका की बीच सड़क पर हत्या कर दी। आरोपी ने लोहे के रिंच से लड़की के सिर पर कई बार वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि आरोपी कितनी बेदर्दी से घटना को अंजाम दे रहा है और पब्लिक वहां से निकलती जा रही है। किसी ने उस सनकी शख्स को रोकने की कोशिश नहीं की। इस वीडियो को लेकर एक्ट्रेस रवीना टंडन ने एक्स पर शेयर किया है और अपना गुस्सा जाहिर किया।

रवीना टंडन ने एक्स पर एक मीडिया संस्थान की पोस्ट शेयर कर गुस्से में लिखा, 'वहां पर खड़े सभी लोग उसे आसानी से बचा सकते थे...शर्म की बात है। मेरा खून खौलता है यह देखकर कि कोई भी आगे नहीं आया। कभी-कभी किसी को बस होश में रहना चाहिए। उसके पास कोई नुकीली चीज नहीं थी, वहां बस दो लोगों की हिम्मत की जरूरत थी। इस तरह के बदमाश वास्तव में कायर होते हैं। जैसे ही वो विरोध होता देखते हैं तो भाग जाते हैं। ऐसे झूठे लोग झूठ के पीछे छिपते हैं'।

सुमोना चक्रवर्ती को बैंकवालों ने इस कारण लोन देने से कर दिया था मना

टीवी एक्ट्रेस और कपिल शर्मा के साथ लंबे समय काम कर चुकीं सुमोना चक्रवर्ती इन दिनों रोहित शेट्टी के साथ रोमानिया में शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू दिया है और अपने मुश्किल समय को याद किया है।

उन्होंने बताया कि कैसे पहला घर खरीदने के दौरान उन्हें परेशानियां हुई थी। बैंकों ने लोन देने से मना कर दिया था।

द कपिल शर्मा शो में अलग-अलग किरदार निभाकर सबकी चहेती बनीं सुमोना चक्रवर्ती इन दिनों खतरों के खिलाड़ी सीजन 14 की शूटिंग कर रही हैं। अब एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्होंने मुंबई में खुद का घर खरीदने में कितनी मुश्किलों का सामना किया। एक्ट्रेस के मुताबिक, वह जो काम करती हैं, उसमें कोई एक फिक्स्ड सैलरी नहीं होती इसलिए बैंकों ने उन्हें लोन देने से ही मना कर दिया था। उन्होंने बताया, मैंने अपना पहला घर 26 साल की उम्र में खरीदा था। यह मुंबई में एक छोटा सा अपार्टमेंट है और हर कोई जानता है कि यहां रियल एस्टेट बहुत बढ़िया है। एक्टर्स के पास ऑफिस-स्ट्रक्चर्ड सैलरी स्लिप या मंथली पेमेंट तय नहीं होती। मुझे अभी भी याद है कि कैसे बैंक वाले मुझे लोन देने से हिचक रहे थे, क्योंकि मेरा कोई फिक्स्ड मंथली सैलरी नहीं थी। 20,000 रुपये महीना कमाने वाला कोई व्यक्ति, बैंक के लिए एक्टर की तुलना में ज्यादा सुरक्षित होता है, क्योंकि इसमें जोखिम ज्यादा होता है।

-साभार एजेंसी

मिर्जापुर-3 रसिका दुग्गल ने शेयर किया नया पोस्टर, छोटे बच्चे के साथ आई नजर

वेब सीरीज 'मिर्जापुर-3' का ट्रेलर कल रिलीज होने वाला है। इसका इंतजार मिर्जापुर के फैंस को बहुत दिनों से था। ये सीरीज 5 जुलाई से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। इससे पहले बीना त्रिपाठी ने कुर्सी के खेल के लिए कमर कस ली है। उनका एक लेटेस्ट पोस्टर इंटरनेट पर वायरल है। इसमें वो एक छोटे बच्चे को लिए दिखाई दे रही हैं।

उनके सामने चेस रखा हुआ है। इसे खुद बीना का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने शेयर किया है। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा- छोटा प्यादा बड़े खेल की तैयारी? इस पोस्टर को AI द्वारा बनाया गया है। मगर ये पोस्टर इतना दमदार है कि आते ही वायरल हो गया। इसे देखने के बाद लोग कहने लगे कि मिर्जापुर की गद्दी पर तो राज बीना त्रिपाठी का ही होगा। इस सीरीज में इस बार अखंडानंद और गुड्डू भैया के साथ ही बीना भाभी भी गद्दी के लिए लड़ती दिखाई देंगी। 'मिर्जापुर-3' में पंकज त्रिपाठी और अली फजल लीड रोल में हैं. इसके अलावा विजय वर्मा, श्वेता त्रिपाठी, राजेश तैलांग, हर्षिता कौर, अंजुम शर्मा, शीबा चड्ढा जैसे स्टार्स इस बार दिखाई देंगे। इस सीरीज का निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने मिलकर किया है।